दैनिक

भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844   डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-148 | झुंझुनू (राजस्थान) | बुधवार, 22 अप्रैल, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्य: 5.00

भीम प्रज्ञा अलर्ट

'जो लोग परिस्थितियों के अनुसार बदलते हैं, वे टिकते नहीं; और जो अपने मूल्यों पर अडिग रहते हैं, वही जीवन में स्थायी पहचान बनाते हैं।

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार
Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

'रंग बदलते पत्ते और रिश्तों की सच्चाई: जड़ों से जुड़े रहने का संदेश '

एक दिन एक बालक ने अपने दादा से पूछा– 'दादा जी, ये पेड़ अपने ही पत्तों को क्यों गिरा देता है? क्या उसे उनसे प्यार नहीं होता?' दादा जी मुस्कुराए और बोले– 'बेटा, यह त्याग नहीं, समझदारी है। जो पत्ते अपनी ताजगी और हरापन खो चुके हैं, उन्हें पकड़कर रखने से पेड़ कमजोर हो जाएगा। उन्हें जाने देना ही उसकी ताकत है, ताकि नई कोपलें जन्म ले सकें।' यह छोटी-सी बात जीवन का बहुत बड़ा सत्य अपने भीतर समेटे हुए है। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है।

प्रकृति हमें हर पल सिखाती है, बस हम उसे समझने की कोशिश कम करते हैं। जब किसी वृक्ष का पत्ता हरा-भरा होता है, तो वह टहनी से मजबूती से जुड़ा रहता है। लेकिन जैसे ही वह अपना रंग खो देता है–पीला या भूरा पड़ जाता है–वह धीरे-धीरे गिरने लगता है। यह संकेत होता है कि अब उसका उस वृक्ष से संबंध समाप्त हो चुका है। ठीक इसी तरह, जब किसी इंसान का व्यवहार, उसकी निष्ठा और उसका स्वभाव बदलने लगे, तो यह समझ लेना चाहिए कि वह मन से पहले ही उस रिश्ते से दूर हो चुका है। आज के समय में रिश्तों का यह बदलता स्वरूप एक आम बात हो गई है। लोग परिस्थितियों और स्वार्थ के अनुसार अपने व्यवहार को बदल लेते हैं। जहां उन्हें लाभ दिखाई देता है, वहां वे जुड़ जाते हैं, और जहां कठिनाई या जिम्मेदारी आती है, वहां धीरे-धीरे दूर हो जाते हैं। ऐसे लोग बाहर से जुड़े दिखाई देते हैं, लेकिन भीतर से उनका संबंध समाप्त हो चुका होता है। किसी लेखक ने बहुत सटीक कहा है– 'पत्तों ने जब भी रंग बदला है, हमेशा जमीन पर ही गिरे हैं।' इसका अर्थ यह है कि जो लोग अपने मूल स्वभाव और मूल्यों को छोड़ देते हैं, वे लंबे समय तक अपनी ऊंचाई पर टिक नहीं पाते। जैसे जमीन पर गिरा पत्ता धीरे-धीरे सूखकर मिट्टी में मिल जाता है, वैसे ही अस्थिर और अवसरवादी लोग समय के साथ अपनी पहचान और सम्मान खो देते हैं।

यह स्थिति केवल व्यक्तिगत जीवन तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक जीवन में भी दिखाई देती है। जब लोग अपने सिद्धांतों और नैतिकता को छोड़कर केवल स्वार्थ के पीछे भागते हैं, तो समाज में विश्वास की कमी होने लगती है। रिश्ते कमजोर होने लगते हैं और हर व्यक्ति दूसरे पर संदेह करने लगता है। ऐसे वातावरण में न तो सच्चे संबंध बन पाते हैं और न ही स्थायी विकास संभव होता है। ऐसे में सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि जब कोई अपना बदल जाए, तो हमें क्या करना चाहिए? क्या हमें उसे रोकने की कोशिश करनी चाहिए? क्या हमें उसके बदलने का दुख मनाते रहना चाहिए? या फिर उसे जाने देना चाहिए? इसका उत्तर भी प्रकृति हमें बहुत सहज तरीके से देती है। पेड़ कभी भी अपने सूखे और मुरझाए हुए पत्तों को पकड़कर नहीं रखता। वह उन्हें सहजता से गिरने देता है, क्योंकि उसे पता होता है कि यही प्रक्रिया उसके विकास के लिए आवश्यक है। पुराने पत्तों के गिरने से ही नई और ताजी कोपलें जन्म लेती हैं। इसी तरह, हमारे जीवन में भी कुछ लोग केवल एक समय के लिए आते हैं। जब उनका समय पूरा हो जाता है या उनका स्वभाव बदल जाता है, तो उन्हें जबरदस्ती रोकने का कोई अर्थ नहीं होता। जो व्यक्ति दिल से आपके साथ नहीं है, उसका साथ आपके विकास को रोक सकता है। ऐसे रिश्ते धीरे-धीरे बोझ बन जाते हैं, जो आपकी ऊर्जा और मानसिक शांति को प्रभावित करते हैं। यह भी समझना जरूरी है कि हर बदलाव हमारे नियंत्रण में नहीं होता। जैसे हवाएं चलती हैं और पत्ते झड़ते हैं, वैसे ही लोगों का स्वभाव भी बदल सकता है। लेकिन हमारे हाथ में यह जरूर है कि हम अपने मूल्यों और अपने चरित्र को कितना मजबूत बनाए रखते हैं। यदि हमारी जड़ें मजबूत हैं, तो कोई भी बाहरी परिवर्तन हमें हिला नहीं सकता।

एक मजबूत व्यक्ति वही है, जो परिस्थितियों के अनुसार अपने सिद्धांत नहीं बदलता। वह हर स्थिति में अपने मूल्यों पर अडिग रहता है। ऐसा व्यक्ति पेड़ की तरह होता है, जिसकी जड़ें गहरी होती हैं और जो हर मौसम में मजबूती से खड़ा रहता है। **अंततः**, जीवन हमें यही सिखाता है कि हर किसी को अपने साथ बनाए रखना संभव नहीं है। कुछ लोग आएंगे, कुछ समय साथ देंगे और फिर चले जाएंगे। हमें उनके जाने का दुख मनाने के बजाय उनसे मिली सीख को अपने जीवन में उतारना चाहिए।

याद रखिए–जो आपका है, वह कभी बदलेगा नहीं; और जो बदल गया, वह कभी आपका था ही नहीं। इसलिए अपनी जड़ों को मजबूत रखें, अपने मूल्यों पर अडिग रहें और जीवन में आने-जाने वाले लोगों को सहजता से स्वीकार करें। क्योंकि यही संतुलन और समझ एक सफल और शांतिपूर्ण जीवन की पहचान है।

वसुंधरा को बेबस कहेंगे तो लोग हंसेंगे: बीजेपी प्रदेश प्रभारी

वे प्रभावी मुख्यमंत्री रही हैं, अब हमने बहुत प्रभावी डिप्टी सीएम दी है

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । BJP के प्रदेश प्रभारी डॉ. राधामोहन दास अग्रवाल ने कहा- अगर आप वसुंधरा राजे के लिए बेबस शब्द का प्रयोग करेंगे तो लोग हंसेंगे। वसुंधरा राजे महिला सशक्तिकरण का जीवंत प्रतीक हैं। कांग्रेस और उसके लोग इस प्रकार के षड्यंत्रों के लिए जाने जाते हैं। हमने बहुत प्रभावी बहन को इस प्रदेश का उप मुख्यमंत्री बनाकर राजस्थान की जनता को दिया है। पहले मुख्यमंत्री दिया था, वसुंधरा राजे बहुत प्रभावी मुख्यमंत्री रही हैं। अब दीया कुमारी हमारी उप मुख्यमंत्री हैं। फर्जी लेटर के मामले में पूरी पार्टी राजे के साथ खड़ी है, इस मामले को पार्टी गंभीरता से ले रही है। उन्होंने भी खुलकर आपके सामने अपनी बात रखी है। प्रदेश के प्रशासनिक हलके को भी इस पर कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। राधामोहन दास अग्रवाल ने यह बात मंगलवार को जयपुर में बीजेपी प्रदेश कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कही।

प्रदेश को प्रभावी उप मुख्यमंत्री दिया

सीएम भजनलाल शर्मा की कैबिनेट में महिला मंत्रियों की कम संख्या को लेकर पूछे गए सवाल पर राधामोहन दास अग्रवाल ने कहा- परिवर्तन, उसका विस्तार और मूल्यांकन सतत चलने वाली प्रक्रिया है। हमने एक बहुत प्रभावी बहन को इस प्रदेश का उप मुख्यमंत्री बनाकर राजस्थान की जनता को दिया है। पहले मुख्यमंत्री दिया था, वसुंधरा राजे बहुत प्रभावी मुख्यमंत्री रही हैं। अब दीया कुमारी हमारी उप मुख्यमंत्री हैं। बीजेपी ने हमेशा महिलाओं को उनका अधिकार दिया है। उत्तरप्रदेश में तीन बार हमने बहन मायावती को पूरा समर्थन देकर उनको मुख्यमंत्री बनाया। दिल्ली में आज भी महिला मुख्यमंत्री है। हर जगह की राजनीतिक परिस्थितियां होती हैं, पूरे देश के समीकरण तय करने होते है, उसके अनुसार सामूहिक निर्णय लिया जाता है।

हमें लगा कांग्रेस इस बार भी नाटक जारी रखेगी

प्रभारी ने कहा- कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने साल 2023 में महिलाओं के साथ खड़े होने का नाटक किया था। उस समय जब यह विधेयक लाया गया था, तब साल 2024 में लोकसभा चुनाव थे। ऐसे में यह लोग विरोध करने की हिम्मत नहीं जुटा पाए। हमें लगा कि नाटक ही सही, इस बार भी यह लोग नाटक जारी रखेंगे, लेकिन जब इनको लगा कि इस बार तो महिला आरक्षण लागू होकर रहेगा तो इन्होने अपने आप को बेनकाब कर लिया और इसके विरोध में सामने आ गए। लेकिन हम महिला आरक्षण को लागू करके रहेंगे।

लोहियम करिअर इंस्टिट्यूट के विद्यार्थियों ने जेईई मेन्स 2026 सेशन 2 में लहराया परचम

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

क्षेत्र के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान लोहियम करिअर इंस्टिट्यूट के विद्यार्थियों ने जेईई मेन्स 2026 सेशन 2 में शानदार प्रदर्शन करते हुए संस्थान और पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। संस्थान के छात्र निकेश पुत्र नत्थूराम ने 99.74 परसेंटाइल, प्रियंका पुत्री विनोद ने 99.34 परसेंटाइल तथा वरदान पुत्र दीपक ने 96.15 परसेंटाइल प्राप्त कर उत्कृष्ट उपलब्धि हासिल की। इन विद्यार्थियों ने अपनी मेहनत और लगन से सफलता का नया कीर्तिमान स्थापित किया। इसके अतिरिक्त नेहा, अभिषेक, दिवाकर, कार्तिक कुमावत, देवेंद्र सोनी, समीक्षा, अर्पित, निदेश, ऊषा व प्रिंस ने भी शानदार परसेंटाइल प्राप्त कर जेईई एडवांस्ड के लिए क्वालीफाई किया, जिससे संस्थान में हर्ष और उत्साह का वातावरण बना हुआ है। इस अवसर पर संस्थान निदेशक जगपाल सिंह यादव, चेयरमैन राम सिंह नेहरा, नगर पालिका उपाध्यक्ष अभय सिंह बड़ेसरा, संस्था सचिव प्रदीप नेहरा, चेयरपर्सन ममता नेहरा प्रधानाचार्य प्रमिला झाझड़िया, इंग्लिश मीडियम प्रिंसिपल प्रमोदिनी दुबे, फाउंडेशन प्रभारी प्रदीप सोनी, श्याम सुन्दर मिश्रा, राकेश कुमावत, कुलदीप कानोडिया सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहे। सफल विद्यार्थियों का माल्यार्पण कर मिठाई खिलाकर स्वागत किया गया। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि से उनके अभिभावकों एवं पूरे स्टाफ में उत्साह, जोश और जश्न का माहौल देखने को मिला। संस्थान प्रबंधन ने सभी सफल विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

हीट वेव अलर्ट के बीच सीएमएचओ डॉ गुर्जर पहुंचे एसडीएच खेतड़ी

अस्पताल में मरीजों से मुलाकात कर लिया सेवाओं का फीडबैक

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं/खेतड़ी।

सीएमएचओ डॉ. छोटेलाल गुर्जर ने मंगलवार को उप जिला अस्पताल खेतड़ी का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने मौसमी बीमारियों और जारी हीट वेव अलर्ट को देखते हुए अस्पताल की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान डॉ. गुर्जर ने वार्ड में भर्ती मरीजों से मुलाकात कर उनका हाल जाना तथा अस्पताल में मिल रही सुविधाओं और विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं का फीडबैक लिया। उन्होंने दवा योजना, जांच योजना और सिजेरियन डिलीवरी जैसी सेवाओं की स्थिति की जानकारी लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।सीएमएचओ ने विशेष रूप से मा योजना के तहत पात्र मरीजों के पैकेज समय पर बुक करने के निर्देश दिए, ताकि अधिक से अधिक लोगों को योजना का लाभ मिल सके। इसके अलावा उन्होंने गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए अस्पताल में दवाइयों, पेयजल और अन्य आवश्यक संसाधनों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि हीट वेव के दौरान मरीजों को त्वरित और बेहतर उपचार उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी वार्डों में कुलर पंखे पर्दे आदि लगाने के निर्देश दिए पीने के पानी की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर पीएमओ डॉ अक्षत शर्मा बीसीएमओ डॉ हरीश यादव भी मौजूद रहें।

खेतड़ी में 24 अप्रैल को एचपीवी टीकाकरण महाअभियान, चिकित्सा विभाग ने स्कूलों से मांगा सहयोग

संस्थान प्रधानों के साथ बैठक, बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए किया जागरूक

भीम प्रज्ञा न्यूज़.खेतड़ी ।

खेतड़ी उपखंड में चिकित्सा विभाग द्वारा आगामी 24 अप्रैल को प्रस्तावित एचपीवी टीकाकरण महाअभियान को लेकर तैयारियां तेज कर दी गई हैं। इसी क्रम में मंगलवार को विभागीय अधिकारियों ने राजकीय एवं निजी विद्यालयों के संस्था प्रधानों के साथ बैठक आयोजित कर अभियान को सफल बनाने हेतु सहयोग का आह्वान किया। बैठक के दौरान आरसीएचओ डॉ. दयानंद सिंह खेतड़ी ब्लॉक पहुंचे और उन्होंने चिकित्सा विभाग की टीम के साथ विभिन्न विद्यालयों का दौरा किया। इस दौरान देवनारायण राजकीय आवासीय विद्यालय मेहाड़ा, केंद्रीय विद्यालय खेतड़ीनगर तथा सोफिया स्कूल में संस्था प्रधानों के साथ संवाद कर टीकाकरण अभियान की रूपरेखा समझाई गई। डॉ. दयानंद सिंह ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए यह विशेष अभियान शुरू किया जा रहा है। इसके अंतर्गत 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की बालिकाओं को एचपीवी वैक्सीन लगाई जाएगी, जो इस गंभीर बीमारी से सुरक्षा प्रदान करने में प्रभावी है।उन्होंने कहा कि कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बचाव के लिए समय पर टीकाकरण अत्यंत आवश्यक है।

इसलिए अभिभावकों, शिक्षकों और आमजन को इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभानी चाहिए।

चिकित्सा विभाग ने जानकारी दी कि इस महाअभियान के तहत खेतड़ी ब्लॉक के सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एवं उपजिला अस्पतालों पर टीकाकरण की व्यवस्था की जाएगी। इस अवसर पर बीसीएमओ डॉ. हरीश यादव, डॉ. महेंद्र सैनी, डॉ. संजय भारद्वाज, डॉ. मानवेंद्र सिंह तथा देवनारायण बालिका आवासीय विद्यालय की प्रधानाचार्य विधा रोहिताश सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहें। विभाग ने संस्था प्रधानों और आमजन से अपील की है कि वे इस जनहितकारी अभियान में सहयोग कर बालिकाओं के स्वास्थ्य सुरक्षा को सुनिश्चित करने में अपनी भूमिका निभाएं।

नीमराना की नेक्सजन कंपनी में 3 महीने से वेतन नहीं मिलने पर फूटा श्रमिकों का गुस्सा, गेट पर किया जोरदार प्रदर्शन

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । इंडियन जोन औद्योगिक क्षेत्र स्थित नेक्सजन फ्लोरो पॉलिमर्स कंपनी में मंगलवार को श्रमिकों और सिक्योरिटी गार्डों का गुस्सा उस समय फूट पड़ा, जब पिछले तीन महीनों से वेतन नहीं मिलने से परेशान कर्मचारियों ने कंपनी गेट के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया। श्रमिकों ने प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए जल्द वेतन भुगतान की मांग उठाई। प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों का आरोप है कि कंपनी के पार्टनर नवीन गुप्ता और संजीव जैन के बीच चल रहे आपसी विवाद का सीधा असर श्रमिकों पर पड़ रहा है। इसी विवाद के चलते पिछले तीन महीनों से वेतन रुका हुआ है, जिससे कर्मचारियों के सामने आर्थिक संकट गहराता जा रहा है। कंपनी में कार्यरत सिक्योरिटी गार्ड संजय शर्मा और श्रमिक अशोक कुमार ने बताया कि जनवरी माह से अब तक किसी भी कर्मचारी को सैलरी नहीं मिली है। ऐसे में परिवार का भरण-पोषण करना मुश्किल हो गया है और कई श्रमिक कर्ज लेने को मजबूर हो रहे हैं। श्रमिकों के अनुसार कंपनी में करीब 35 कर्मचारी कार्यरत हैं, जिनमें सिक्योरिटी गार्ड भी शामिल हैं। लगातार तीन महीने से वेतन नहीं मिलने के कारण कर्मचारियों की आर्थिक स्थिति खराब होती जा रही है। बच्चों की फीस, घर का राशन और इलाज तक के लिए पैसे नहीं हैं। मामले की सूचना मिलते ही नीमराना पुलिस मौके पर पहुंची। सब इंस्पेक्टर दयाराम के नेतृत्व में पुलिस जाब्ता तैनात कर स्थिति को नियंत्रण में रखा गया और कानून- व्यवस्था बनाए रखने के लिए निगरानी की गई। हालांकि, श्रमिकों की समस्या सुनने के लिए कंपनी प्रबंधन की ओर से कोई भी जिम्मेदार अधिकारी मौके पर मौजूद नहीं रहा।

प्रदर्शनकारी श्रमिकों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द वेतन का भुगतान नहीं किया गया तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा।

प्रशासनिक सेवा में चयन होने पर जांगिड़ महासभा ने किया अभिनन्दन

भीम प्रज्ञा न्यूज.पिलानी।

अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा तहसील शाखा पिलानी एवं विश्वकर्मा मंदिर कमेटी पिलानी द्वारा राजस्थान प्रशासनिक सेवा में चयन होने पर टैगोर पब्लिक स्कूल के निदेशक जयसिंह जांगिड़ की सुपौत्री एवं विनोद जांगिड़ की सुपुत्री पायल जांगिड़ का अभिनंदन किया गया। आयोजित कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी देवेंद्र झाझडिया मुख्य अतिथि थे। जयसिंह जांगिड़ ने अध्यक्षता की। अखिल भारतीय जांगिड़ महासभा तहसील सभा पिलानी एवं विश्वकर्मा मंदिर कमेटी की तरफ से तहसील अध्यक्ष? मामचंद सोनानिया के नेतृत्व में दिनेश जांगिड़ उपाध्यक्ष, अजनेश जांगिड़ उपाध्यक्ष, रामनिवास जांगिड़ महामंत्री, महेश जांगिड़ मंत्री, अनिल जांगिड़ कोषाध्यक्ष, पूरणमल जांगिड़, हरिकिशन जांगिड़, महेंद्र जांगिड़, सत्यवीर जांगिड़,परमेश्वर जांगिड़,सही राम जांगिड़, प्रताप जांगिड़, रामरिख जांगिड़, सुमेर जांगिड़, प्रमोद जांगिड़ एवं समस्त पदाधिकारीगण एवं जांगिड़ बंधुओं की ओर से पुष्पगुच्छ भेंट कर एवं साफा बनाकर अभिनंदन किया।

नारनौल में 'राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस' का शानदार आगाज

जिले में 90 प्रतिशत लाभार्थियों को खिलाई एलबेंडाजोल की गोलियां

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

सिविल सर्जन डॉ. अशोक कुमार ने आज यदुवंशी शिक्षा निकेतन नारनौल में बच्चों को एलबेंडाजोल की गोलियां खिलाकर 'राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस' का विधिवत शुभारंभ किया। सिविल सर्जन ने बताया कि आज पूरे जिले के सभी सरकारी एवं निजी स्कूलों, कॉलेजों, तकनीकी संस्थानों, मलिन बस्तियों (स्लम) और ईंट-भट्ठों सहित सभी चिन्हित स्थानों पर 1 से 19 वर्ष तक के लाभार्थियों को पेट के कीड़े मारने की दवा (एलबेंडाजोल) खिलाई जा रही है। जिले में इस स्वास्थ्य अभियान को व्यापक सफलता मिली है। 1 से 19 वर्ष आयु वर्ग के कुल 345395 लाभार्थियों में से आज लगभग 310862 लाभार्थियों को एलबेंडाजोल की गोलियां खिलाई गई। इसके साथ ही स्वास्थ्य विभाग ने पहले ही दिन 90 प्रतिशत का लक्ष्य सफलतापूर्वक प्राप्त कर लिया है। उन्होंने कहा कि जो लाभार्थी आज किसी कारणवश दवा खाने से वंचित रह गए हैं, उन्हें 5 मई को आयोजित होने वाले 'मॉप-अप दिवस' के अवसर पर दवा खिलाकर 100 प्रतिशत का लक्ष्य पूरा किया जाएगा।

इस मौके पर उप सिविल सर्जन (आरबीएसके) डॉ. पंकज यादव ने दवा के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि एलबेंडाजोल की गोली लेने से पेट के कीड़ों से मुक्ति मिलती है और उन्हें एनीमिया (खून की कमी) जैसी गंभीर समस्या से बचाया जा सकता है और यह गोली बच्चों के लिए पूरी तरह से सुरक्षित है। इस अवसर पर डीईआईसी मैनेजर डॉ. दीपक कौशिक एवं काउंसलर विजय यादव डीपीएम संदीप यादव, स्कूल के प्रिंसिपल नरेश, स्कूल के सभी अध्यापकगण और भारी संख्या में छात्र एवं छात्राएं उपस्थित रहे।

बच्चे के दांत निकलते समय बढ़ी चिड़चिड़ाहट तो इन आसान तरीकों से दें उसे राहत

छोटे बच्चों में दांत निकलना एक सामान्य लेकिन थोड़ा मुश्किल दौर होता है। इस समय बच्चे अचानक चिड़चिड़े हो जाते हैं, बार-बार रोते हैं और खाने-पीने में भी नखरे दिखाने लगते हैं। ऐसे में माता-पिता घबरा जाते हैं, लेकिन सही देखभाल से बच्चे की तकलीफ को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

दांत निकलने के सामान्य लक्षण

मसूड़ों में सूजन और दर्द
बार-बार रोना और चिड़चिड़ापन
हर चीज मुंह में डालना
ज्यादा लार आना
नींद और भूख में बदलाव
हल्का बुखार (तेज बुखार नहीं)
ऐसे कम करें बच्चे का दर्द (5 आसान तरीके)

ठंडी चीजें चबाने को दें

दांत निकलने के दौरान बच्चे को ठंडी और सुरक्षित चीजें चबाने के लिए देना काफी फायदेमंद होता है। ठंडे टीथर, फ्रूट निबलर या हल्के ठंडे फल मसूड़ों की सूजन और दर्द को कम करने में मदद करते हैं। आप टीथर को 10-15 मिनट के लिए फ्रिज में ठंडा करके बच्चे को दे सकते हैं, इससे उसे तुरंत राहत मिलती है और चिड़चिड़ापन भी कम होता है।

ठंडे कपड़े से राहत दें

दांत निकलते समय बच्चे के मसूड़ों को आराम देने के लिए साफ, गीले और ठंडे कपड़े का इस्तेमाल करना बहुत फायदेमंद होता है। आप कपड़े को हल्का ठंडा करके बच्चे को चबाने के लिए दे सकते हैं या उससे मसूड़ों पर धीरे-धीरे रगड़ सकते हैं। इससे मसूड़ों की सूजन कम होती है और बच्चे को दर्द से राहत मिलती है।

हल्की मसाज करें

दांत निकलने के दौरान बच्चे के मसूड़ों में होने वाली तकलीफ को कम करने के लिए हल्की मसाज बहुत फायदेमंद होती है। साफ उंगली या स्टेरिलाइज्ड गॉज से धीरे-धीरे मसूड़ों की मालिश करने से दर्द में राहत मिलती है और बच्चे को आराम महसूस होता है।

सॉफ्ट और ठंडा खाना दें

दांत निकलने के दौरान बच्चे को सॉफ्ट और हल्का ठंडा खाना देना उसके लिए ज्यादा आरामदायक होता है। दही, नरम फल या ठंडी खिचड़ी जैसे फूड्स मसूड़ों को राहत देते हैं और आसानी से खाए जा सकते हैं। इस समय बच्चे की भूख कम होना सामान्य है, इसलिए उसे जबरदस्ती खिलाने की बजाय उसकी जरूरत के अनुसार ही भोजन दें।

साफ-सफाई का रखें खास ध्यान

दांत निकलने के दौरान बच्चे हर चीज मुंह में डालने लगते हैं, इसलिए साफ-सफाई का खास ध्यान रखना बेहद जरूरी होता है। उनके खिलौनों, टीथर और आसपास की चीजों को नियमित रूप से साफ और स्टेरिलाइज करें, ताकि किसी भी तरह के इंफेक्शन का खतरा कम हो और बच्चा सुरक्षित रहे।

कब डॉक्टर से संपर्क करें?
तेज बुखार हो
बार-बार दस्त लगें
बच्चा बहुत ज्यादा सुस्त या परेशान दिखे
भूख लंबे समय तक कम रहे।

विशेषज्ञों के अनुसार, दांत निकलने के लक्षण आमतौर पर कुछ दिनों तक ही रहते हैं। हल्की परेशानी सामान्य है, लेकिन गंभीर लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। दांत निकलना एक प्राकृतिक प्रक्रिया है, जिसे रोका नहीं जा सकता, लेकिन सही देखभाल और छोटे-छोटे उपायों से बच्चे को आराम जरूर दिया जा सकता है। माता-पिता का धैर्य और सही जानकारी इस समय सबसे ज्यादा काम आती है।

बच्चों को आंखों की थकान से बचाने के लिए टिप्स

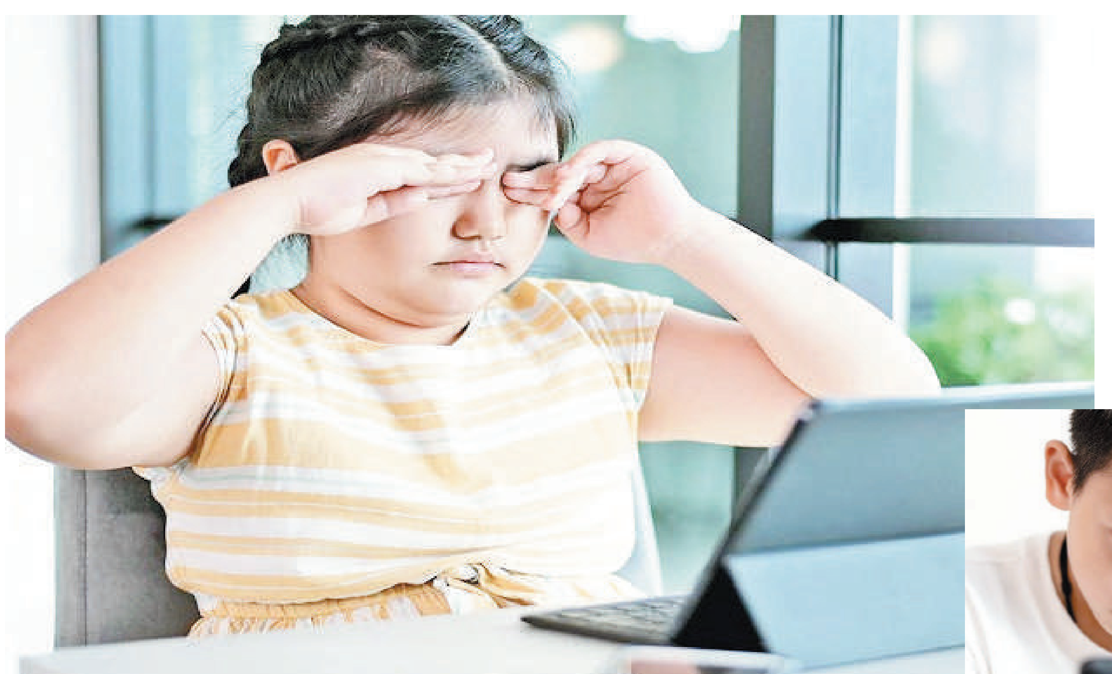

बच्चों में आंखों की थकान और स्क्रीन से जुड़ी आंखों की समस्याएं गंभीर रूप से बढ़ रही हैं, जिससे नेत्र विशेषज्ञों में चिंता की लहर फैल रही है। स्क्रीन पर लंबे समय तक नज़र बनाए रखने से बच्चों की आंखों को ड्राईनेस, धुंधलापन, आंखों में थकान और सिरदर्द जैसी परेशानियां हो सकती हैं, खासकर जब वे मोबाइल, टैबलेट या कंप्यूटर पर घंटों बिताते हैं। आंखों के विशेषज्ञों ने बताया गया है कि आज के बच्चे पहले से कहीं ज्यादा स्क्रीन टाइम के संपर्क में हैं, जिससे डिजिटल आई स्ट्रेन जैसी समस्याएं सामान्य होती जा रही हैं।

स्क्रीन टाइम के नुकसान

लगातार स्क्रीन देखने से आंखों की मांसपेशियों पर तनाव बढ़ता है जिससे आंखों में थकान, धुंधला दिखना और जलन जैसी शिकायतें आती हैं। स्क्रीन के नज़दीक देखने से आंखों को लगातार फोकस बनाए रखना पड़ता है, जिससे अनुकूलन तनाव होता है और दृष्टि में अस्थायी बदलाव के लक्षण दिख सकते हैं। शोध से यह भी पता चलता है कि स्क्रीन टाइम के कारण बच्चों में ड्राई आई, दृष्टि दोष और आंखों की समस्याओं का जोखिम बढ़ रहा है। लंबी अवधि स्क्रीन पर देखने से आंखों का नमी संतुलन बिगड़ सकता है और आँखें जल्दी थक सकती हैं।

माता-पिता को क्या करना चाहिए

आंखों पर जोर और थकान कम करने के लिए विशेषज्ञ कुछ आसान परामर्श देते हैं।

20-20-20 नियम अपनाएं: हर 20 मिनट स्क्रीन देखने के बाद बच्चे को कम से कम 20 सेकंड के लिए 20 फीट दूर किसी वस्तु पर नज़र डालने का अ भ्य ा स करवाएं।

स्क ्रीन टाइम सीमित करें: छोटे बच्चों के लिए स्क्रीन टाइम को दिन में 1 घंटे तक ही सीमित रखें। बड़े बच्चों के लिए स्कूल के अतिरिक्त 2 घंटे से अधिक न देखें।

स्क्रीन की दूरी और टाइम सीमा: सुनिश्चित करें कि स्क्रीन की दूरी कम से कम 18-24 इंच हो और स्क्रीन आंखों के थोड़ा नीचे रखा जाए ताकि आंखों पर तनाव कम हो।

अच्छा प्रकाश और ब्रेक: कमरे में पर्याप्त रोशनी रखें और स्क्रीन से जुड़े कार्य के दौरान नियमित अंतराल पर ब्रेक लें ताकि आंखों को विश्राम मिले।

ऑउटडोर खेल: रोजाना कम से कम 90-120 मिनट की बाहरी गतिविधि या खेलकूद को प्रोत्साहित करें। प्राकृतिक रोशनी में खेलने से आंखों की सेहत बेहतर बनी रहती है और द्ब4श्श्चद्बड्ड (नेत्र दोष) के जोखिम को कम मदद मिलती है।

बच्चों पर ध्यान दें और उन्हें अच्छी आदतें सिखाएं

विशेषज्ञों का मानना है कि आधुनिक समय में स्क्रीन उपयोग को पूरी तरह बंद करना संभव नहीं है, लेकिन संतुलित समय और सही आदतें अपनाने से बच्चों की आंखों को लंबे समय तक स्वस्थ रखा जा सकता है। माता-पिता को चाहिए कि वे स्कूल और मनोरंजन के लिए स्क्रीन टाइम को संतुलित रखें, समय-समय पर आंखों की जांच करवाएं और शुरुआती संकेतों पर नेत्र विशेषज्ञ से सलाह लें, ताकि छोटी असहजता बड़ी समस्या न बन जाए।

गर्मी में सोने से पहले चेहरे पर लगाएं ये चीजें, सुबह मिलेगा कोरियन ग्लास स्किन जैसा ग्लो

गर्मी के मौसम में त्वचा की देखभाल करना बेहद जरूरी हो जाता है। तेज धूप, पसीना, धूल और प्रदूषण की वजह से स्किन अपनी नैचुरल चमक खोने लगती है। ऐसे में हर बार महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट्स या पार्लर ट्रीटमेंट लेना जरूरी नहीं है। अगर आप घर पर ही नेचुरल तरीके से ग्लो पाना चाहती हैं, तो रात में सोने से पहले कुछ आसान चीजों का इस्तेमाल कर सकती हैं। इससे सुबह आपका चेहरा फ्रेश, साफ और कोरियन ग्लास स्किन जैसा चमकदार नजर आएगा।

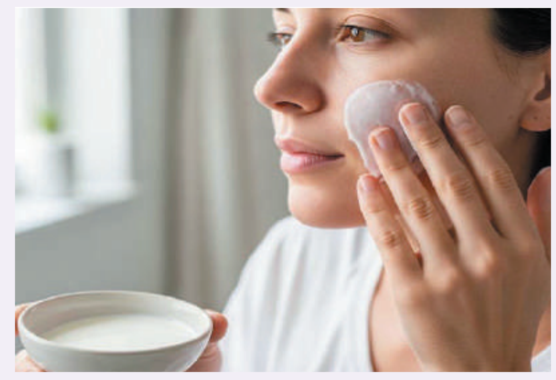

गुलाब जल से पाएं नेचुरल ग्लो

गुलाब जल स्किन के लिए एक नेचुरल टोनर की तरह काम करता है। यह त्वचा को ठंडक देता है और पोर्स को टाइट करने में मदद करता है।

कैसे करें इस्तेमाल

रात में सोने से पहले चेहरा अच्छे से धो लें
कॉटन में गुलाब जल लेकर चेहरे और गर्दन पर लगाएं
हल्के हाथों से थपथपाएं ताकि स्किन में अच्छे से एब्सॉर्ब हो जाए
इसे रातभर लगा रहने दें
इससे स्किन फ्रेश रहती है और चेहरे पर नैचुरल चमक आती है।

कच्चे दूध से करें डीप क्लीनिंग

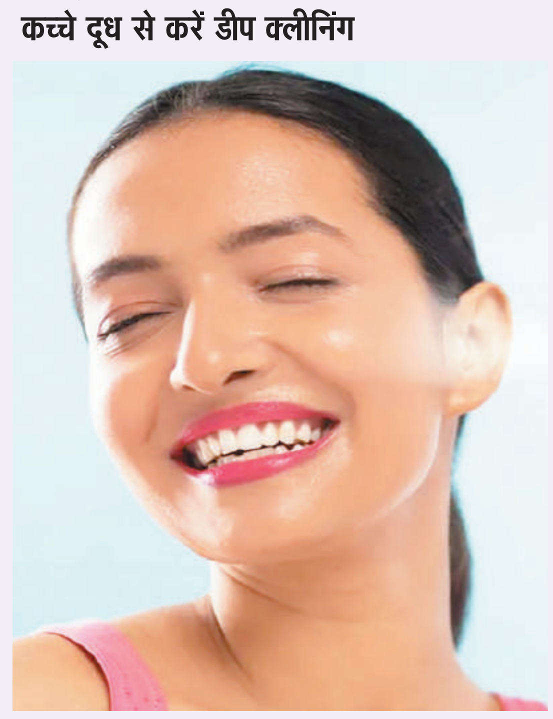

कच्चा दूध एक बेहतरीन नेचुरल क्लींजर है, जो त्वचा की गंदगी हटाकर टैनिंग कम करने में मदद करता है। इसमें मौजूद लैक्टिक एसिड स्किन को ब्राइट बनाता है।

कैसे करें इस्तेमाल
एक चम्मच कच्चा दूध लें
कॉटन की मदद से पूरे चेहरे पर लगाएं
5 मिनट हल्के हाथों से मसाज करें
10 मिनट बाद चेहरा धो लें
इससे चेहरे पर निखार और सॉफ्टनेस आती है।
एलोवेरा जेल से करें स्किन रिपेयर

एलोवेरा जेल स्किन को हाइड्रेट करता है और पिंपल्स व सनबर्न से राहत देता है। गर्मियों में यह स्किन के लिए बेहद फायदेमंद होता है।

कैसे करें इस्तेमाल

चेहरा साफ करने के बाद थोड़ा सा एलोवेरा जेल लें
हल्के हाथों से पूरे चेहरे पर मसाज करें
खासकर ड्राय एरिया और आंखों के आसपास लगाएं
इसे रातभर लगा रहने दें
सुबह उठते ही आपकी स्किन सॉफ्ट, स्मूद और ग्लोइंग नजर आएगी।

अगर आप बिना महंगे प्रोडक्ट्स के नेचुरल ग्लो चाहती हैं, तो इन 3 आसान घरेलू उपायों को अपनी नाइट स्किनकेयर रूटीन में शामिल करें। कुछ ही दिनों में आपकी स्किन हेल्दी, फ्रेश और चमकदार दिखने लगेगी।

दांतों की सेहत को नजरअंदाज न करें

शरीर की देखभाल करना हमारी जिम्मेदारी है, लेकिन अक्सर हम बड़े अंगों के साथ-साथ दांतों की सेहत को नजरअंदाज कर देते हैं। खासकर बच्चों के मामले में। बच्चों के दांतों पर लापरवाही करना एक बड़ी गलती साबित हो सकती है। आजकल छोटे बच्चों में दांतों की समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं, फिर भी कई माता-पिता इसे गंभीरता से नहीं लेते। एक्सपर्ट्स के अनुसार, अगर समय पर बच्चों के दांतों की सही देखभाल न की जाए, तो इसका असर सिर्फ मुंह तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उनकी पूरी शरीर की सेहत पर भी पड़ सकता है।

शुरुआत में ही पहचानें समस्या – बच्चों के दांतों में सड़न (कैविटी) धीरे-धीरे शुरू होती है। शुरुआत में सफेद या हल्के भूरे धब्बे दिखाई देते हैं, जो बाद में गड्ढे (कैविटी) में बदल जाते हैं। यह समस्या बैक्टीरिया और मीठे खाने के कारण होती है, जो दांतों की ऊपरी परत (एनामेल) को नुकसान पहुंचाते हैं।

दांत खराब हुए तो शरीर पर भी असर- दांतों की बीमारी सिर्फ दर्द तक सीमित नहीं रहती। रिसर्च बताती है कि बच्चों में दांतों की सड़न से

खाने में दिक्कत होती है
बोलने पर असर पड़ता है
शरीर का विकास प्रभावित हो सकता है
यानी दांत खराब होने का असर पूरे शरीर और बच्चे के विकास पर पड़ सकता है।

दांत ज्यादा खराब हुए तो क्या होगा?

अगर समय रहते इलाज न कराया जाए, तो दांत की सड़न नस (पल्प) तक पहुंच जाती है। इस स्थिति में डॉक्टर के पास दो ही विकल्प बचते हैं।

दांत निकालना –अगर दांत पूरी तरह से खराब हो जाए और उसे बचाना संभव न रहे, तो डॉक्टर उसे निकालने (टूथ एक्सट्रैक्शन) की सलाह देते हैं। यह स्थिति तब आती है जब सड़न बहुत ज्यादा बढ़ जाती है या संक्रमण दांत की जड़ों तक पहुंच जाता है, ऐसे में दर्द से राहत और आगे की समस्या से बचने के लिए दांत निकालना जरूरी हो जाता है।

रूट कैनाल ट्रीटमेंट –रूट कैनाल ट्रीटमेंट एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें दांत के अंदर मौजूद संक्रमित नस (पल्प) को हटाकर दांत को बचाने की कोशिश की जाती है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, जब दांतों की सड़न बहुत गहरी हो जाती है और संक्रमण जड़ों तक पहुंच जाता है, तब दर्द से राहत पाने और दांत को सुरक्षित रखने के लिए रूट कैनाल ट्रीटमेंट जरूरी हो जाता है। ऐसी स्थिति में अक्सर रूट कैनाल या दांत निकालना ही अंतिम विकल्प बचता है।

हर कैविटी में रूट कैनाल ट्रीटमेंट जरूरी नहीं: यह जानना भी जरूरी है कि हर कैविटी में रूट कैनाल जरूरी नहीं होता। अगर समय रहते इलाज हो जाए, तो दांत को बिना रूट कैनाल ट्रीटमेंट के भी बचाया जा सकता है।

बच्चों के दांत कैसे बचाएं?
दिन में 2 बार ब्रश करवाएं
ज्यादा मीठा और जंक फूड से बचाएं
हर 6 महीने में डेंटिस्ट को दिखाएं

दूध पीने के बाद मुंह साफ करवाएं
फ्लोराइड युक्त टूथपेस्ट का इस्तेमाल करें।

बच्चों के दांतों को नजरअंदाज करना बड़ी गलती हो सकती है। छोटी सी कैविटी अगर समय पर ठीक न हो, तो आगे चलकर दांत निकालने या रूट कैनाल जैसी बड़ी परेशानी बन सकती है। इसलिए शुरुआत से ही बच्चों के दांतों की सही देखभाल करना बेहद जरूरी है।

एमडीवीएम पारले स्कूल में दो दिवसीय वाक्पीठ संगोष्ठी संपन्न, मोहित यादव बोले: खेलों से ही होगा बालकों का सर्वांगीण विकास

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । नीमराना औद्योगिक क्षेत्र स्थित एमडीवीएम पारले स्कूल में आयोजित दो दिवसीय वाक्पीठ संगोष्ठी का मंगलवार शाम को सफलतापूर्वक समापन हो गया। इस संगोष्ठी में ब्लॉक क्षेत्र के राजकीय उच्च प्राथमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों के संस्था प्रधानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के कन्वीनर एवं डीसीए अलवर के अध्यक्ष मोहित यादव रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि बालकों के सर्वांगीण विकास के लिए खेलकूद अत्यंत आवश्यक है। खेल न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक मजबूती भी प्रदान करते हैं, जिससे विद्यार्थियों का आत्मविश्वास बढ़ता है। कार्यक्रम की संरक्षिका एवं मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कमलेश यादव ने राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जन- कल्याणकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ विद्यार्थियों तक

पहुंचाने के निर्देश दिए। उन्होंने सत्र 2025-26 में कक्षा 10वीं और 12वीं के बोर्ड परीक्षा परिणामों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने तथा ब्लॉक रैंकिंग में लगातार प्रथम स्थान प्राप्त करने पर संस्था प्रधानों को बधाई भी दी। विभिन्न सत्रों में विशेषज्ञों ने साझा किए विचार । संगोष्ठी के दौरान विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञों ने अपने विचार साझा किए। अरुण कुमार यादव ने प्रवेशोत्सव योजना, नामांकन वृद्धि एवं ठहराव पर प्रकाश डाला। दिनेश मेहरा ने विद्यार्थियों, विशेषकर बालिकाओं के लिए सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। हंसराज ने पीएम पोषण एवं पन्नाधाय दुग्ध योजना के प्रभावी संचालन पर चर्चा की। एसीबीईओ पुष्पा यादव ने ब्लॉक रैंकिंग और सीबीईओ कार्यालय की अपेक्षाओं को स्पष्ट किया। इसके अलावा सहायक लेखाधिकारी प्रथम कैलाश चंद यादव ने अनुपयोगी एवं अप्रचलित सामग्री की नीलामी प्रक्रिया की जानकारी दी। सुषमा यादव ने पीईईओ/यूसीईईओ के दायित्वों पर प्रकाश डाला, जबकि करमसिंह यादव ने आरटीआई एवं आरटीई से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदु साझा किए। डॉ. मनोज कुमार ने यूडाइस एवं अपार विषय पर विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी ओमप्रकाश मेहरा एवं उमराव लाल वर्मा भी उपस्थित रहे। वाक्पीठ कार्यकारिणी अध्यक्ष दारासिंह यादव ने अतिथियों का फूल-मालाओं एवं साफा बांधकर स्वागत किया। कार्यक्रम का सफल संचालन प्रधानाचार्य कालूराम द्वारा किया गया। संगोष्ठी का समापन शिक्षा, खेल एवं प्रशासनिक समन्वय के महत्वपूर्ण संदेश के साथ हुआ।

सीईओ जिला परिषद ने मुख्यमंत्री विकसित ग्राम अभियान की समीक्षा बैठक ली

2047 तक ग्राम विकास के लिए मास्टर प्लान बनाने के निर्देश

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । जिला परिषद झुंझुनूं के मुख्य कार्यकारी अधिकारी कैलाश चंद्र यादव ने पंचायत समिति मंडावा एवं अलसीसर में राजस्थान सरकार के महत्वाकांक्षी 'मुख्यमंत्री विकसित ग्राम अभियान' की समीक्षा हेतु ग्राम विकास अधिकारियों की बैठक आयोजित की। बैठक में सीईओ ने निर्देश दिए कि प्रत्येक ग्राम पंचायत को वर्ष 2047 तक विकसित बनाने के लिए आधारभूत सुविधाओं का समुचित विकास सुनिश्चित किया जाए। इसके लिए आमजन से सुझाव लेकर ग्राम सभा में अनुमोदन प्राप्त करने के बाद 'मास्टर प्लान 2047' पोर्टल पर अपलोड किया जाए। उन्होंने बताया कि राजस्थान सरकार द्वारा ₹द्धड्ढ के माध्यम से ग्राम पंचायतों के लिए तीन चरणों में विकास योजना तैयार की जाएगी—अल्पकालिक (2030 तक), मध्यकालीन (2035 तक) और दीर्घकालीन (2047 तक)। सीईओ ने अब तक की प्रगति को संतोषजनक बताते हुए सभी विभागों को निर्धारित समयसीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस दौरान पंचायत समिति मंडावा के विकास अधिकारी अमित चौधरी एवं अलसीसर की विकास अधिकारी

ममता चौधरी को निर्देशित किया गया कि वे सभी विभागों से आवश्यक आंकड़े प्राप्त कर उनका सत्यापन करें, हितधारकों से संवाद स्थापित करें तथा ग्राम पंचायतों के मास्टर प्लान को समय पर पोर्टल पर अपलोड करवाएं। उल्लेखनीय है कि 'विकसित राजस्थान @2047' की तर्ज पर ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए यह अभियान 20 मार्च से 15 मई तक चलाया जा रहा है, जिसके अंतर्गत ग्राम पंचायत से लेकर जिला स्तर तक योजनाबद्ध विकास के लिए मास्टर प्लान तैयार किया जा रहा है। बैठक में विकास अधिकारी अमित चौधरी, ममता चौधरी, अतिरिक्त विकास अधिकारी विमल, सहायक विकास अधिकारी गोपाल, राजेश, कैलाश, नरेंद्र पिलानिया, लेखा अधिकारी वेद प्रकाश, राकेश, जितेंद्र तथा कनिष्ठ अभियंता राजपाल और आशीष सहित सभी ग्राम विकास अधिकारी उपस्थित रहे।

झुंझुनूं जिला उपभोक्ता समिति की नगर कार्यकारणी का गठन

मनीष थालौर को दी गई संयोजक की जिम्मेदारी

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

झुंझुनूं जिला उपभोक्ता समिति के चिड़ावा नगर अध्यक्ष कवि नगेंद्र शर्मा 'निकुंज' ने समिति की नगर कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए पदाधिकारियों की घोषणा की है। कार्यकारिणी का गठन समिति के जिला अध्यक्ष प्रभु शरण तिवाड़ी व जिला संगठन प्रभारी कैप्टन शंकर लाल महारानियां की सहमति से किया गया है। नवनियुक्त कार्यकारिणी में अनुभवी और सक्रिय सदस्यों को शामिल किया गया है ताकि उपभोक्ताओं के अधिकारों की रक्षा और जागरूकता अभियान को गति दी जा सके। नव नियुक्त कार्यकारिणी में मनीष थालौर को संयोजक पद की जिम्मेदारी दी गई है। उपाध्यक्ष पद पर एडवोकेट अरविन्द भगत व दिनेश जांगिड़, सचिव पद पर एडवोकेट विक्रम सिंह शेखावत, सह सचिव विनोद चेजारा व कोषाध्यक्ष पद पर राजेश पूनिया को नियुक्ति दी गई है।कार्यकारणी में आशु स्वामी व कर्मवीर गोस्वामी को मीडिया प्रभारी, संपर्क सचिव सज्जन गोदारा व शिक्षाविद् मनोज नायक को बनाया गया है। कार्यक्रम प्रमुख की जिम्मेदारी अशोक तंवर व योगेश वर्मा को दी गई है। कार्यकारिणी का मुख्य उद्देश्य उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना और बाजार में होने वाली किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी या अनुचित व्यापारिक गतिविधियों के खिलाफ आवाज उठाना है। नगेंद्र शर्मा ने विश्वास जताया कि यह टीम जिला संगठन के नेतृत्व के मार्गदर्शन में चिड़ावा में संगठन को मजबूती प्रदान करेगी। सभी सदस्यों ने पूरी निष्ठा के साथ उपभोक्ता हितों के लिए कार्य करने की बात कही है।

गणित के 'जादूगर' गजपाल सिंह सम्मानित: बोर्ड परीक्षा में 19 छात्रों ने हासिल किए 100 में से 100 अंक

राज्य स्तरीय सम्मानित शिक्षक गजपाल सिंह की एक और बड़ी उपलब्धि, वाक्पीठ समापन समारोह में हुए गौरवान्वित

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

स्थानीय सोमरा मैरिज गार्डन में आयोजित सत्रारंभ संस्था प्रधान वाक्पीठ का समापन समारोह जिले के शिक्षा जगत के लिए एक यादगार पल बन गया। समारोह के दौरान महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय, ओजटू के वरिष्ठ गणित अध्यापक गजपाल सिंह को उनकी असाधारण शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया। शिक्षक गजपाल सिंह ने गणित जैसे कठिन विषय में सफलता के नए आयाम स्थापित किए हैं। उनके मार्गदर्शन में बोर्ड परीक्षा में लगातार 19 विद्यार्थियों ने 100 में से 100 अंक प्राप्त कर विद्यालय और जिले का नाम रोशन किया है। उनकी इसी निष्ठा और उत्कृष्ट शिक्षण शैली के कारण उन्हें शिक्षा विभाग के उच्चाधिकारियों द्वारा शाल, साफा, प्रतीक चिन्ह और सम्मान पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। गजपाल सिंह को यह सम्मान मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी अशोक शर्मा, अतिरिक्त उप निदेशक (समग्र शिक्षा) अशोक कुमार जांगिड़, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी (चिड़ावा) डॉ. उमादत्त झाझड़िया, सीबीईओ (बुहाना) वेद प्रकाश, एसीबीईओ सुरेश कुमार पायल, एसीबीईओ डॉ. कयूम अली एवं वरिष्ठ प्रधानाचार्य चंद्रपाल सिंह डारा के कर-कमलों द्वारा प्रदान किया गया।

उल्लेखनीय है कि गजपाल सिंह की सेवाओं को राज्य स्तर पर भी सराहा जा चुका है। वे गत वर्ष शिक्षक दिवस पर मुख्यमंत्री एवं शिक्षा मंत्री के हाथों राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान से नवाजे जा चुके हैं। इससे पूर्व उन्हें जिला कलेक्टर द्वारा भी उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया था। इस अवसर पर चिड़ावा ब्लॉक के समस्त संस्था प्रधानों की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम के उत्साह को दोगुना कर दिया। पुरस्कृत शिक्षक फ़ोरम ने भी गजपाल सिंह की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई प्रेषित की है। उनकी इस सफलता को क्षेत्र के अन्य शिक्षकों के लिए एक बड़ी प्रेरणा माना जा रहा है।

पटरी पार करते समय युवक की ट्रेन की चपेट में आने से हुई मौत,परिजनों में मचा कोहराम

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मृतक हेतराम मीना।

मनोज खंडेलवाल । नियति का क्रूर प्रहार जब होता है, तो हंसता-खेलता परिवार पल भर में तिनके की तरह बिखर जाता है। कुछ ऐसा ही वज्रपात सोमवार देर शाम मंडावर थाना इलाके के बांदीकुई-आगरा रेल मार्ग पर हुआ, जहां मौत बनकर दौड़ रही ट्रेन ने एक बुझते चिराग की लौ हमेशा के लिए शांत कर दी। सोमवार की ढलती शाम झालाटाला निवासी 25 वर्षीय युवक हेतराम के लिए अंतिम संध्या साबित हुई। गढ़ी फाटक से चंद फासले की दूरी पर जब जयपुर से आगरा की ओर जा रही आगराफोर्ट इंटरसिटी एक्सप्रेस सरपट दौड़ रही थी, तभी पटरी पार करने की एक मामूली सी चूक ने हेतराम के जीवन की डोर काट दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। कहते हैं कि 'आगाज तो अच्छा होता है मगर अंजाम खुदा जाने,' घर से बिना बताए निकले हेतराम को क्या पता था कि वह अपनी अंतिम यात्रा पर निकल चुका है। सूचना मिलते ही मंडावर थाना पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए मौके पर पहुंचकर लहूलुहान शव को अपने कब्जे में लिया और 108 एम्बुलेंस के जरिए राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की मोर्चरी पहुंचाया। पुलिस के लिए शिनाख्त की गुत्थी मृतक की जेब में मिले दस्तावेजों ने सुलझाई, जिससे उसकी पहचान हेतराम पुत्र जगदीश मीणा के रूप में हुई। मंगलवार की सुबह जब सूरज की पहली किरण के साथ परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी हुई, तो अस्पताल परिसर चीत्कारों से गूंज उठा। परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है, क्योंकि पांच भाई-बहनों में सबसे छोटा हेतराम पूरे परिवार की आंखों का तारा था। किसान पिता और भाइयों का सहारा बनने की उम्र में हेतराम का यूं बिछड़ जाना परिवार के लिए एक गहरा जख्म दे गया है। मृतक के बड़े भाई चेतराम मीणा ने पुलिस में मृग दर्ज कराकर कानूनी औपचारिकताएं पूरी की हैं। 'हादसों की मार है, जिंदगी लाचार है,' इस मंजर ने पूरे झालाटाला गांव को शोक की लहर में डुबो दिया है। मंगलवार को जब गांव की माटी में हेतराम का अंतिम संस्कार किया गया, तो हर आंख नम थी और हर दिल भारी। ग्रामीण अब शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधा रहे हैं, लेकिन नियति के इस क्रूर खेल ने एक गरीब किसान के घर का आंगन हमेशा के लिए सूना कर दिया है।

नाला खुदाई की आड़ में मिलीभगत कर दुकानदारों ने निजी खर्च पर तुड़वा दी सीसी सड़क, जिम्मेदारों ने मूंदी आंखें

विधायक की पहल पर हाल ही में लाखों की लागत से करवाया गया था इस सड़क का निर्माण।

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । शहर मे हाल ही में महवा विधायक राजेन्द्र मीना के प्रयासों से स्वीकृत लगभग एक करोड़ की सड़क परियोजना के तहत पीडबल्यूडी विभाग द्वारा गांधी चौक से थोबड़ी चौराहे तक सीसी सड़क का निर्माण करवाया गया था। जिसके बाद सड़क के दोनो तरफ नगरपालिका प्रशासन के द्वारा बारिश से पहले जल निकासी के लिए करीब 28 लाख रुपए की लागत से तीन फीट गहरा और चार फीट चौड़ा नाला निर्माण कार्य कराया जा रहा है। मगर इस सरकारी योजना के बीच कुछ दुकानदारों ने अपनी दुकानो के आगे कम जगह होने के कारण नाला निर्माण करा रहे ठेकेदार से मिलीभगत कर अपने निजी खर्च से नगरपालिका के नियमों को ताक पर रखकर बिना किसी संबंधित विभागीय स्वीकृति के ही अपनी दुकानो के आगे हाल ही में बनी नई मजबूत सीसी सड़क को तुडवाकर नाले हेतु खुदाई करवा दी। जिससे पूरे मामले ने गंभीर रूप ले लिया है। जबकि स्थानीय नगरपालिका प्रशासन के द्वारा गांधी चौक के समीप से सब्जी मंडी तक एक तरफ नाला

निर्माण के लिए खुदाई करवाई गई है, लेकिन पालिका प्रशासन ने स्पष्ट रूप से इस बात का विशेष ध्यान रखा है कि हाल ही में बनी मजबूत सीसी सड़क को कोई नुकसान न पहुंचे। पालिका प्रशासन ने जहां पर्याप्त जगह नहीं थी, वहां खुदाई सीमित रखी गई या नहीं कराई गई। इसके बावजूद भी कुछ दुकानदारों ने गांधी चौक के समीप अपनी दुकानो के आगे नाले हेतु पर्याप्त जगह नहीं होने के बावजूद भी नाला बनवाने की चाहत में संबधित ठेकेदार से मिलीभगत कर स्वयं की दुकानो के आगे बनी मजबूत सीसी सड़क को ही काफी हद तक सरेआम तोडकर नाले हेतु जगह बनाते हुये स्वयं के निजी खर्च पर खुदाई करवा डाली। जबकि यह कृत्य न केवल सरकारी संपत्ति को क्षति पहुंचाने वाला है, बल्कि नियमों की खुलेआम अवहेलना भी है। गांव की बोली में कहें तो 'सरकारी माल समझ के, हथौड़ा चला दिया बेहाल '—यानी जिसे संभालना था, उसी को उजाड़ने की होड़ मच गई। नई बनी सड़क, जो विकास की पहचान बननी थी, अब कुछ लोगों की मनमानी की भेंट चढ़ती नजर आ रही है। यह मामला सिर्फ सड़क तोड़ने का नहीं, बल्कि प्रशासनिक अनुशासन और कानून व्यवस्था को चुनौती देने का भी है। कानूनी दृष्टि से देखें तो बिना अनुमति किसी भी सरकारी निर्माण को नुकसान पहुंचाना दंडनीय अपराध की श्रेणी में आता है। ऐसे में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि संबंधित विभाग इस मामले में क्या ठोस कार्रवाई करता है। अगर समय रहते सख्ती नहीं बरती गई तो यह प्रवृत्ति आगे और भी बड़े नुकसान का कारण बन सकती है। 'जो खुद ही काटे डाल, उसे छांव कहां नसीब, नियमों से जो खेले, उसे राहत कहां नसीब। ' अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि संबधित प्रशासन इन 'मनमानी के मिस्त्रियों' पर कब और कैसी कार्रवाई करता है, ताकि विकास की राह में बाधा बनने वालों को स्पष्ट संदेश मिल सके।

इनका कहना है: ?

नाला निर्माण के लिए स्वीकृति इस शर्त पर दी गई है कि यदि कहीं सीसी सड़क को नुकसान होता है तो उसकी मरम्मत कराई जाएगी। किसी भी दुकानदार को सड़क तोड़ने की अनुमति नहीं दी गई है। यदि बिना स्वीकृति के किसी ने सड़क को क्षतिग्रस्त किया है तो उसके खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

करणसिंह राजपूत,जेईएन, पीडब्ल्यूडी विभाग।

नाला निर्माण के लिए पीडब्ल्यूडी से विधिवत स्वीकृति ली गई है और खुदाई के दौरान सीसी सड़क को नुकसान नहीं पहुंचाया गया है। यदि किसी दुकानदार ने निजी लाभ के लिए सीसी सड़क तोड़ी है तो वह पूरी तरह गलत है और उसकी जिम्मेदारी संबंधित व्यक्ति की होगी।

मिथलेश मीना,जेईएन, नगरपालिका मंडावर।

स्वच्छता को जनआंदोलन बनाने का आह्वान, सीकर को मॉडल शहर बनाने का लक्ष्य

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । स्वच्छ भारत मिशन (शहर) के तहत जिला कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित स्वच्छता कार्यशाला में प्रदेश ब्रांड एंबेसडर के.के. गुप्ता ने कहा कि शिक्षा और संस्कारों की नगरी सीकर को स्वच्छता का मॉडल शहर बनाना हमारा लक्ष्य है। उन्होंने शेखावाटी अंचल को स्वच्छता के क्षेत्र में प्रदेश का सर्वश्रेष्ठ क्षेत्र बनाने का आह्वान किया। गुप्ता ने कहा कि स्वच्छता केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि हर नागरिक की भागीदारी से ही यह अभियान सफल हो सकता है। उन्होंने घर-घर कचरा संग्रहण, गीले और सूखे कचरे का पृथक्करण तथा प्लास्टिक के उपयोग में कमी लाने जैसे उपायों को अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि स्वच्छता का सीधा संबंध स्वास्थ्य से है और इसे जनआंदोलन का रूप देना समय की आवश्यकता है।कार्यशाला में नगर निकायों को स्वच्छता कार्यों के आधार पर चार श्रेणियों में विभाजित करते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले निकायों की सराहना की गई, जबकि कमजोर निकायों को सुधार के निर्देश दिए गए। साथ ही नाइट स्वीपिंग, सार्वजनिक शौचालयों की नियमित सफाई, खाली प्लॉट्स की निगरानी और प्लास्टिक पर नियंत्रण जैसे बिंदुओं पर विशेष ध्यान देने को कहा गया। इस दौरान सीकर जिले के सभी नगर निकायों के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

कौशल वेदी ने लहराया सफलता का परचम

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

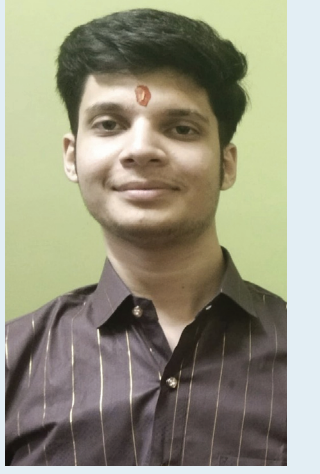

जेईई के घोषित परीक्षा परिणाम में कौशल वेदी सुपुत्र रामचंद्र वेदी ने सफलता का परचम लहराते हुए परिवार,समाज व नगर का नाम रोशन किया है। घोषित परिणाम में कौशल ने जेईई में 99.86 परसेंटाइल हासिल कर रिकॉर्ड कायम करते हुए इतिहास रचा है। कौशल ने ओबीसी वर्ग की आल इंडिया में 401 रैंक हासिल करने पर पारिवारिक सदस्यों, रिश्तेदारों, शुभचिंतकों व सहयोगियों ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए बधाई दी है।

जिला एवं सत्र न्यायाधीश नरेंद्र सूरा ने संतोष मेमोरियल दिव्यांग केंद्र व अंध विद्यालय का किया दौरा

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष नरेंद्र सूरा ने आज हुडा सेक्टर में स्थित संतोष मेमोरियल दिव्यांग एवं पुनर्वास केंद्र व मोहल्ला खरखड़ी स्थित नेत्रहीन कन्या विद्यालय का दौरा कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

इस मौके पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी नीलम कुमारी भी मौजूद थी। जिला एवं सत्र न्यायाधीश नरेंद्र सूरा ने संतोष मेमोरियल दिव्यांग एवं पुनर्वास केंद्र के दौरा के दौरान वहां दी जा रही सुविधाओं की समीक्षा की। उन्होंने विशेष रूप से रहने के कमरों, स्वच्छता, भोजन की गुणवत्ता और उपलब्ध चिकित्सा सहायता की जांच की।

जिला एवं सत्र न्यायाधीश नरेंद्र सूरा ने नेत्रहीन कन्या विद्यालय में छात्राओं से बातचीत की और उनके मनोबल को बढ़ाया। उन्होंने कहा कि दिव्यांग बच्चे समाज का अभिन्न हिस्सा हैं और उन्हें सहानुभूति की नहीं, बल्कि प्रोत्साहन और समान अवसरों की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि बच्चों की शिक्षा और पुनर्वास के कार्यों में किसी भी प्रकार की कोताही या कमी नहीं रहनी चाहिए। इस मौके पर सीजेएम नीलम कुमारी ने संस्थान प्रबंधन को सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं और कानूनी सहायता के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दिव्यांगजनों और जरूरतमंदों के अधिकारों की रक्षा के लिए सदैव तत्पर है। इस मौके पर बच्चों को खाद्य सामग्री भी वितरित की।

नि:शुल्क जांच व दवा वितरण शिविर 23 व 24 को

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

सेठ मदनलाल पालडीवाला फाउंडेशन नई दिल्ली, पालड़ीवाला आईटीआई व पीएचडी ग्रामीण वेलफूफाउण्डेशन के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय नि:शुल्क चिकित्सा शिविर 23 अप्रैल को ग्राम पंचायत मानासी व 24 अप्रैल को ग्राम पंचायत खिरवा में आयोजित होगा। यह जानकारी देते हुए प्राचार्य राकेश मालवीय ने बताया कि शिविर में पालड़ीवाला संस्थान की टीम एवं मेडिकल टीम द्वारा ग्रामीणों को नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच एवं दवा वितरण की सुविधा उपलब्ध करायेगी। शिविर में डॉ. राकेश सैनी जनरल फिजिशियन एवं इंदर बली सिंह की टीम द्वारा चिकित्सीय सेवाएं प्रदान की जाएंगी। साथ ही बीपी, शुगर एवं एचबी (हीमोग्लोबिन) की जांच भी नि:शुल्क की जाएगी। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर पालड़ीवाला वोकेशनल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट द्वारा युवाओं को विभिन्न स्किल डेवलपमेंट योजनाओं की जानकारी भी प्रदान की जाएगी।

डीसी अनुपमा अंजली ने सुपरवाइजर व प्रगणकों को किया प्रोत्साहित

जनगणना मात्र एक कार्य नहीं बल्कि राष्ट्र के विकास की नींव : डीसी अनुपमा अंजली

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

जनगणना राष्ट्रीय महत्व का कार्य है और इसी आधार पर राष्ट्र के विकास की नींव रखी जानी है। ऐसे में सभी सुपरवाइजर तथा प्रगणक इस जिम्मेदारी को बहुत ही सावधानी पूर्वक निभाएं। यह बात उपायुक्त अनुपमा अंजली ने आज स्थानीय पीजी कॉलेज में चल रही तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला के दौरान उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कही।

डीसी ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का गहनता से अवलोकन किया और फील्ड में जाने वाले प्रगणकों का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि जनगणना के आंकड़े ही भविष्य की जनकल्याणकारी योजनाओं का मुख्य आधार होते हैं। उन्होंने कहा कि इस कार्य की पवित्रता और शुद्धता बनाए रखना हर कर्मचारी का नैतिक कर्तव्य है। उपायुक्त ने प्रशिक्षणार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे फील्ड में कार्य के दौरान जनता के साथ सीधा संवाद स्थापित करें और प्रत्येक जानकारी को पूरी सतर्कता के साथ दर्ज करें। उन्होंने इस बात पर विशेष जोर दिया कि कोई भी परिवार या व्यक्ति गणना से वंचित न रहे क्योंकि प्रत्येक व्यक्ति का डेटा देश की प्रगति के लिए बहुमूल्य है। इस मौके पर सीटीएम डॉ मंगल सैन तथा जनगणना कोऑर्डिनेटर अनिकेत यादव सहित प्रशासन के अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

एकजुटता काम आई: आयुर्वेद चिकित्सकों का झलका विरोध

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

सुमेर मीणा । मंगलवार को आयुर्वेद मेडिकल एसोसिएशन (रजि), झुन्झुनूँ के बैनर तले आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारियों ने ह्वाह्व सिस्टम को बिना पर्याप्त संसाधनों के लागू किए जाने के विरोध में एकजुट होकर उपनिदेशक डॉ जितेंद्र स्वामी को अपना ज्ञापन सौंपा। जिला शाखा झुन्झुनूँ के अध्यक्ष डॉ. महेश कुमार झाझड़िया ने बताया कि बिना पर्याप्त मानव संसाधन,विशेष रूप से डाटा एंट्री ऑपरेटर की उपलब्धता के ह्वाह्व सिस्टम को लागू करना व्यावहारिक नहीं है तथा इससे चिकित्सकीय सेवाओं की गुणवत्ता प्रभावित होगी। उपनिदेशक महोदय ने विषय की गंभीरता को

स्वीकार करते हुए आश्वासन दिया कि ज्ञापन को शीघ्र ही माननीय निदेशक को प्रेषित किया जाएगा। ज्ञापन के दौरान जिला के आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारियों ने एकता का परिचय दिया तथा पुरजोर विरोध में सभी की सराहनीय भागीदारी रही। देखा जाए तो महिला चिकित्सकों की भी भागीदारी सराहनीय रही। डॉ. रामा कस्वाँ, डॉ. आदर्श, डॉ. कुंदन, डॉ. विमला, डॉ. बबिता, डॉ. मुकेश चौधरी, डॉ. राजेंद्र कुमावत, डॉ. विक्रम सिंह, डॉ. अशोक सोनी,डॉ.राकेश माहिच, डॉ. चंद्रशेखर, डॉ. रोहिताश जांगिड़, डॉ.रणधीर,डॉ.सुशील बाकोलिया,डॉ दिनेश बुगालिया, डॉ. मुकेश मीणा,डॉ रोहिताश सैनी सहित अनेक चिकित्सकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए एकजुटता का परिचय दिया है जो इस बात की हिमाकत करता है कि इस तरह के कार्यक्रम के दौरान आयुर्वेद चिकित्सक अपने अधिकारों एवं कार्य परिस्थितियों को लेकर सजग हैं तथा आवश्यकता पड़ने पर संगठित रूप से अपनी आवाज बुलंद करते रहेंगे।

सीजेएम ने ली मध्यस्थों, पैनल अधिवक्ताओं और कानूनी स्वयंसेवकों की बैठक

मध्यस्थता केवल कानूनी प्रक्रिया नहीं, बल्कि समाज में शांति स्थापित करने का एक सशक्त माध्यम है: सीजेएम नीलम कुमारी

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

मध्यस्थता केवल कानूनी प्रक्रिया नहीं, बल्कि समाज में शांति स्थापित करने का एक सशक्त माध्यम है। यह बात जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी नीलम कुमारी ने आज एडीआर सेंटर में 'मेडिएशन फॉर द नेशन' अभियान को गति देने और आपसी विवादों को समझौते के माध्यम से निपटाने के उद्देश्य से आयोजित मध्यस्थों , पैनल अधिवक्ताओं और कानूनी स्वयंसेवकों की बैठक लेते हुए कही। सीजेएम नीलम कुमारी ने कहा कि 'मेडिएशन फॉर द नेशन' अभियान का उद्देश्य अदालतों में बढ़ते बोझ को कम करना और जनता को सुलभ व सस्ता न्याय दिलाना है। उन्होंने मध्यस्थों को निर्देश दिए कि वे अधिक से अधिक मामलों में सुलह-समझौते के प्रयास करें। उन्होंने कानूनी स्वयंसेवकों को निर्देश दिए कि गांव-गांव जाकर लोगों को मध्यस्थता के

लाभों के बारे में जागरूक करें ताकि छोटे-मोटे विवाद कोर्ट तक पहुंचने से पहले ही सुलझ सकें। सीजेएम नीलम कुमारी ने पैनल अधिवक्ताओं को कमजोर वर्गों को मिलने वाली मुफ्त कानूनी सहायता की बारीकियों से अवगत करवाने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने अधिवक्ताओं को पूरी निष्ठा से काम करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने पैनल अधिवक्ताओं व कानूनी स्वयंसेवकों को जमीनी स्तर पर आम जनता को उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करने के निर्देश दिए।

एडीआर सेंटर की उपयोगिता के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि एडीआर सेंटर में विवादों का निपटारा आपसी सहमति से होता है, जिससे समय और धन दोनों की बचत होती है और भाईचारा बना रहता है।

भीम आर्मी झुंझुनूं के जिलाध्यक्ष विकास आल्हा का इस्तीफा, संगठन में मचा हड़कंप

व्यक्तिगत कारणों का हवाला देकर छोड़ा पद, कार्यकर्ताओं में मायूसी; नए जिलाध्यक्ष की नियुक्ति पर टिकी नजरें

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

भीम आर्मी झुंझुनूं के जिलाध्यक्ष विकास आल्हा ने अपने पद से इस्तीफा देकर संगठन में हलचल मचा दी है। उनके इस अचानक फैसले से कार्यकर्ताओं के बीच चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है और संगठन के भविष्य को लेकर कयास लगाए जा रहे हैं।प्राप्त जानकारी के अनुसार, विकास आल्हा ने व्यक्तिगत कारणों एवं संगठनात्मक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए अपना इस्तीफा संगठन के उच्च पदाधिकारियों को सौंप दिया है। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने समाज सेवा, गरीबों की सहायता और सामाजिक मुद्दों को उठाने में सक्रिय भूमिका निभाई। इस्तीफा देते हुए विकास आल्हा ने कहा, 'मैंने हमेशा समाज और संगठन के हित में कार्य किया है, लेकिन कुछ निजी कारणों के चलते अब मैं अपने दायित्वों का निर्वहन नहीं कर पा रहा हूं। इसलिए स्वेच्छा से इस्तीफा दे रहा हूं।' उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भविष्य में वह समाज सेवा के कार्यों में सक्रिय रहेंगे और जरूरतमंदों की मदद करते रहेंगे। इधर, उनके इस्तीफे के बाद स्थानीय कार्यकर्ताओं में मायूसी का माहौल है। कई कार्यकर्ताओं ने उनसे अपने फैसले पर

पुनर्विचार करने की अपील की है। फिलहाल, संगठन के अगले कदम और नए जिलाध्यक्ष की नियुक्ति को लेकर सभी की नजरें टिकी हुई हैं।

केड़ सती धाम में केडिया परिवार की पौत्री रिहांशी के टीहाना प्रयोजन पर भव्य धार्मिक आयोजन, सवामणी प्रसाद का हुआ वितरण

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । मंडावा के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल केड़ सती धाम में केडिया परिवार द्वारा अपनी पौत्री रिहांशी के टीहाना प्रयोजन के उपलक्ष्य में भव्य धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्रद्धा, से आस्था और पारंपरिक विधि-विधान के साथ विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए तथा सवामणी प्रसाद का वितरण किया गया। जानकारी के अनुसार, मंडावा निवासी एवं कोलकाता प्रवासी केडिया परिवार की स्व. सेठ कन्हैयालाल केडिया एवं गीता देवी की पड़पौत्री, हरगोविंद केडिया व सुनीता केडिया की पौत्री तथा गिरधारी केडिया व मोनिका केडिया की पुत्री रिहांशी के टीहाना प्रयोजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्वान पंडितों के सानिध्य में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजन एवं धार्मिक अनुष्ठान किए गए। भामाशाह हरगोविंद केडिया व सुनीता केडिया ने बताया कि परिवार की परंपराओं के अनुसार इस शुभ अवसर पर केड़ सती धाम में धार्मिक कार्यक्रम आयोजित कर आशीर्वाद प्राप्त किया गया। इसके पश्चात मंडावा स्थित पैतृक निवास पर सवामणी प्रसाद का आयोजन कर श्रद्धालुओं व आमजन को प्रसाद वितरित किया गया। इस आयोजन में कस्बे के अनेक गणमान्य नागरिकों व श्रद्धालुओं ने भाग लिया। प्रमुख रूप से चंद्र प्रकाश धानुका, किरण धानुका, आदित्य ज्योति धानुका, सोनिया जाजोदिया, श्याम सुंदर गोयल, वीणा सिंघानिया, मंजू सिंघानिया, राजकुमार सिंघानिया, सुनीता सिंघानिया, गीता पाराशर, राम बिहारी पाराशर सहित कई लोग उपस्थित रहे। धार्मिक वातावरण, भक्ति संगीत और प्रसाद वितरण के साथ पूरा कार्यक्रम श्रद्धा और उल्लास के माहौल में सम्पन्न हुआ।

खेतड़ी कॉपर कॉम्प्लेक्स के स्वास्थ्य शिविरों से 1569 लोगों को मिला लाभ

ग्रामीण क्षेत्रों में नि:शुल्क जांच, दवा व नेत्र उपचार की सुविधा, 20 मोतियाबिंद ऑपरेशन सफल

भीम प्रज्ञा न्यूज़ खेतड़ी.नगर।

हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड (एचसीएल) के खेतड़ी कॉपर कॉम्प्लेक्स द्वारा कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने हेतु विभिन्न स्थानों पर स्वास्थ्य शिविरों का सफल आयोजन किया गया। इन शिविरों के माध्यम से कुल 1569 लोगों को लाभान्वित किया गया। जानकारी के अनुसार स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन केसीसी अस्पताल, मानोता गांव, डॉ. विकास खुराना अस्पताल (गोठड़ा), नानूवाली बावड़ी एवं धर्मदड़ा गांव में किया गया। शिविरों में विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने मरीजों की जांच कर आवश्यक परामर्श प्रदान किया। साथ ही रक्त जांच सहित विभिन्न प्रकार की जांच सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं और सभी लाभार्थियों को नि:शुल्क दवाइयां वितरित की गईं। इन शिविरों में विशेष रूप से प्राथमिक एवं निवारक स्वास्थ्य सेवाओं पर जोर दिया गया, जिससे ग्रामीणों को समय पर उपचार और स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता मिल सकी। इसी क्रम में एक विशेष नेत्र जांच शिविर का आयोजन भी किया गया, जिसमें लोगों की आंखों की जांच कर आवश्यक दवाइयों के साथ निकट दृष्टि के चश्मे वितरित किए गए। इसके अलावा 20 मोतियाबिंद ऑपरेशन आधुनिक पीसीआईओएल तकनीक से सफलतापूर्वक किए गए, जिससे मरीजों की दृष्टि में उल्लेखनीय सुधार हुआ। स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाने की दिशा में हिंदुस्तान कॉपर

लिमिटेड द्वारा प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र योजना के तहत केसीसी एवं कोलिहान में जन औषधि केंद्र भी स्थापित किए गए हैं, जिनसे ठेका कर्मियों, उनके आश्रितों एवं क्षेत्रवासियों को सस्ती व सुलभ दवाइयों का लाभ मिल रहा है। इसके अतिरिक्त, एचसीएल ने भगवान महावीर कैंसर हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर, जयपुर को माइक्रोवेव एब्लेशन तकनीक की अत्याधुनिक मशीन स्थापित करने हेतु 29 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की। इस अवसर पर एचसीएल के चेयरमैन सह प्रबंध निदेशक संजीव कुमार सिंह ने अस्पताल प्रबंधन को सहायता राशि का चेक सौंपा। कार्यक्रम में एचसीएल के निदेशक (प्रचालन) डॉ. संजीव कुमार सिन्हा, कार्यपालक निदेशक (केसीसी) एवं इकाई प्रमुख घनश्याम दास गुप्ता, उपमहाप्रबंधक (मानव संसाधन) संजय कुमार शिवदर्शी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

यह पहल हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड की सामाजिक प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जो न केवल औद्योगिक विकास बल्कि जनस्वास्थ्य और सामाजिक उत्थान के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही है।

स्वास्थ्य सुरक्षा की दिशा में बढ़ते कदम - बच्चों को कृमिनाशक दवा अवश्य दिलवाएं अभिभावक : डीसी

डीसी डॉ. विवेक भारती ने राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर कार्यक्रम का जिला में किया शुभारंभ

5 मई को आयोजित होगा मॉप-अप दिवस, छूटे बच्चों को किया जाएगा कवर

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

विजय रंगा (ब्यूरो चीफ) । स्वास्थ्य सुरक्षा की दिशा में कदम बढ़ाते हुए देश भर में आज बच्चों के सुखद स्वास्थ्य के लिए राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस का शुभारंभ राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत जिला फतेहाबाद में हुआ है। डीसी डॉ. विवेक भारती ने फतेहाबाद शहर के राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में जिला स्तरीय कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए विद्यार्थियों को टेबलेट खिलाई। डीसी डॉ. विवेक भारती ने बच्चों को कृमिनाशक दवा खिलाकर अभियान की विधिवत शुरुआत की।

डीसी डॉ. भारती ने कहा कि बच्चों को कृमि संक्रमण से बचाना अत्यंत आवश्यक है, जिससे उनका शारीरिक और मानसिक विकास बेहतर हो सके। कृमि संक्रमण बच्चों के स्वास्थ्य और विकास पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है, इसलिए इस अभियान का उद्देश्य सभी बच्चों को स्वस्थ बनाना है। डीसी ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के तहत जिला में 1 से 19 वर्ष तक के बच्चों एवं किशोरों को एल्बेंडाजोल की दवा दी जा रही है। इस अभियान के अंतर्गत 3 लाख से अधिक बच्चों को कवर करने का लक्ष्य रखा गया है। डीसी डॉ. विवेक भारती ने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिए हैं कि समन्वय के साथ कार्य करते हुए 100 प्रतिशत लक्ष्य सुनिश्चित किया जाए ताकि कोई भी बच्चा इस अभियान से वंचित न रहे। राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के बाद 5 मई को मॉप-अप दिवस आयोजित किया जाएगा, जिसमें छूटे हुए बच्चों को कृमिनाशक दवा दी जाएगी। डीसी ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सभी बच्चों को भोजन के बाद ही दवा दी जाए और किसी भी प्रतिकूल प्रभाव की स्थिति में तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य संस्थान में उपचार उपलब्ध कराया जाए।

डीसी ने शिक्षा विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग और स्वास्थ्य विभाग को निर्देश देते हुए कहा कि सभी बच्चों की पूर्ण कवरेज सुनिश्चित की जाए। आशा कार्यकर्ताओं को स्कूल से बाहर रहने वाले बच्चों की पहचान कर उन्हें भी अभियान में शामिल करने के निर्देश दिए। अभियान के सफल संचालन के लिए सभी ब्लॉक में माइक्रोप्लानिंग, समन्वय बैठकें और दैनिक रिपोर्टिंग की व्यवस्था की गई है। डीसी ने अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने बच्चों को इस अभियान में अवश्य शामिल करें ताकि वे कृमि संक्रमण से मुक्त होकर स्वस्थ जीवन जी सकें। इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ. बुधराम, जिला शिक्षा अधिकारी संगीता बिश्नोई, डीआईपीआरओ दिनेश कुमार व विद्यालय प्राचार्य हरमिंदर सिंह उपस्थित रहे।

हत्या कर फंदे पर लटकाया अंक शव! सवा महीने बाद मां की रिपोर्ट से खुला राजगढ़ मौत कांड का सच

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । थाना क्षेत्र के राजगढ़ गांव में सवा महीने पहले हुई एक युवक की संदिग्ध मौत ने अब नया और गंभीर मोड़ ले लिया है, जहां पहले जिसे आत्महत्या का मामला मानकर दबा दिया गया, अब वही घटना हत्या की आशंका के साथ फिर से कानून के कठघरे में खड़ी नजर आ रही है। मृतक की वृद्ध मां अचनी देवी ने अपने पुत्र जगदीश मीणा की सुनियोजित हत्या का आरोप लगाते हुए गांव के ही तीन लोगों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज करवाई है, जिससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है और पुलिस की प्रारंभिक कार्यवाही पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। अचनी देवी ने पुलिस को दी रिपोर्ट में स्पष्ट शब्दों में आरोप लगाया है कि 10-11 मार्च की मध्यरात्रि को उसके बेटे जगदीश की साजिशन हत्या की गई और मामले को आत्महत्या का जामा पहनाने के लिए शव को गांव के ही रिंकू और विक्की के घर में फंदे से लटका दिया गया। घटना के समय रसीदपुर चौकी पुलिस मौके पर पहुंची जरूर, लेकिन बिना ठोस कार्रवाई के लौट जाना अब पूरे मामले को संदेह के घेरे में खड़ा कर रहा है। इसके बाद कुछ प्रभावशाली लोगों के दबाव में जल्दबाजी में शव का अंतिम संस्कार करवा दिया गया, जिससे साक्ष्यों के साथ भी छेड़छाड़ की आशंका और गहरी हो गई है। वृद्ध मां का कहना है कि उस समय वह दुख और असहायता के बोझ तले दबी हुई थी, इसलिए विरोध नहीं कर सकी, लेकिन अब जब सच्चाई के धागे एक-एक कर सामने आने लगे हैं, तो उसने न्याय की गुहार लगाई है। मामले में सबसे चौंकाने वाला पहलू मृतक का मोबाइल फोन है, जो घटना के बाद गायब हो गया था और बाद में आरोपी महिला प्रियंका के पास मिलने की बात सामने आई है। आरोप है कि मोबाइल में कुछ आपत्तिजनक वीडियो मौजूद थे, जिन्हें सबूत मिटाने की नीयत से डिलीट कर दिया गया, जिससे हत्या के पीछे की मंशा और गहरी साजिश की बू आ रही है। रिपोर्ट में यह भी उल्लेख है कि प्रियंका के साथ जगदीश के संबंधों को लेकर रिंकू और विक्की नाराज चल रहे थे और इसी रंजिश ने खूनी रूप ले लिया। आरोप है कि इसी द्वेष के चलते तीनों ने मिलकर पहले हत्या की और फिर पूरे घटनाक्रम को आत्महत्या का रूप देने के लिए शव को फंदे पर टांग दिया, ताकि कानून की आंखों में धूल झोंकी जा सके। अब पुलिस ने हत्या, षड्यंत्र और साक्ष्य मिटाने जैसी गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मोबाइल डेटा रिकवरी, घटनास्थल की परिस्थितियों और गवाहों के बयानों के आधार पर पुलिस मामले की कड़ियों को जोड़ने में जुटी है, जिससे आने वाले दिनों में कई अहम खुलासों की उम्मीद जताई जा रही है। गांव की चौपाल से लेकर थाने तक अब एक ही चर्चा है कि आखिर सच कब सामने आएगा, क्योंकि 'खामोश दीवारें भी एक दिन बोल उठती हैं, और सच की राह में झूठ ज्यादा दूर तक नहीं चलता।' यह मामला अब सिर्फ एक परिवार के दर्द तक सीमित नहीं रहा, बल्कि न्याय व्यवस्था की कसौटी पर खड़ा एक ऐसा सच बन गया है, जिसकी परतें खुलना अभी बाकी हैं।

राजनीतिक लाभ के लिए महिला आरक्षण में परिसीमन की शर्त जोड़ रही भाजपा : विधायक चंद्रप्रकाश

महिला आरक्षण के नाम पर जनता को भ्रमित कर रही भाजपा सरकार : विधायक चंद्रप्रकाश

कांग्रेस पार्टी महिला आरक्षण की पुरजोर समर्थक, इसे हर हाल में लागू किया जाए : विधायक चंद्रप्रकाश

सरकार की नीयत सही होती तो महिला आरक्षण लागू होने में कोई अड़चन नहीं आती : विधायक चंद्रप्रकाश

भीम प्रज्ञा न्यूज.हिसार/ मंडी आदमपुर।

लोकसभा में महिला आरक्षण अधिनियम नारी शक्ति वंदन पारित न होने पर विधायक चंद्रप्रकाश ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार महिला आरक्षण के नाम पर जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार परिसीमन और

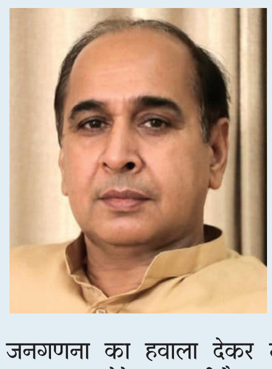

जनगणना का हवाला देकर महिला आरक्षण में जानबूझकर रोड़े अटका रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि यदि केंद्र सरकार की नीयत सही होती तो महिला आरक्षण लागू होने में कोई अचड़न नहीं आती। विधायक चंद्रप्रकाश ने स्पष्ट किया कि संसद व राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित करने के लिए वर्ष 2023 में संसद में महिला आरक्षण बिल के लिए कांग्रेस ने पूरा समर्थन दिया और यह बिल सर्वसम्मति से पारित हुआ था। सरकार को उस समय इसे तुरंत लागू करना चाहिए था लेकिन सरकार ने परिसीमन की शर्त इसके साथ जोड़कर इसे टाल दिया। उन्होंने कहा कि दरअसल कांग्रेस हमेशा से महिला आरक्षण की समर्थक रही है और अब भाजपा गलत ढंग से प्रचार करके कांग्रेस पार्टी को बदनाम करने की कोशिश कर रही है। चंद्रप्रकाश ने कहा कि मातृशक्ति को संसद व विधानसभाओं में एक तिहाई आरक्षण मिलने से राजनीतिक सशक्तीकरण और महिलाओं के प्रतिनिधित्व को बढ़ावा मिलेगा। इसलिए महिला आरक्षण बिल को हर हाल में लागू किया जाना चाहिए। इसके साथ ही इस बिल में अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) की सीट भी आरक्षित होनी चाहिए ताकि पिछड़े वर्ग से जुड़ी महिलाओं को भी समुचित प्रतिनिधित्व मिल सके। उन्होंने कहा कि सच्चाई तो यह है कि महिला आरक्षण के नाम पर जनता को भ्रमित करके भाजपा राजनीतिक लाभ लेना चाहती है। उन्होंने कहा कि जनता सच्चाई को जानती है और भाजपा की नीतियों व कार्यशैली से भली-भांति वाकिफ है। इसलिए भाजपा यदि वास्तव में मातृशक्ति की भलाई चाहती है तो उसे ओच्छे हथकंडे छोड़कर महिला आरक्षण को लागू करने का मार्ग प्रशस्त करना चाहिए।

महिला आरक्षण के लिए कांग्रेस नेता प्रतिबद्ध

हिसार / मंडी आदमपुर : विधायक चंद्रप्रकाश ने कहा कि संसद व राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित करने के संदर्भ में कांग्रेस के सभी नेता प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने बताया कि कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने पहले ही चेता दिया था कि संसद के विशेष सत्र का असली मुद्दा महिला आरक्षण नहीं बल्कि परिसीमन है। सोनिया गांधी ने पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि महिला आरक्षण के नाम पर सरकार द्वारा राजनीतिक फायदा उठाने की मंशा झलक रही है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने स्पष्ट रूप से कहा है कि कांग्रेस चाहती है कि महिला आरक्षण तुरंत लागू हो, न कि परिसीमन

3 को होने वाली नीट परीक्षा को लेकर डीसी अनुपमा अंजली ने ली बैठक

परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन मुस्तैद : डीसी अनुपमा अंजली

सुबह 11:00 बजे से शुरू हो जाएगा उम्मीदवारों का प्रवेश

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

आगामी 3 मई को आयोजित होने वाली नीट (यूजी) परीक्षा को लेकर उपायुक्त अनुपमा अंजली ने आज लघु सचिवालय में विभिन्न विभागों के अधिकारियों और नीट परीक्षा के केंद्र अधीक्षकों की

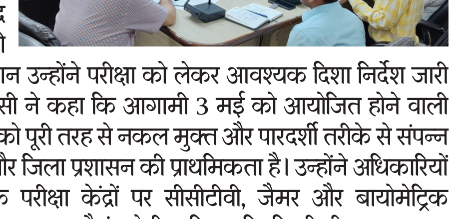

बैठक ली। इस दौरान उन्होंने परीक्षा को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए। बैठक में डीसी ने कहा कि आगामी 3 मई को आयोजित होने वाली नीट (यूजी) परीक्षा को पूरी तरह से नकल मुक्त और पारदर्शी तरीके से संपन्न करवाना सरकार और जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी, जैमर और बायोमेट्रिक उपस्थिति की व्यवस्था चाक-चौबंद होनी चाहिए ताकि किसी भी स्तर पर चूक की गुंजाइश न रहे। उपायुक्त ने पुलिस विभाग को सभी केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस बल और महिला पुलिस कर्मियों की तैनाती सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में डीसी ने उम्मीदवारों की सुविधा और नियमों के पालन पर भी जोर दिया। उन्होंने बताया कि परीक्षा केंद्रों पर उम्मीदवारों का प्रवेश सुबह 11:00 बजे से शुरू हो जाएगा और दोपहर 01:30 बजे के बाद किसी भी स्थिति में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने बताया कि केंद्र के भीतर मोबाइल फोन, घड़ी, वॉलेट, रुमाल, किसी भी प्रकार के आभूषण या इलेक्ट्रॉनिक गैजेट नहीं ले जा सकेंगे। परीक्षा के लिए आवश्यक पेन भी नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा केंद्र पर ही उपलब्ध कराया जाएगा?। ऐसे में उम्मीदवार बाहर से कोई भी स्टेशनरी न लाएं। उम्मीदवारों को अपने साथ केवल एडमिट कार्ड, पासपोर्ट साइज की दो फोटो और एक वैध मूल पहचान पत्र लाना अनिवार्य है। बैठक के दौरान नीट कोऑर्डिनेटर ओपी यादव ने पीपीटी के जरिए केंद्र अधीक्षकों को प्रशिक्षण दिया। इस बैठक में अतिरिक्त उपायुक्त तरुण कुमार पावरिया, नगराधीश डॉ मंगल सैन तथा डीएसपी भारत भूषण के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

धन्ना भगत जी का जीवन सादगी, अटूट भक्ति और कर्मठता का अनुपम संगमः सांसद सुभाष बराला

सांसद सुभाष ने धन्ना भगत जयंती पर की शिरकत, लाइब्रेरी के लिए 11 लाख रुपये की अनुदान राशि देने की घोषणा

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । राज्यसभा सांसद सुभाष ने मंगलवार को धन्ना भगत जयंती के पावन अवसर पर संत शिरोमणि श्री गुरु भगत धन्ना जाट सेवा समिति ट्रस्ट धारसूल द्वारा गांव धारसूल में आयोजित भंडारा कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। क्षेत्र के युवाओं को शिक्षा और ज्ञान से जोड़ने के इस पुनीत अवसर पर, राज्यसभा सांसद ने धारसूल गांव में एक आधुनिक पुस्तकालय (लाइब्रेरी) के निर्माण के लिए 11 लाख रुपये की अनुदान राशि देने की घोषणा की। राज्यसभा सांसद सुभाष ने उपस्थित जनसमूह से आत्मीय संवाद करते हुए संत शिरोमणि धन्ना भगत जी के प्रेरणादायी जीवन पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि धन्ना भगत जी का जीवन सादगी, अटूट भक्ति, आस्था और कर्मठता का अनुपम संगम है, जो आज भी समाज को सही दिशा देने का कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि धन्ना भगत जी ने अपने जीवन के माध्यम से यह सिद्ध किया कि सच्ची श्रद्धा और ईश्वर के प्रति समर्पण से असंभव भी संभव हो जाता है। सांसद ने कहा कि धार्मिक और सामाजिक आयोजन हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के प्रतीक हैं, जो समाज को एकजुट करने का कार्य करते हैं। उन्होंने युवाओं से विशेष रूप से आग्रह किया कि वे ऐसे आयोजनों से जुड़कर अपने इतिहास और परंपराओं को समझें तथा राष्ट्र निर्माण में सकारात्मक भूमिका निभाएं। उन्होंने सभी उपस्थित जनों को संत धन्ना भगत जी के आदर्शों पर चलने का संकल्प लेने के लिए प्रेरित किया। सांसद ने कहा कि केंद्र में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और राज्य में मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में सरकार संत-महापुरुषों की शिक्षाओं और उनके जीवन दर्शन को युवा पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए निरंतर सहयोगात्मक कार्य कर रही है। सरकार का यह मुख्य प्रयास है कि हमारे युवा महापुरुषों की गौरवशाली विरासत से प्रेरणा लें और एक सशक्त, आत्मनिर्भर व संस्कारवान राष्ट्र के निर्माण में अपना बहुमूल्य योगदान दें। उन्होंने कहा कि यह पुस्तकालय ग्रामीण युवाओं को उच्च शिक्षा, पठन-पाठन और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए एक उत्कृष्ट और जनहितैषी मंच प्रदान करेगा। उन्होंने आयोजन कमेटी को बधाई देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में महापुरुषों की शिक्षाओं और उनके उच्च आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम बनते हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम न केवल लोगों को संत शिरोमणि धन्ना भगत जी के प्रेरणादायी जीवन से जोड़ते हैं, बल्कि समाज में सकारात्मक सोच, नैतिक मूल्यों और सेवा भाव को भी बढ़ावा देते हैं। इस अवसर पर महंत संतपुरी जी महाराज, मार्किट कमेटी चेयरमैन रामेहर, वाइस चेयरमैन लाला हेमराज, सरपंच एसोसिएशन प्रधान रणबीर गिल, सरपंच सतगुरु, रणबीर मंडेरना, बलदेव मंडेरना, रमन मड़िया, दलजीत नैन, युवा समिति धारसूल सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

फतेहाबाद पुलिस की कार्रवाईः ट्रांसफार्मर से तेल और सामान चोरी करने वाला आरोपी काबू

थाना सदर फतेहाबाद की टीम ने आरोपी को दबोचा – गांव चाबला मोरी में बिजली निगम के ट्रांसफार्मर को बनाया था निशाना-

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । फतेहाबाद पुलिस अधीक्षक द्वारा बिजली उपकरणों और सार्वजनिक संपत्ति की चोरी करने वाले अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत, थाना सदर फतेहाबाद पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुँचाने और चोरी करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया आरोपी की पहचान सुखविन्द्र उर्फ घगु पुत्र बलवान सिंह, निवासी गाँव महमदपुर सोत्र, जिला फतेहाबाद के रूप में हुई है। थाना सदर फतेहाबाद प्रभारी निरीक्षक प्रहलाद ने जानकारी देते हुए बताया कि यह मामला दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के भट्टू उपमंडल के एसडीओ विपिन कुमार की शिकायत पर दर्ज किया गया था। शिकायत में बताया गया था कि 5 अप्रैल 2025 की रात को गांव चाबला मोरी में एक उपभोक्ता के ट्यूबवेल कनेक्शन पर लगे 25 केवीए के ट्रांसफार्मर से अज्ञात चोरों ने तेल और कीमती सामान चोरी कर लिया था विभाग की शिकायत मिलने पर एलेक्ट्रिसिटी एक्ट की धारा 136 के तहत मुकदमा नंबर 112/2025 दर्ज किया गया था। पुलिस टीम ने गहन जांच और साक्ष्यों के आधार पर आरोपी को चिन्हित कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश कर नियमानुसार कार्यवाही अमल में लाई जाएगी ।

सदीनसर में आस्था का महासंगमः नागणेचा मां व करणी माता के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव की शुरुआत, आज निकलेगी भव्य कलश यात्रा

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । क्षेत्र के सदीनसर गांव में आज से भक्ति और शक्ति का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। यहां राठौड़ों की कुलदेवी श्री मातेश्वरी नागणेचा मां एवं इष्टदेवी करणी माता के भव्य प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का शुभारंभ आज सुबह 8:15 बजे निकलने वाली भव्य कलश यात्रा के साथ होगा। श्री करणी सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित इस ऐतिहासिक महोत्सव के लिए मंदिर परिसर को केसरिया ध्वजों और आकर्षक रोशनी से सजाया गया है।

देशनोक के पुजारियों के सानिध्य में होंगे अनुष्ठान - महोत्सव की विशेषता यह है कि देशनोक स्थित विश्व प्रसिद्ध करणी माता मंदिर के पुजारी विशेष रूप से अनुष्ठान संपन्न कराने सदीनसर पहुंचे हैं। उनके सानिध्य में कलश यात्रा के बाद दोपहर 12:15 बजे विधि-विधान से मंडप पूजन एवं हवन शुरू होगा। इस दौरान नवनिर्मित विश्राम गृह और जल मंदिर का लोकार्पण भी किया जाएगा।

23 अप्रैल को शोभायात्रा और भजन संध्या - निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, महोत्सव के दूसरे दिन 23 अप्रैल को दोपहर 3:15 बजे मां की भव्य नगर परिक्रमा एवं शोभायात्रा निकाली जाएगी। इसी दिन रात्रि 9:15 बजे से विशाल भजन संध्या और रात्रि जागरण का आयोजन होगा, जिसमें देशनोक मंदिर के भजन गायक भक्ति रस की प्रस्तुति देंगे।

24 अप्रैल को प्राण प्रतिष्ठा व भंडारा - समिति पदाधिकारियों के अनुसार, 24 अप्रैल को सुबह 8:15 बजे शुभ मुहूर्त में देशनोक के पुजारियों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। इसके बाद दोपहर 12:15 बजे यज्ञ की पूर्णाहुति होगी और विशाल महाप्रसाद (भंडारा) आयोजित किया जाएगा।महोत्सव को लेकर सदीनसर सहित आसपास के गांवों में भारी उत्साह का माहौल है।

नीमराना में कल होगा बार काउंसिल ऑफ राजस्थान का चुनाव

तहसीलदार कार्यालय में 131 अधिवक्ता करेंगे मतदान; जितेंद्र सांमरिया बने अतिरिक्त मतदान अधिकारी

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । बार काउंसिल ऑफ राजस्थान के 23 सदस्यों के चुनाव के लिए बुधवार 22 अप्रैल को सुबह 8 बजे से सायं 5 बजे तक मतदान कराया जाएगा। नीमराना में मतदान तहसीलदार कार्यालय के मीटिंग हॉल में बनाए गए बूथ नंबर 22 पर होगा, जहां नीमराना अभिभाषक संघ के 131 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। बार काउंसिल ऑफ राजस्थान चुनाव नियम, 1968 के नियम 18 के तहत रिटर्निंग ऑफिसर डॉ. सचिन आचार्य ने एडवोकेट जितेंद्र कुमार सांमरिया को नीमराना, जिला अलवर स्थित बूथ नंबर 22 पर अतिरिक्त मतदान अधिकारी नियुक्त किया है। श्री सांमरिया अम्बेडकर कॉलोनी, डाकघर नीमराना, जिला अलवर के निवासी हैं

चुनाव व्यवस्था और आवश्यक दस्तावेज बार काउंसिल के चुनाव ऑब्जर्वर उपखंड अधिकारी नीमराना महेन्द्र सिंह यादव होंगे। मतदान दल में एडिशनल पोलिंग ऑफिसर एडवोकेट जितेन्द्र सांमरिया के साथ लिपिकीय कर्मचारी विनोद कुमार, बबलू सिरोहीवाल और सहायक कर्मचारी ख्याली राम सैनी, अजय कुमार तैनात रहेंगे। मतदाताओं को मतदान के लिए अपनी पहचान संबंधी दस्तावेज साथ लाना अनिवार्य होगा। इसके लिए बार काउंसिल ऑफ राजस्थान द्वारा जारी पहचान पत्र, आधार कार्ड, पैन कार्ड या ड्राइविंग लाइसेंस में से कोई भी एक आईडी प्रूफ मान्य होगा।

गोपनीयता और निष्पक्षता के सख्त निर्देश

आदेश में स्पष्ट किया गया है कि अतिरिक्त मतदान अधिकारी या रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा सहायता के लिए नियुक्त अन्य व्यक्ति मतदान की पूर्ण गोपनीयता और बार काउंसिल चुनाव में निष्पक्षता बनाए रखने के लिए बाध्य होंगे। मौके पर किए गए किसी भी परिवर्तन को अतिरिक्त मतदान अधिकारी के हस्ताक्षर के तहत फॉर्म के पीछे दर्ज कर मतदान के बाद लौटाना होगा। यह आदेश जोधपुर स्थित राजस्थान उच्च न्यायालय परिसर, झालामंड से जारी किया गया है। एडवोकेट जितेंद्र कुमार सांमरिया की नियुक्ति पर नीमराना क्षेत्र के अधिवक्ताओं ने हर्ष व्यक्त किया है।

जेईई मेन्स 2026 में एम.डी. ग्रुप ऑफ एजुकेशन का शानदार प्रदर्शन, 9 विद्यार्थियों ने 99 परसेंटाइल से अधिक अंक हासिल कर रचा कीर्तिमान

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (हृ्न) द्वारा घोषित जेईई मेन 2026 के परिणाम में चिड़ावा स्थित झुंझुनूं रोड पर संचालित एमडी ग्रुप ऑफ एजुकेशन ने एक बार फिर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की है। संस्थान की एम.डी. करियर लाइन कोचिंग के 9 विद्यार्थियों ने 99 परसेंटाइल से अधिक अंक प्राप्त कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। इस परीक्षा परिणाम में तनिष अग्रवाल (पुत्र संजय अग्रवाल) ने 99.867 परसेंटाइल प्राप्त कर झुंझुनूं जिले में प्रथम स्थान हासिल किया। उनकी ऑल इंडिया रैंक (सामान्य वर्ग) 2207 रही, जबकि ईडब्ल्यूएस श्रेणी में 238वीं रैंक प्राप्त हुई। संस्थान के अन्य विद्यार्थियों ने भी शानदार प्रदर्शन किया। शशांक (पुत्र मनोज जांगिड़) ने 99.49 परसेंटाइल, ऋषभ (पुत्र राजेश कुमार) ने 99.41, जतिन (पुत्र ग्यारसीलाल सैनी) और राज्यवर्धन (पुत्र महिपाल सिंह) ने 99.33-99.33, उषा (पुत्री विजेंद्र सिंह) और सचिन (पुत्र रणवीर सिंह) ने 99.30-99.30, खुशी (पुत्री राकेश गुप्ता) ने 99.17 तथा आयुष (पुत्र सुभाष शर्मा) ने 99.04 परसेंटाइल प्राप्त किए। इसके अलावा 19 विद्यार्थियों ने 98 परसेंटाइल से अधिक, 26 विद्यार्थियों ने 97 परसेंटाइल से अधिक तथा 63 विद्यार्थियों ने 95 परसेंटाइल से अधिक अंक प्राप्त कर संस्थान की गुणवत्ता को प्रमाणित किया। इस उपलब्धि पर संस्थान में चयनित विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जिसमें उत्साह का माहौल देखने को मिला। इस दौरान विद्यार्थी, अभिभावक और शिक्षक डी.जे. की धुन पर झूमते नजर आए।विद्यार्थियों ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, शिक्षकों तथा संस्थान के चेयरमैन सुनील कुमार डांगी के मार्गदर्शन को दिया। संस्थान प्रबंधन के अनुसार अनुशासित वातावरण, आधुनिक शिक्षण पद्धति और नियमित अध्ययन इस सफलता के मुख्य आधार रहे हैं। संस्थान प्रबंधन ने बताया कि एमडी ग्रुप ऑफ एजुकेशन बड़े शहरों की भागदौड़ और तनावपूर्ण जीवनशैली से दूर रहकर आईआईटी और नीट जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए बेहतर विकल्प बन चुका है। वर्तमान में यहां कक्षा 6 से 10 तक प्री-फाउंडेशन तथा 11वीं-12वीं के लिए फाउंडेशन एवं टारगेट बैच संचालित किए जा रहे हैं।इस अवसर पर संस्थान के सभी सदस्य उपस्थित रहे और विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

फतेहाबाद पुलिस की बड़ी कार्रवाईः भूना में युवक पर जानलेवा हमला करने वाले 4 मुख्य आरोपी काबू

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद/भूना।

रजत विजय रंगा । फतेहाबाद पुलिस द्वारा आपराधिक तत्वों के खिलाफ चलाई जा रही विशेष मुहिम के तहत थाना भूना पुलिस ने एक युवक पर जानलेवा हमला करने के मामले में 4 मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता हासिल की है।गिरफ्तार आरोपियों की पहचान विजय पुत्र बुटा सिंह निवासी भुना, गगन उर्फ घोड़ा पुत्र कृष्ण निवासी भुना, नसीब उर्फ टली पुत्र बाबुलाल निवासी भुना व प्रिंस पुत्र जयकिशन निवासी असंध, करनाल) के रूप में हुई है। थाना भूना प्रभारी उप-निरीक्षक ओमप्रकाश ने बताया कि शिकायतकर्ता मोनू निवासी माडल टाउन भुना की शिकायत पर दर्ज किया गया था। शिकायत में बताया था कि 1 अप्रैल 2026 को दोपहर करीब 2 बजे जब उकलाना रोड स्थित अपनी दुकान 'ड्रीम पिज्जा' के बाहर खड़ा था, तो दो गाड़ियों में सवार होकर आए 10-12 नकाबपोश युवकों ने हथियारों सहित हमला कर दिया । जिससे शिकायतकर्ता गम्भीर रूप से घायल हो गया । पीड़ित मोनू के बयानों के आधार पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (BNS) की विभिन्न धाराओं (115(2), 190, 191(2), 191(3), 126(2), 333, 61(2)) के तहत मुकदमा नंबर 75/2026 दर्ज किया गया था। पुलिस टीम ने मामले की गहनता से जांच करते हुए साक्ष्य जुटाए और छापेमारी कर घटना में शामिल चार मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों से पुछताछ कर नियमानुसार कार्यवाही अमल में लाई जाएगी ।

पुलिस की चेतावनी

फतेहाबाद पुलिस जिले में कानून व्यवस्था बिगाड़ने और गुंडागर्दी करने वालों को कतई बर्दाश्त नहीं करेगी। प्रभारी ओमप्रकाश ने कहा कि किसी भी प्रकार की हिंसा या गैंग बनाकर हमला करने वालों के खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

सीएचसी बगड़ में संस्थागत प्रसव की मिसालः नर्सिंग ऑफिसर ने खुद चुना सरकारी अस्पताल

भीम प्रज्ञा न्यूज.बगड़।

झुंझुनूं जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) बगड़ में मंगलवार को संस्थागत प्रसव सेवा की एक प्रेरणादायक तस्वीर सामने आई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. छोटेलाल गुर्जर के सायंकालीन औचक निरीक्षण के दौरान यह मामला सामने आया, जहां सुनील कुमारी पत्नी संदीप कुमार, निवासी बुडानिया और चूरू जिले के सुजानगढ़ ब्लॉक में नर्सिंग ऑफिसर के पद पर कार्यरत, ने अपनी डिलीवरी के लिए निजी अस्पताल की बजाय सरकारी अस्पताल सीएचसी बगड़ को चुना। स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. पूनम कुमारी एवं प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. जुगलाल बुडानिया की देखरेख में उनकी सफलतापूर्वक सामान्य प्रसव करवाया गया, जिसमें उन्होंने एक स्वस्थ नवजात को जन्म दिया। सीएमएचओ डॉ. गुर्जर ने इस निर्णय की सराहना करते हुए इसे सरकारी अस्पतालों में बेहतर सेवाओं के प्रति विश्वास का प्रतीक बताया। निरीक्षण के दौरान रात्रिकालीन इमरजेंसी सेवाएं भी सुचारू पाई गईं, सभी ड्यूटी कार्मिक उपस्थित मिले तथा भर्ती मरीजों से फीडबैक लेकर व्यवस्थाओं पर संतोष जताते हुए चिकित्सा स्टाफ को निरंतर बेहतर सेवाएं देने के निर्देश दिए।

ड्यूटी के दौरान बिगड़ी तबीयत, बीएसएफ जवान संजय सिंह का निधन, गांव में शोक की लहर

भीम प्रज्ञा न्यूज.बुहाना।

जिले के बुहाना क्षेत्र के गांव लालामांडी निवासी बीएसएफ जवान संजय सिंह का ड्यूटी के दौरान अचानक तबीयत बिगड़ने से निधन हो गया। जवान के निधन की खबर से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार संजय सिंह (35), पुत्र राजवीर सिंह, सीमा सुरक्षा बल की 146वीं बटालियन में तैनात थे और मुर्शिदाबाद में ड्यूटी पर कार्यरत थे। 19 अप्रैल 2026 को उनकी अचानक तबीयत खराब हो गई, जिसके बाद उन्हें बीएसएफ अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालत गंभीर होने पर 20 अप्रैल को तड़के करीब 12:45 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। जवान का पार्थिव शरीर मंगलवार को उनके पैतृक गांव लालामांडी लाया गया, जहां पूरे सैन्य सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीणों व जनप्रतिनिधियों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। अंतिम संस्कार के दौरान हृदय विदारक दृश्य उस समय देखने को मिला, जब उनके 10 वर्षीय पुत्र यश ने अपने पिता को मुखाग्नि दी। यश पांचवीं कक्षा का छात्र है और अपनी मां मंजू के साथ मुर्शिदाबाद में रहकर पढ़ाई कर रहा था। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं पूरे गांव में शोक का माहौल बना हुआ है और हर आंख नम नजर आई। क्षेत्र के लोगों ने दिवंगत जवान को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए परिवार को ढांढस बंधाया।

भाजपा अपने मातृ संगठन आरएसएस के एजेंडे पर चल कर देश में नफरत का भाव पैदा किया- बृजेंद्र सिंह

कांग्रेस नेता बृजेंद्र सिंह नेतृत्व में सद्भाव यात्रा अटेली में पहुंची

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडी अटेली?।

मनोज बुलाण । कांग्रेस नेता व पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह नेतृत्व में पिछले साढ़े छः माह से चल रही सद्भाव यात्रा सोमवार को अटेली विधानसभा क्षेत्र के गांव में चंदपुरा में पहुंची। कांग्रेस पार्टी के जिला अध्यक्ष सतवीर झुकिया,पूर्व आईएएस विनय यादव,महिला प्रधान राज सुनेश यादव, दिपिका यादव, लवली यादव, एलसी जोशी, महेंद्र सिंह राता, दलवीर चौधरी, प्रेम यादव आदि नेताओं ने उनके साथ चल रहे सदभाव यात्रियों के लिए जोरदार स्वागत अभिनंदन किया। यह यात्रा अटेली विधानसभा में 21 अप्रैल भाजपा के नफरती एजेंडे का लोगों के बीच में दों दिनों तक पर्दाफाश करेगी। इस मौके पर पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह ने कहा कि सद्भाव यात्रा 80 विधानसभाओं का दौरा कर चुकी है, अटेली में 81 वी विधानसभा में प्रवेश किया है। भाजपा अपने मातृ संगठन आरएसएस के एजेंडे पर चल कर देश में नफरत का भाव पैदा किया हुआ है, इस कारण हरियाणा का भाईचारा टूट गया है। इसको फिर से स्थापित करने के लिए अक्टूबर 2025 में सद्भाव यात्रा शुरू की थी। उन्होंने कहा कि भाजपा किसी भी मजबूत नेता को नेतृत्व नहीं सौपना चाहती। उन्होंने सीएम नायब सैनी के साथ सांसद के किस्से को सांझ करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ने अपनी पत्नी को जिला पार्षद का प्रत्याशी बनाया तो मैने कहा कि आप सांसद हो कर पत्नी को जिला पार्षद बनाने का क्या औचित्य है। तब उनकी पत्नी जिला पार्षद में बुरी तरह से हारने के बाद भाजपा को यह मालूम चला कि इस व्यक्ति के पल्ले तो कुछ नहीं है तो उन्होंने कमजोर नेता को सीएम बनाकर अपने गुप्त एजेंडे को लागू करना चाहती है। बृजेंद्र सिंह ने कहा कि अमेरिका-इजरायल, ईरान युद्ध में भारतीय विदेश नीति का अपने निचले स्तर पर पहुंच गई है, भारत की साख को गिरा दिया है। सद्भाव यात्रा के माध्यम से कांग्रेस मजबूत हुई तथा भाजपा के नफरती एजेंडों को जनता के सामने रखा है। चंदपुरा में सभा करने के बाद सुजापुर, अटेली-बेगपुर, धन्नौदा होते हुए सवा तीन बजे अटेली के पुरान बस स्टैंड होते हुए झंडा चौक पर सभाए हुई। इस मौके पर बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गणेश मिष्ठान भंडार पर कार्रवाईः बूंदी लड्डू के नमूने फेल, लाइसेंस निलंबित

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं

झुंझुनूं जिले में खाद्य सुरक्षा विभाग की सख्त कार्रवाई के तहत सूरजगढ़ क्षेत्र स्थित गणेश मिष्ठान भंडार (बुहाना मोड़) के बूंदी लड्डू के नमूने फेल पाए जाने पर फर्म का खाद्य लाइसेंस निलंबित कर दिया गया है और उत्पादन व विक्रय पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी गई है। अभिहित अधिकारी एवं सीएमएचओ डॉ. छोटेलाल गुर्जर के अनुसार 26 फरवरी 2026 को लिए गए नमूने की जांच रिपोर्ट में जल में घुलनशील सिंथेटिक खाद्य रंग (टार्ट्राज़ीन) की अत्यधिक मात्रा (182.0 द्वद/द्वद्व) पाई गई तथा बौड्डन परीक्षण नकारात्मक आने पर उत्पाद को असुरक्षित/सबस्टैण्डर्ड घोषित किया गया। आयुक्तालय खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण, जयपुर के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 की धारा 32 के तहत फर्म को नोटिस जारी किया गया है और लाइसेंस संख्या 22219079000769 (वैधता 26 अगस्त 2029) को निलंबित कर दिया गया है। विभाग ने फर्म को गुणवत्ता में सुधार कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। इधर, शहर में भी मिलावटी खाद्य पदार्थों का कारोबार चलने की चर्चाएं आम हैं और आमजन में इस बात को लेकर इंतजार है कि अन्य स्थानों पर कब कार्रवाई होगी, क्योंकि ऐसे मामलों में लोगों के स्वास्थ्य के साथ सीधा खिलवाड़ होता है। सीएमएचओ ने नागरिकों से अपील की है कि वे केवल मानक गुणवत्ता वाले खाद्य पदार्थों का ही सेवन करें और किसी भी संदिग्ध खाद्य सामग्री की सूचना विभाग के कंट्रोल रूम 01592-32415 पर दें, सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

फतेहाबाद पुलिस की बड़ी कामयाबीः 5 साल पुराने NDPS मामले का मुख्य सप्लायर राजस्थान से गिरफ्तार

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना/जाखल।

रजत विजय रंगा । फतेहाबाद पुलिस द्वारा नशा तस्करों के नेटवर्क को जड़ से खत्म करने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना जाखल पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने वर्ष 2019 के एक NDPS मामले में फरार चल रहे मुख्य सप्लायर को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान ईश्वर सिसोदिया पुत्र शंभू सिंह, निवासी गांव अधवास, थाना जावर माइंस, जिला उदयपुर (राजस्थान) के रूप में हुई है। थाना जाखल प्रभारी उप-निरीक्षक सुरेश कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि यह मामला 29 मई 2019 का है। उस दिन जाखल पुलिस की टीम ने म्योंद पुल के पास नाकाबंदी के दौरान एक गाड़ी को जांच के लिए रोका था। तलाशी लेने पर वाहन से 18 किलोग्राम कचरा डोडा पोस्त बरामद हुआ था। इस संबंध में थाना जाखल में अभियोग संख्या 58/2019 धारा 27/15/61/85 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था, जिसमें एक आरोपी को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया था, जबकि मुख्य सप्लायर फरार चल रहा था। लगातार प्रयासों के बाद पुलिस ने अब इस मामले में फरार मुख्य आरोपी ईश्वर सिसोदिया को राजस्थान के Udaipur जिले से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। मामले की गहन जांच जारी है और पुलिस तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुटी हुई है।

शेफाली वर्मा टी20आई रैंकिंग में छठे पायदान पर पहुंची, स्मृति मंधाना को लगा झटका

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मौजूदा पांच मैच की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में अर्धशतक की बदौलत आईसीसी की नई महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजी रैंकिंग में दो स्थान के फायदे से छठे पायदान पर पहुंच गईं।

शेफाली ने रविवार को डरबन में खेले गए दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय में 38 गेंद पर 57 रन बनाए थे लेकिन भारत मेजबान टीम से आठ विकेट से हार गया जिससे श्रृंखला में वह 0-2 से पिछड़ गया। भारत को इसी मैदान पर खेले गए पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय में भी छह विकेट से हार का सामना करना पड़ा था जिसमें शेफाली ने 34 रन का योगदान दिया था। भारत की उप कप्तान और शेफाली की सलामी जोड़ीदार स्मृति मंधाना अब तक खेले गए दोनों मैच में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद एक स्थान नीचे चौथे स्थान पर खिसक गई हैं। उन्होंने इन मुकाबलों में 13 और 12 रन बनाए। तीसरे स्थान पर अब वेस्टइंडीज की हेले मैथ्यूज हैं।

भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर दो स्थान ऊपर चढ़कर अब शीर्ष 10 में शामिल होने के करीब हैं। वह फिलहाल 11वें स्थान पर हैं। उन्होंने पहले टी20 में नाबाद 47 रन बनाए थे। महिला विश्व कप की स्टार खिलाड़ी जेमिमा रोड्रिग्स को चार स्थान का नुकसान हुआ है। खराब फॉर्म के चलते वह अब बल्लेबाजों की सूची में 14वें स्थान पर खिसक गई हैं। यह श्रृंखला दोनों टीम के लिए आगामी टी20 विश्व कप की तैयारियों के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण है जो जून में इंग्लैंड और वेल्स में शुरू होने वाला है।

दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोलवार्ट ने भारत के खिलाफ दूसरे मैच में शानदार अर्धशतक लगाने के बाद बल्लेबाजों की सूची में अपना पांचवां स्थान बरकरार रखा है। ऑस्ट्रेलिया की जॉर्जिया वोल शीर्ष पर हैं। दक्षिण अफ्रीका की अन्य खिलाड़ियों में एनेरी डर्कसेन (18 स्थान के फायदे से 33वें स्थान पर) और सुने लुस (आठ स्थान के फायदे से 35वें स्थान पर) ने भी रैंकिंग में लंबी छलांग लगाई है।

भारत की प्रमुख गेंदबाज दीप्ति शर्मा, रेणुका सिंह ठाकुर और अरुंधति रेड्डी गेंदबाजों की रैंकिंग में नीचे खिसक गई हैं। दीप्ति दो स्थान नीचे पांचवें जबकि रेणुका चार स्थान नीचे नौवें स्थान पर हैं। अरुंधति भी तीन स्थान के नुकसान से 12वें स्थान पर खिसक गई हैं और शीर्ष 10 गेंदबाजों की सूची से बाहर हो गई हैं।

ललित मोदी ने दी बीसीसीआई को नसीहत, अपने खिलाड़ियों का सम्मान करें

लंदन (एजेंसी)। आईपीएल के पहले कमिश्नर रहे ललित मोदी ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को नसीहत देते हुए कहा है कि उसे अपने खिलाड़ियों का सम्मान करना चाहिये। ललित मोदी ने कहा है कि इन खिलाड़ियों के अच्छे प्रदर्शन के कारण ही बीसीसीआई को मोटा लाभ होता है। मोदी का कहना है कि बीसीसीआई को उन खिलाड़ियों का सम्मान करना चाहिए, जिन्होंने उसके लिए खजाना भरा है। ललित मोदी ने ये बात इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जेम्स एंडरसन की वीडियो देखकर किया है। उनका कहना है कि भारत में बहुत ही कम ऐसे क्रिकेटर हैं जिनकी विदाई सम्मान के साथ हुई हैं केवल सचिन तेंदुलकर और राहुल द्रविड़ ही दो दिग्गज हैं, जिन्होंने सम्मान के साथ विदायी दी गयी है। वहीं सौरव गांगुली, वीवीएस लक्ष्मण, वीरेंद्र सहवाग जैसे कई खिलाड़ी हैं, जिन्हें विदायी मैच नहीं मिला। हाल ही में विराट कोहली और रोहित शर्मा ने भी सोशल मीडिया पर टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की थी। इन दोनो को भी कोई विदायी मैच नहीं मिला।

मोदी ने एंडरसन के आखिरी टेस्ट का वीडियो जारी किया है। इस वीडियो में एंडरसन लॉर्ड्स के मैदान पर बीयर का गिलास लेकर बालकनी में प्रशंसकों के सामने आते हैं। प्रशंसकों का धन्यवाद अदा करते हैं और उन्हीं के सामने बीयर का गिलास खत्म करते हैं। इससे पहले ललित मोदी ने तो दावा किया है कि आईपीएल टीमों के कुछ मालिकों ने 2011 में काले जादू तक का इस्तेमाल किया था, जिसका उनके पास पुख्ता सबूत है। इतना ही नहीं, उन्होंने दावा किया है कि वह किसी फिल्म या टीवी सीरीज के जरिए इससे जुड़ी हर चीज का खुलासा करना चाहते हैं।

अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट में सीनियर खिलाड़ियों को आराम दे सकती है बीसीसीआई

–घरेलू क्रिकेट खेल रहे युवाओं को मिलेगा अवसर

मुम्बई (एजेंसी)। अफगानिस्तान के खिलाफ 6 जून से होने एकमात्र क्रिकेट टेस्ट मैच में भारतीय क्रिकेट बोर्ड बीसीसीआई आईपीएल खेल रहे अनुभवी खिलाड़ियों को आराम दे सकती है। विशेषकर उन टीमों के खिलाड़ियों को आराम दिया जाएगा जिनकी टीम प्लेऑफ में पहुंचेंगी। ऐसे में इनकी जगह पर घरेलू क्रिकेट खेल रहे युवा खिलाड़ियों को अवसर मिल सकता है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार चयन समिति इस बात पर नजर रखे हुए है कि कौन-से खिलाड़ी आईपीएल में कितने मैच खेल रहे हैं और उनकी टीम प्लेऑफ तक पहुंचती है या नहीं। रिपोर्ट के अनुसार, चयनकर्ता खिलाड़ियों की फिटनेस और काम के बोझ को ध्यान में रखते हुए टीम का चयन करेंगे। खासकर शुभमन गिल, जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को आराम दिया जाना तय है। अगर उनकी आईपीएल टीम जैसे गुजरात टाइटंस या मुंबई इंडियंस प्लेऑफ में पहुंचती हैं, तो इन खिलाड़ियों का टेस्ट खेलना कठिन हो सकता है।

ये टेस्ट मैच विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) से नहीं जुड़ा है। ऐसे में टीम प्रबंधन किसी प्रकार का जोखिम नहीं चाहता। जहां बुमराह को आराम दिया जान तय है। वहीं कप्तान शुभमन स्वयं इस मैच से बाहर हो सकते हैं। ऐसे में कई युवा घरेलू खिलाड़ियों को अवसर मिल सकता है। इसके तहत ही गुरनूर बराड़, मानव सुथार, आकिब नबी, नितीश कुमार रेड्डी और हर्ष दुबे जैसे खिलाड़ियों को टेस्ट डेब्यू का अवसर मिल सकता है। अफगानिस्तान के खिलाफ ये टेस्ट मैच आईपीएल के बाद खेला जाएगा। इसके बाद टीम अगानिस्तान के खिलाफ 3 एकदिवसीय के अलावा आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ सीमिति ओवरों की सीरीज खेलेगी। इसके अलावा भारतीय टीम को जिम्बाब्वे का दौरा भी करना है। इसी को देखते हुए बीसीसीआई सभी खिलाड़ियों को रोटेशन के तहत आराम देना चाहता है।

टी20 विश्व कप मैच फिक्सिंग के तार लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े !

ओटावा (एजेंसी)। टी20 विश्वकप 2026 में न्यूजीलैंड ओर कनाडा मुकाबले को लेकर फिक्सिंग के आरोपों के बाद अब कहा जा रहा है कि इस मामले के तार लॉरेंस बिश्नोई गैंग से भी जुड़े हो सकते हैं। ये कहा जा रहा है कि मैच फिक्सिंग को लेकर संदेह के घेरे में आये कनाडाई टीम के कप्तान दिलप्रीत बाजवा पर लॉरेंज बिश्नोई गैंग का दबाव भी हो सकता है। इससे कनाडाई क्रिकेट धमकियों, चयन में दबाव से लेकर मैच फिक्सिंग के आरोपों से घिर गया है। ऐसे में लॉरेंस बिश्नोई गैंग की जांच भी चल रही है। कनाडा के पब्लिक ब्रॉडकास्टर, कैनेडियन ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन (सीबीसी) की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि बाजवा के जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के नेटवर्क से संबंध हो सकते हैं। या उनपर बिश्नोई ग्रुप की ओर से मैच फिक्स करने के लिए दबाव डाला गया होगा।

सीबीबसी की रिपोर्ट के अनुसार, पिछली जुलाई (2025) में, एक बड़े प्रोविंशियल टूर्नामेंट में जीत के बाद करीब 25 क्रिकेटर ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में एक रेस्टोरेंट में इकट्ठा हुए। इस टूर्नामेंट के दो खिलाड़ी अंदर एक टेबल पर गए, जहाँ कनाडा की टीम का एक स्टार दूसरे ग्रुप के साथ डिनर कर रहा था। सूत्रों के मुताबिक, उन्होंने दावा किया कि वे बिश्नोई गैंग के हैं। साथ ही कहा कि अगर वह दिलप्रीत बाजवा नाम की तरक्की का सहयोग नहीं करते हैं तो इसके परिणाम भुगतने होंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक, जिस मैच पर संदेह है, वह कनाडा का न्यूजीलैंड के खिलाफ ग्रुप स्तर का मैच है। इस मैच में कनाडा के कप्तान दिलप्रीत ने पांचवां ओवर किया जिसमें 15 रन बने और मैच का परिणाम बदल गया। इस ओवर के अलावा

आईसीसी कनाडा के पूर्व कोच खुर्रम चौहान से जुड़े एक रिकॉर्डेड टेलीफोन कॉल की भी जांच कर रहा है। चौहान का आरोप है कि क्रिकेट कनाडा के सीनियर बोर्ड के सदस्यों ने उन पर नेशनल टीम के लिए कुछ खास खिलाड़ियों को चुनने का दबाव डाला था।

ऑरेंज कैप की रेस में नंबर एक पर पहुंचने से चूके शुभमन, तिलक ने लगायी छलांग

अहमदाबाद । आईपीएल में गुजरात टाइटंस और मुम्बई इंडियंस के बीच हुए मुकाबले में गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल को खासा नुकसान हुआ है। इस मैच में टीम के हार के साथ ही शुभमन के बल्लेबाजी में असफल रहने से उनका ऑरेंज कैप की रेस में शीर्ष पर आने का प्रयास भी असफल रहा। वहीं मुंबई इंडियंस की ओर से शतक लगाने वाले तिलक वर्मा ऑरेंज कैप की दौड़ में शीर्ष 35 खिलाड़ियों की सूची में शामिल होने में सफल रहे हैं। इस मैच में शुभमन केवल 14 रन ही बना पाए। इससे आईपीएल सत्र के 5 मैचों में उनके कुल 265 रन हो गए हैं। शुभमन अब ऑरेंज कैप की रेस में दूसरे स्थान पर बने हुए हैं। वहीं सनराइजर्स हैदराबाद के आक्राम बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन 283 रनों के साथ ही पहले नंबर पर बरकारार हैं।

वहीं मुम्बई के तिलक गुजरात के खिलाफ नाबाद 101 रनों की पारी के साथ ही सीधे 33वें स्थान पर पहुंच गये हैं है। तिलक के अब 6 मैचों में कुल 144 रन हो गये हैं। वहीं तीसरे पायदान पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के विराट कोहली हैं, जिन्होंने कुल 247 रन बनाए हैं। राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी 246 रनों के साथ चौथे और आरसीबी के रजत पाटीदार 230 रनों के साथ पांचवें स्थान पर काबिज हैं।

कोनोली ने बताया पंजाब किंग्स की सफलत का राज

मुल्लांपुर । आईपीएल के इस सत्र में शानदार प्रदर्शन कर रहे पंजाब पंजाब किंग्स के युवा बल्लेबाज ऑस्ट्रेलिया के कूपर कोनोली ने कहा है कि टीम के अंदर काफी अच्छा माहौल है और सभी एकदूसरे की सहायता कर रहे हैं उसी कारण टीम जीत रही है। साथ ही कहा कि सभी को एकदूसरे के मजबूत पक्ष से सीखने को मिला रहा है। कोनोली ने कहा, हम सभी इस बात पर विचार करते हैं कि एक–दूसरे के लिए क्या फायदेमंद है। हम एक–दूसरे से छोटी–छोटी बातें सीखते हैं। हमें एक–दूसरे से छोटी–छोटी चीजें सीखने से लाभ भी हुआ है। उन्होंने कहा, हम सभी बेहतर होने का प्रयास कर रहे हैं। खेल का भी लक्ष्य होता है कि एक सर्वश्रेष्ठ टीम बनायी जाये। हम एक टीम के रूप में एक–दूसरे से सीख कर अपनी कमियों को दूर कर रहे हैं। कोनोली ने कहा कि टीम की सफलता में कप्तान श्रेयस अय्यर की भी अहम भूमिका है। श्रेयस काफी अच्छी कप्तानी कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में टीम लगातार आगे बढ़ रही है। पंजाब इस सत्र में अब अब अपने 6 में एक भी मैच नहीं हारी है। वह पांच मैच जीती है जबकि एक मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया। टीम अंक तालिक में अभी नंबर एक पर है। कोनोली ले कहा, श्रेयस स्वयं आगे रहकर टीम को प्रेरित करते हैं। वह हमेशा यह प्रयास करते हैं कि टीम के सभी खिलाड़ी सहज महसूस करें। वह खिलाड़ियों को हमेशा बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि सभी खिलाड़ी उत्साहित होकर अपनी जिम्मेदारी निभाएं।

शुभमन ने हार के लिए गेंदबाजों को जिम्मेदार बताया, बीच के ओवरों में जरुरत से ज्यादा रन दिये

अहमदाबाद । गुजरात टाइटंस की टीम को यहां मुंबई इंडियंस के खिलाफ हुए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबले में करारी हार का सामना करना पड़ा है। इस हार से निराश टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने इसके लिए गेंदबाजों का जिम्मेदार बताया। शुभमन ने कहा कि हमने काफी ज्यादा रन दे दिये थे। बीच के ओवरों में हमें अच्छी गेंदबाजी करनी चाहिये थी पर उसमें हम विफल रहे। हमारे गेंदबाज विरोधी टीम पर अंकुश नहीं लगा पाये। इस मैच में टीम की बल्लेबाजी भी खराब रही और वह लक्ष्य का पीछा करते हुए केवल 100 रन ही बना पायी। गुजरात की ओर से कगिसो रबाडा ने पावरप्ले में 3 विकेट लिए, पर तिलक वर्मा के शतक से मुंबई ने 199 रनों का अच्छा खासा स्कोर बना लिया। मैच के बाद गिल ने कहा कि हमारी टीम मुम्बई के बल्लेबाजों को रोक नहीं पायी। पिच थोड़ी धीमी थी जिस पर हमने काफी रन लुटा दिये पर इसके बाद भी हमें इस मैच से काफी कुछ सीखने को मिला है। साथ ही कहा कि यह हार टीम के लिए एक सबक है। सभी को समझना होगा कि एक गलती उन्हें पीछे कर सकती है विशेषकर जब वे घरेल मैदान की जगह पर अन्य स्थलों पर उतरेंगे तब उन्हें सावधान रहना होगा। उन्होंने कहा, ‘अब हमारे पास बाहर के कुछ मैच हैं, उम्मीद है कि हम फिर से जीत की राह पर लौटेंग। मुझे लगता है कि विकेट थोड़ा धीमा था। हम सही क्षेत्र में गेंदबाजी नहीं कर पाए। हमें मध्य के ओवरों में लगातार उसी लेंथ पर गेंदबाजी करनी चाहिए थी, जो हम नहीं कर पाए।’ वहीं टीम बल्लेबाजी में भी असफल रही जबकि दूसरी पारी में ओस के कारण बल्लेबाजी थोड़ी आसान हो गई थी। इस मैच में मुंबई इंडियंस ने गुजरात को 99 रन से हराया. पहले बल्लेबाजी करते हुए मुंबई ने पांच विकेट पर 199 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले 200 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए गुजरात टीम 100 रन ही बना पायी। इस मैच में जीत के साथ ही मुम्बई की पिछले चार मैचों से हार का सिलसिला जरुर थम गया है।

बुमराह को लंबे इंतजार के बाद मिला सत्र का पहला विकेट, प्रशंसक भी उत्साहित हुए

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात टाइटंस के खिलाफ मुकाबले में मुम्बई इंडियंस के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को आंखिरकार विकेट मिल ही गया। बुमराह को ये विकेट लंबे इंतजार के बाद मिला है। इस सत्र का ये उनका पहला विकेट है। बुमराह ने पहले ही ओवर में गुजरात के सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन का विकेट लिया। बुमराह को आईपीएल में 325 दिनों के बाद ये विकेट मिला है। उनके इस विकेट पर प्रशंसक भी उत्साहित दिखे। इससे पहले उन्होंने आईपीएल में अपना अंतिम विकेट 2025 क्वालीफायर के दौरान लिया था। बुमराह के इस विकेट से टीम को शुरुआती सफलता मिली और विरोधी टीम पर दबाव बनाने में मदद मिली। यह सिर्फ एक विकेट नहीं था, बल्कि लगभग एक साल के इंतजार के बाद आईपीएल में उनकी वापसी का संकेत था, जो प्रशंसकों के लिए किसी त्योहार से कम नहीं था।

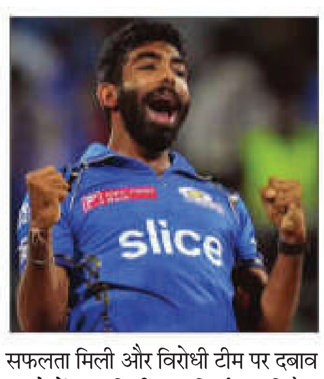

बुमराह ने आईपीएल में अपना अंतिम विकेट 2023 के क्वालीफायर मुकाबले के दौरान लिया था। उसके बाद चोट के कारण उन्हें काफी समय तक क्रिकेट से दूर रहना पड़ा। इस लंबे ब्रेक और फिर मैदान पर जोरदार वापसी ने उनके हर प्रदर्शन को और भी महत्वपूर्ण बना दिया है। यही कारण है कि उनके इस पहले विकेट पर फैंस का उत्साह चरम पर था

इस विकेट की एक और दिलचस्प बात यह है कि इसका मूल्य लगभग 26 लाख रुपये आंका गया है। यह कोई वेतन या नीलामी राशि नहीं है, बल्कि एक विशेष डेटा-आधारित मूल्यांकन है। क्रिकेट विश्लेषकों और डेटा वैज्ञानिकों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले बॉल-लेवल डेटा के अनुसार, सुदर्शन जैसे शीर्ष और प्रभावशाली बल्लेबाज का विकेट लेना, खासकर पारी की शुरुआत में, खेल के परिणामों पर बड़ा प्रभाव डालता है। डिलीवरी का बॉलर-बॉल इम्पैक्ट स्कोर 15.449 रहा, जिसे मौजूदा मैच कन्वर्जन रेट से गुणा करने पर लगभग 25.60 लाख रुपये का मौद्रिक मूल्य प्राप्त होता है।

चेन्नई के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ पर है दबाव : अश्विन

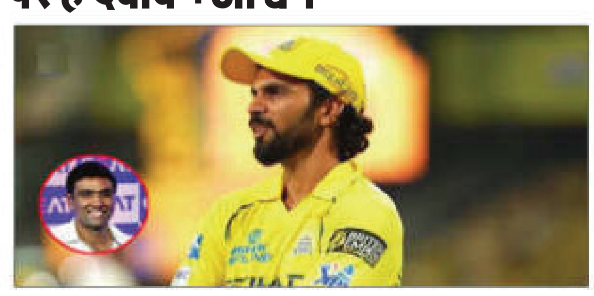

मुम्बई । पूर्व भारतीय क्रिकेटर रविचंद्रन अश्विन ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ के खराब प्रदर्शन को लेकर कहा है कि गायकवाड़ इस समय काफी दबाव में हैं, जिसके चलते वे न तो सही निर्णय ले पा रहे हैं और न ही अपनी बल्लेबाजी में प्रभाव छोड़ पा रहे हैं। इसी कारण सीएसके की हालत भी खराब है और अंकतालिका में काफी नीचे है। इस सत्र में ऋतुराज अब तक खेली गई छह पारियों में केवल 82 रन बना पाये हैं, जिसमें उनका औसत सिर्फ 13.67 रहा है। यह आंकड़ा एक कप्तान और प्रमुख बल्लेबाज के लिए निराशाजनक है और टीम प्रबंधन के साथ–साथ प्रशंसकों के लिए भी चिंता का विषय बन गया है। हाल ही में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ हुए मुकाबले में भी गायकवाड़ बड़ी पारी खेलने में विफल रहे। इस मैच में गायकवाड़ ने 13 गेंदों पर सिर्फ 19 रन बनाए। हालांकि युवा बल्लेबाज आयुष ने पावरप्ले में टीम को अच्छी शुरुआत दी थी, लेकिन उनके आउट होने के बाद मध्यक्रम दबाव में आ गया, जिसका असर गायकवाड़ की बल्लेबाजी पर भी साफ दिखा और रन गति धीमी पड़ गई। इससे अंत में टीम के हाथ से मैच निकल गया। अश्विन ने गायकवाड़ की खराब फॉर्म की असली वजह बताते हुए कहा, इस मैच में उनके लिए रन बनाने का सबसे अच्छा अवसर था। उन्हें ज्यादा जोखिम लेने की जरूरत नहीं थी क्योंकि टीम पहले ही अच्छी शुरुआत कर चुकी थी। वह समय लेकर अपनी पारी को संभाल सकते थे पर ऐसा नहीं कर पाये। उन्होंने आगे कहा, मुझे ऐसा लगता है कि वह काफी दबाव में हैं और उनका दिमाग सही फैसले नहीं ले पा रहा है। गायकवाड़ से ही टीम को उनसे सबसे ज्यादा उम्मीदें हैं और उनके असफल होने से अन्य खिलाड़ियों पर भी विपरीत प्रभाव पड़ा है। सीएसके ने सीजन की शुरुआत तीन लगातार हार के साथ की थी, हालांकि बाद में दो मैच जीतकर वापसी की, लेकिन सनराइजर्स के खिलाफ मिली हार ने एक बार फिर टीम का मनोबल गिरा दिया है। अश्विन के अनुसार टीम की कमान संभालने का बोझ और व्यक्तिगत प्रदर्शन में गिरावट से भी गायकवाड़ के खेल पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के मार्गदर्शन की कमी भी उन्हें महसूस हो रही है। इससे उनकी उनकी मानसिक स्थिति प्रभावित हुई है। अब सीएसके का अगला मुकाबला 23 अप्रैल को मजबूत मुंबई इंडियंस के खिलाफ है। इसमें कप्तान को पूरी ताकत से उतरना होगा। प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए टीम के लिए इस मैच में जीत जरुरी है। ऐसे में गायकवाड़ को बड़ी पारी खेलकर अपनी टीम को जीत दिलानी होगी। जिससे की उसका अभियान पटरी पर आ सके।

जोकोविच बोले, विराट हैं मेरे अच्छे दोस्त, उनके कारण क्रिकेट को फॉलो कर रहा

–भारत आने की भी इच्छा जतायी

मैड्रिड (एजेंसी)। सर्बियाइ टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच ने कहा है कि वह विराट कोहली के बड़े प्रशंसक हैं और उन्हीं के कारण क्रिकेट को फॉलो करते हैं। जोकोविच के अनुसार सर्बिया में लोग क्रिकेट के बारे में अधिक नहीं जानते पर विराट से मेरी काफी अच्छी दोस्ती है। विराट कोहली भी समय-समय पर जोकोविच के मैचों को देखने पहुंचते हैं। जोकोविच ने कहा कि जब भी वह कभी भारत जाएंगे तो कोहली उनके साथ जरूर रहेंगे। जोकोविच ने जल्द ही भारत आने की भी बात कही। मैड्रिड में लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवॉर्ड्स 2026 समारोह के दौरान इस टेनिस स्टार ने कहा, विराट कोहली मेरे करीबी दोस्त हैं वह ऐसे शख्स हैं जिनका मैं सम्मान करता हूं, प्रशंसा करता हूं। ईमानदारी से कहें तो उनकी वजह से ही मैंने क्रिकेट को फॉलो करना शुरू किया। मैंने पहले भी इसे फॉलो किया पर उनके जरिये और ज्यादा फॉलो करने शुरू किया। हम संपर्क में रहते हैं और उम्मीद करता हूं कि मैं जब भी आऊंगा वह मेरे साथ हो सकते हैं। हम थोड़ा बहुत टेनिस खेलेंगे और थोड़ा बहुत क्रिकेट। मस्ती करेंगे और खेल का आनंद लेते हुए सकारात्मक और अच्छी बातें फैलाएंगे।

जोकोविच ने कहा कि वह भारत के भी प्रशंसक हैं। साथ ही कहा कि वह जल्द ही भारत आना चाहते हैं। जोकोविच ने कहा, मुझे व्यक्तिगत तौर पर भारतीय टेनिस और दुनियाभर के खेलप्रेमियों से जो समर्थन मिलता रहा है उस पर मेरा हमेशा प्यार, सम्मान और तारीफ का संदेश रहेगा। मेरा संदेश यह भी होगा- बहुत जल्द आपसे भारत में मिलेंगे क्योंकि मुझे वहां जाने की जरूरत है। मैं पिछले कुछ सालों से भारत जाने की अच्छा रखता हूं। मैं खुद को भारतीय लोगों के बहुत करीब पाता हूं। लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवॉर्ड्स 2026 की बात करें तो मैड्रिड में हुए इस भव्य समारोह में टेनिस का दबदबा रहा। कार्लोस अल्काराज और एरिना सबालेंका को क्रमशः स्पोर्ट्समैन और स्पोर्ट्सवुमन ऑफ द ईयर के सम्मान से नवाजा गया।

अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद बोले, मुझे भारत और ऑस्ट्रेलिया ने दिया था खेलने का प्रस्ताव

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद खान ने कहा है कि उन्हें भारतीय ओर ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट से खेलने के साथ ही नागरिकता का प्रस्ताव मिला था पर उन्होंने उसे ठुकरा दिया था क्योंकि वह अपने ही देश अफगानिस्तानी की ओर से खेलना चाहते थे। राशिद के अनुसार वह अपने देश से प्यार करते हैं और उसके लिए समर्पित हैं। राशिद खान ने ये खुलासा अपनी किताब ‘राशिद खान~ फ्रॉम स्ट्रीट्स टू स्टारडम’ में किया है। उन्होंने कहा कि साल 2023 आईपीएल सीजन के दौरान उन्हें अनौपचारिक रूप से प्रस्ताव मिले थे पर मैंने ठुकरा दिये थे। इस किताब में राशिद के हवाले से लिखा है, ÷मुझे ऑस्ट्रेलिया और भारत दोनों से खेलने के प्रस्ताव मिले थे पर मैंने इससे इंकार करते हुए कहा था कि मैं किसी अन्य देश के लिए नहीं खेलूंगा.÷

उन्होंने कहा कि तब आईपीएल के दौरान ही भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक बड़े अधिकारी ने कहा था कि आपके देश अफगानिस्तान की हालत ठीक नहीं है अगर आप चाहें तो भारत में खेल सकते हैं। इससे में हैरान हो गया पर मैंने उन्हें साफ तौर पर मना कर दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वह अपने वतन अफगानिस्तान से बेहद प्यार करते हैं और उसके लिए पूरी तरह समर्पित हैं। उनके लिए, किसी अन्य देश का प्रतिनिधित्व करना उनके अपने देश के गौरव और पहचान से समझौता करने जैसा होता, जिसे वह कभी स्वीकार नहीं कर सकते थे। यह घटना राशिद के चरित्र और उनके मूल्यों को उजागर करती है। एक ऐसे समय में जब कई खिलाड़ी बेहतर अवसरों और सुविधाओं के लिए राष्ट्रीयता बदलने पर विचार करते हैं, राशिद का अपने देश के प्रति यह अटूट समर्पण एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत करता है। उनका यह निर्णय न केवल अफगानिस्तान के क्रिकेट समुदाय के लिए गर्व का विषय है, बल्कि दुनिया भर के खेल प्रेमियों के लिए भी देश प्रेम का एक मजबूत संदेश है।

युवाओं के दम पर पंजाब किंग्स अब किसी एक खिलाड़ी पर निर्भर नहीं : मॉर्गन

लंदन । इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान इयोन मॉर्गन ने आईपीएल सत्र में पंजाब किंग्स टीम के अच्छे प्रदर्शन की प्रशंसा करते हुए कहा है कि अब यह टीम अपने कप्तान या किसी एक एक खिलाड़ी पर निर्भर नहीं है, बल्कि युवा प्रतिभाओं के प्रदर्शन पर निर्भर है। मॉर्गन ने कहा है पंजाब किंग्स का ये अंदाज काफी अनूठा है। टीम बहुत ही मजबूत स्थिति में पहुंच गई है जिसमें हर खिलाड़ी अपनी भूमिका निभाना जानता है। टीम में इतनी गहराई है कि वह 230 से 240 रनों का लक्ष्य भी हासिल कर सकती है।। उन्होंने जोर दिया कि इससे प्रमुख खिलाड़ियों पर से अनावश्यक दबाव कम गया है। मॉर्गन ने आगे कहा, जब बाकि बल्लेबाजी इकाई अच्छा प्रदर्शन कर रही होती है, तो टीम पर से दबाव कम होता ही है। उन्होंने युवा बल्लेबाज प्रियांश आर्य ने जिस प्रकार से बल्लेबाजी की है उससे पता चलता है कि टीम में कितन आत्सविश्वास है। वह एक ऐसे खिलाड़ी के तौर पर सामने आते हैं जो साफ सोच रखते हैं और समय के साथ मिलने वाले अवसरों का पूरा लाभ उठा रहे हैं।

सलमान की फिल्म 'राजा शिवाजी' में एंट्री कन्फर्म

रितेश देशमुख ने बिग बॉस मराठी में किया खुलासा

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है, जिसने फैंस के बीच जबरदस्त एक्साइटमेंट पैदा कर दी है। अभिनेता-निर्देशक रितेश देशमुख ने अपनी अपकमिंग फिल्म 'राजा शिवाजी' में सलमान की एंट्री कन्फर्म कर दी है।

रितेश देशमुख ने यह घोषणा हाल ही में 'बिग बॉस मराठी सीजन 6' के दौरान की। उन्होंने साफ कहा कि सलमान खान इस फिल्म में एक बड़ा और अहम रोल निभाने वाले हैं। इस खुलासे के बाद सोशल मीडिया पर फिल्म को लेकर चर्चा तेज हो गई है और फैंस अब सलमान के किरदार को लेकर कयास लगा रहे हैं।

हालांकि, फिल्म में सलमान खान किस भूमिका में नजर आएंगे, इस पर अभी सस्पेंस बरकरार है। कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि वह छत्रपति शिवाजी महाराज के करीबी सहयोगी जीवा महाला का किरदार निभा सकते हैं, लेकिन मेकर्स ने इस पर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा है। 'राजा शिवाजी' एक भव्य ऐतिहासिक फिल्म है, जो मराठा साम्राज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन, वीरता और नेतृत्व पर आधारित है। इस फिल्म में रितेश देशमुख खुद शिवाजी महाराज की भूमिका निभा रहे हैं और इसके निर्देशन की कमान भी उन्होंने ही संभाली है। फिल्म की स्टार कास्ट भी काफी दमदार है। इसमें अभिषेक बच्चन, संजय दत्त, विद्या बालन और जेनेलिया देशमुख समेत कई बड़े नाम शामिल हैं। सलमान खान के जुड़ने से फिल्म का स्केल और भी बड़ा हो गया है, जिससे इसे पैन-इंडिया स्तर पर जबरदस्त फायदा मिलने की उम्मीद है। यह फिल्म 1 मई को सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है। फिलहाल, सलमान खान के रोल को लेकर बना सस्पेंस ही इस फिल्म की सबसे बड़ी चर्चा बन चुका है।

दृश्यम 3 के डायरेक्टर अभिषेक पाठक के घर गूंजी किलकारियां, पत्नी शिवालिका ने दिया बेबी गर्ल को जन्म

दृश्यम 3 के निर्देशक अभिषेक पाठक के घर गूंजी किलकारियां। अभिषेक पाठक और उनकी पत्नी एक्ट्रेस शिवालिका ओबेरॉय ने 19 अप्रैल को बेबी गर्ल का वेलकम किया है। फरवरी 2023 में कपल ने गोवा में शादी की थी। खुदा हाफिज के सेट पर पहली बार दोनों की मुलाकात हुई थी। इस फिल्म ने अभिषेक ने प्रोड्यूस किया था और इसमें शिवलिका ने एक्टिंग की थी। अब दोनों ही माता-पिता बन चुके हैं।

अभिषेक-शिवालिका के घर आई नन्ही परी

अक्षय तृतीया के शुभ मौके पर रविवार को जॉइंट पोस्ट में अभिषेक-शिवालिका ने गुड न्यूज शेयर की है। कपल ने पोस्ट में लिखा, हमारी नन्ही देवी लक्ष्मी एक शुभ दिन पर हमारे घर आई हैं। यह एक आशीर्वाद है। एक ही पल में, हमारे दिलों को एक नया ही मतलब मिल गया! ढेर सारे प्यार और आभार के साथ, हम अपनी प्यारी बेटी का स्वागत करते हैं! धन्य माता-पिता- शिवालिका और अभिषेक।

2025 में किया प्रेग्नेंसी का एलान

पिछले साल दिसंबर 2025 में अभिषेक और शिवालिका ने अपने इंस्टाग्राम पर जॉइंट पोस्ट में अपनी प्रेग्नेंसी की खबर साझा की थी। फोटोज में देख सकते हैं कि लाल रंग के कपड़ो में सजी एक्ट्रेस ने बच्चे के छोटे-छोटे मोजे पकड़े हुए थे, जबकि काले रंग की शर्ट पहने अभिषेक ने उन्हें गले लगाया हुआ था। तब उन्होंने लिखा था कि बेबी पाठक 2026 में आ रहा है।

पैसे हीरो के लिए हैं, राकेश बदी ने किया बॉलीवुड के काले सच और सख्त हायरार्की का खुलासा

अपनी कॉमिक टाइमिंग और दमदार अभिनय से दशकों तक दर्शकों का मनोरंजन करने वाले दिग्गज अभिनेता राकेश बेदी ने हाल ही में बॉलीवुड के अंदरूनी कामकाज और स्टारडम के बदलते स्वरूप पर खुलकर बात की। धुरंधर जैसी वेब सीरीज में पाकिस्तानी राजनेता जमील जमाली के किरदार से वाहवाही लूटने वाले बेदी ने अपने शुरुआती करियर का एक ऐसा किस्सा साझा किया, जो इंडस्ट्री में कलाकारों के बीच होने वाले भेदभाव को उजागर करता है। एक्टर ने एक घटना के बारे में बताया जब उन्हें एक फिल्म की शूटिंग के दौरान तुरंत पेमेंट की ज़रूरत थी। प्रोड्यूसर से अपना पेमेंट मांगने पर, बेदी को बताया गया कि पैसे फिल्म के हीरो के लिए रिज़र्व हैं। उन्होंने बताया कि इस पल ने इंडस्ट्री के हायरार्की वाले स्ट्रक्चर को दिखाया, जहाँ जाने-माने स्टार्स को अक्सर खास ट्रीटमेंट मिलता है।

जब प्रोड्यूसर ने कहा- पैसे हैं, पर तुम्हारे लिए नहीं

एक इंटरव्यू के दौरान राकेश बेदी ने उस दौर को याद किया जब वह पैसों की तंगी से जूझ रहे थे। उन्होंने बताया कि एक फिल्म की शूटिंग के दौरान उन्हें अपनी किश्त (इंस्टॉलमेंट) भरने के लिए पैसों की सख्त जरूरत थी। बेदी ने याद करते हुए कहा: सेट पर प्रोड्यूसर आया और उसके हाथ में पैसों का पैकेट था। मैंने उससे अपनी बकाया राशि मांगी, तो उसने साफ कह दिया कि पैसे नहीं हैं। जब मैंने उसके हाथ में मौजूद पैकेट की ओर इशारा किया, तो उसका जवाब हैरान करने वाला था। उसने कहा यार, यह पैसे हीरो को देने के लिए हैं। इस घटना ने बेदी को अहसास कराया कि इंडस्ट्री में एक सख्त हायरार्की (श्रेणीबद्ध व्यवस्था) है, जहाँ छोटे या सपोर्टिंग एक्टर्स की जरूरतों से ऊपर बड़े स्टार्स की सुख-सुविधाओं को रखा जाता है।

शेयर बाजार जैसा है स्टारडम

इंडस्ट्री में इक्विटी और सम्मान पर बात करते हुए बेदी ने एक दिलचस्प उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि किसी कलाकार का स्टेटस शेयर बाजार की तरह होता है; जैसे एक शेयर की कीमत 10 से 1000 तक जा सकती है, वैसे ही सफलता मिलने पर लोगों का नजरिया रातों-रात बदल जाता है।

वित्तीय सेवाएँ

हालांकि, उन्होंने जोर देकर कहा कि रुतबा चाहे जो भी हो, किसी के साथ बुरा बर्ताव या बेइज्जती करना कतई सही नहीं है। उन्होंने अपना व्यक्तिगत सिद्धांत साझा करते हुए कहा कि वह आज भी किसी ड्रेस-मैन से अपने जूते पहनने में मदद नहीं मांगते, क्योंकि वह हर इंसान की गरिमा में विश्वास रखते हैं।

बदल गया है शोहरत का पैमाना

राकेश बेदी ने ये जो है जिंदगी, श्रीमान श्रीमती और चश्मे बद्दूर जैसे कल्ट क्लासिक्स के दौर का आज के दौर से मुकाबला किया। पहले कलाकार एक मैगजीन में अपना नाम छपने पर खुश हो जाते थे। आज एक छोटी सी बातचीत या वीडियो मिनटों में लाखों लोगों तक पहुँच जाता है। उन्होंने माना कि आज स्टारडम का क्वांटम (पैमाना) बहुत बड़ा हो गया है, और वह खुद को इस डिजिटल युग की तुरंत मिलने वाली शोहरत के साथ ढालने की कोशिश कर रहे हैं।

दीपिका कक्कड़ ने दिया हेल्थ से जुड़ा भावुक अपडेट! रोने से कम होती है एंग्जायटी, कैंसर ट्रीटमेंट और नए एमआरआई स्कैन की दी जानकारी

टेलीविजन एक्टर दीपिका कक्कड़ ने अपने कैंसर ट्रीटमेंट के बीच अपनी हेल्थ पर एक नया अपडेट शेयर किया है, जिसमें उन्होंने बताया कि रूटीन स्कैन स्कैन के दौरान उन्हें कितनी एंग्जायटी होती है और वह इससे कैसे निपटती हैं। एक्टर ने बताया कि रोने से उन्हें एंग्जायटी दूर करने में मदद मिलती है, क्योंकि वह रेगुलर मॉनिटरिंग और आने वाली इम्यूनोथेरेपी के साथ अपनी रिकवरी जारी रखे हुए हैं।

एंग्जायटी से निपटने का अनोखा तरीकाः रोना सुकून देता है

कैंसर रिकवरी के दौरान होने वाले नियमित एमआरआई स्कैन किसी भी मरीज के लिए तनावपूर्ण हो सकते हैं। दीपिका ने स्वीकार किया कि हालिया स्कैन के दौरान उन्हें जबरदस्त एंग्जायटी (घबराहट) हुई। दीपिका ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा: मैं बहुत घबरा रही थी और मशीन में जाने से पहले और उसके दौरान भी रोई। कभी-कभी रोना आपकी एंग्जायटी को बाहर निकालने में बहुत मदद करता है। मुझे लगता है कि रोने के बाद आप और मजबूत होकर बाहर आते हैं, कम से कम मेरे लिए यह तरीका काम करता है।

स्वास्थ्य अपडेटः एमआरआई रिपोर्ट और अगला कदम

व्लॉग में शोएब इब्राहिम ने दीपिका की एमआरआई रिपोर्ट के बारे में बताते हुए कहा कि रिपोर्ट में दो छोटे डॉट्स (धब्बे) पाए गए हैं। दीपिका ने स्पष्ट किया कि ये धब्बे बहुत छोटे हैं और फिलहाल किसी आपातकालीन इलाज की जरूरत नहीं है। हालांकि, डॉक्टरों ने उन पर बारीकी से नजर रखने की सलाह दी है। शोएब ने जानकारी दी कि दीपिका इसी हफ्ते से अपना इम्यूनोथेरेपी सेशन शुरू करने वाली हैं।

शोएब ने आगे बताया कि दीपिका इस हफ़्ते से इम्यूनोथेरेपी शुरू करेंगी। कपल ने अपनी पर्सनल लाइफ़ की एक झलक भी शेयर की, जिसमें बताया कि उनके बिज़ी शेड्यूल की वजह से वे अपने बेटे रूहान के साथ ज़्यादा समय नहीं बिता पाए। शोएब ने स्कैन के बाद दीपिका को सनग्लासेस देकर सरप्राइज़ भी दिया, जिससे स्ट्रेस के बीच खुशी का एक छोटा सा पल आया। दीपिका स्टेज 2 लिवर कैंसर से जूझ रही हैं और हाल ही में 23 फरवरी को पेट के सिस्ट की सर्जरी हुई थी। उनके इलाज के हिस्से के तौर पर जून 2025 में उनका एक ट्यूमर भी निकाला गया था। पिछले कुछ महीनों से, दीपिका यूट्यूब पर अपनी यात्रा को डॉक्यूमेंट कर रही हैं, जिसमें

कीमोथेरेपी सेशन से लेकर रिकवरी की इमोशनल चुनौतियों तक के अपडेट शेयर किए गए हैं। वह ससुराल सिमर का में सिमर भारद्वाज का रोल करने के लिए जानी जाती हैं और झलक दिखला जा 8, नच बलिए 8 और बिग बॉस 12 जैसे शो में भी दिखी हैं, जिसे उन्होंने जीता था। हाल ही में, वह सेलिब्रिटी मास्टरशेफ में दिखी थीं, जिसे उन्हें हेल्थ प्रॉब्लम की वजह से छोड़ना पड़ा था।

स्वास्थ्य

गर्मी में बहुत फायदेमंद होता है मखाने का रायता, इसकी रेसिपी और सेहत को मिलने वाले ढेर सारे फायदे

मखाना सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है। इसे आप कई तरीके से खा सकते हो और इसे घी में रोस्ट करके खा सकते हैं। इसके अलावा मखाना का रायता भी गर्मियों के लिए काफी अच्छा होता है। मखाने में कैल्शियम, मैग्नीशियम, कार्ब्स और प्रोटीन से भरपूर होता है। साथ ही यह ग्लूटेन फ्री भी होता है। मखाना के सेवन से कोलेस्ट्रॉल, फैट और सोडियम की मात्रा कंट्रोल में रहती है। इसके अलावा विटामिन्स, फॉस्फोरस और खनिज से भरपूर होते हैं। साथ ही इसमें एंटीऑक्सीडेंट और एंटीबैक्टीरियल गुण भी पाए जाते हैं। इसका रायता बनाने बेहद आसान होता है। मखाना रायता आपको गर्मियों में हाइड्रेट रखता है और शरीर को तंदुरुस्त बनाए रखते हैं।

हड्डियों को बनाए मजबूत

मखाने में काफी मात्रा में कैल्शियम पाई जाती है, जो हड्डियों को मजबूत बनाने का काम करता है। यह हड्डियों के दर्द और गठिया रोग की समस्या भी ठीक हो सकती है। मखाना रायता आप दोपहर के खाने के समय खा सकते हैं। वजन कम करने के लिए ये उपयोगी होता है।

प्रेगनेंसी में फायदेमंद

प्रेग्नेंसी में मखाना महिला और शिशु दोनों के लिए फायदेमंद होता है। मखाना रायता खाने से गर्भवती महिलाओं को जरूरी पोषक तत्व मिलते हैं। इसके सेवन से शारीरिक कमजोरी और थकान भी दूर होती है।

ब्लड शुगर लेवल

मखाना का रायता खाने से ब्लड शुगर कंट्रोल में रहता है। यह डायबिटीज के रोगियों के लिए काफी फायदेमंद होता है क्योंकि इसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स बहुत कम होता है।

हार्ट के लिए फायदेमंद

मखाना रायता में भरपूर मात्रा में एंटी ऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं, जो हार्ट के लिए फायदेमंद माना जाता है। हृदय संबंधी समस्याओं में मखाना का सेवन काफी फायदेमंद होता है। साथ ही इससे कोलेस्ट्रोल लेवल और हाई ब्लड प्रेशर भी कंट्रोल में रखता है।

पाचन तंत्र के लिए फायदेमंद

मखाना रायता खाने से पाचन तंत्र भी सही रहता है। यह खाने को आसानी से पचा सकता है और अपच की समस्या से भी दूर रखता है। इसके अलावा इससे गैस और कब्ज की दिक्कत नहीं होती है।

रायता बनाने की रेसिपी

रायता बनाने के लिए आप एक बाउल में दही ले लें और उसमें मखाना डालकर कुछ देर के लिए छोड़ दें। इसके अलावा आप एक बाउल में हरी मिर्च, काली मिर्च, धनिया, टमाटर और पुदीने का इस्तेमाल कर सकते हैं। अब मखाना और इन सभी चीजों को मिलाकर एक बढ़िया रायता तैयार कर लें।

सहजन की पत्तियों का जूस पीने से शरीर की इन समस्याओं में मिलता है फायदा, इसे पीने का तरीका

सहजन सेहत के लिए फायदेमंद एक पौष्टिक सब्जी है। सहजन को कई लोग मोरिंगा के नाम से भी जानते हैं। सहजन की सब्जी का सेवन करने के अलावा इसके फूल और पत्तियों का सेवन भी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद माना जाता है। सहजन सेहत के लिए एक बेहतरीन सुपरफूड है। सहजन की पत्तियों का पराठा भी खूब पसंद किया जाता है और इसका सेवन बहुत फायदेमंद माना जाता है। सहजन की पत्तियों में सेहत के लिए फायदेमंद मल्टीविटामिन्स, एंटीऑक्सीडेंट गुण और एमिनो एसिड पाए जाते हैं। सहजन का इस्तेमाल खाने के अलावा कई तरह की आयुर्वेदिक दवाओं को बनाने के लिए किया जाता है। कई गंभीर बीमारियों को दूर करने के लिए सहजन की पत्तियों का इस्तेमाल बहुत फायदेमंद होता है। सहजन की पत्तियों का जूस कई गंभीर समस्याओं और बीमारियों में फायदेमंद माना जाता है। आइये विस्तार से जानते हैं सहजन की पत्तियों का जूस पीने के फायदे और इस्तेमाल का तरीका। आयुर्वेद में सहजन की पत्तियों के फायदे के बारे में विस्तार से बताया गया है। आयुर्वेद में सहजन को 300 से ज्यादा बीमारियों की दवा माना गया है। इसकी पत्तियों में कार्ब्स, प्रोटीन, कैल्शियम, पोटेशियम, आयरन, मैग्नीशियम, विटामिन ए, विटामिन सी और विटामिन बी काम्प्लेक्स प्रचुर मात्रा में होता है।

डायबिटीज के मरीजों के लिए फायदेमंद : सहजन की पत्तियों में मौजूद गुण डायबिटीज की समस्या में बहुत फायदेमंद माने जाते हैं। शरीर में ब्लड शुगर के स्तर को संतुलित करने में सहजन की पत्तियां बहुत फायदेमंद मानी जाती हैं। हमेशा ये सलाह दी जाती है कि डायबिटीज की समस्या में सहजन की पत्तियों के जूस का सेवन बिना डॉक्टर की सलाह के नहीं करना चाहिए।

वजन कम करने में फायदेमंद : सहजन की पत्तियों में एंटी-ओबेसिटी गुण पाए जाते हैं। इसका सेवन मोटापे की समस्या में बहुत फायदेमंद होता है। वजन कम करने के लिए आप सहजन की पत्तियों का जूस रोजाना पी सकते हैं। चूंकि आज के समय में असंतुलित खानपान और जीवनशैली की वजह से काफी लोगों में मोटापे की समस्या देखने को मिल रही है। ऐसे में आप वजन कम करने के लिए सहजन की पत्तियों का जूस पी सकते हैं।

हड्डियों को मजबूत करने में फायदेमंद : हड्डियों की समस्या में सहजन की पत्तियां बहुत फायदेमंद मानी जाती हैं। सहजन या मोरिंगा में कैल्शियम, मैग्नीशियम, फास्फोरस प्रचुर मात्रा में पाया जाता है जो हड्डियों को हेल्दी रखने के लिए बहुत जरूरी माना जाता है। सहजन की पत्तियों का जूस पीने से ऑस्टियोपोरोसिस की समस्या में बहुत फायदा मिलता है।

खून को साफ रखने में फायदेमंद : सहजन की पत्तियों का इस्तेमाल खून को साफ करने के लिए बहुत फायदेमंद माना जाता है। सहजन की पत्तियों में मौजूद गुण खून को डिटॉक्सिफाई करने का काम करता है। इसका जूस पीने से शरीर में मौजूद विषाक्त पदार्थ यूरिन के जरिए बाहर निकल जाते हैं। आप डॉक्टर की सलाह के आधार पर ही इसका सेवन करें।

पेट के लिए फायदेमंद सहजन की पत्तियों का जूस : पेट से जुड़ी समस्याओं को दूर करने के लिए सहजन की पत्तियों का जूस बहुत फायदेमंद माना जाता है। इसका सेवन करने से पेट दर्द की समस्या और पेट के अल्सर में बहुत फायदा मिलता है। सहजन की पत्तियों में मौजूद गुण अल्सर के जोखिम को कम करने में बहुत फायदेमंद होते हैं।

बालों और स्किन को हमेशा हेल्दी रखने के लिए जरूरी है ब्यूटी स्लीप

नींद लेना आपके संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए बहुत जरूरी है। इसलिए पर्याप्त नींद लेना बहुत जरूरी है। जब आप पर्याप्त नींद नहीं लेते हैं तो यह सिर्फ आपके शारीरिक स्वास्थ्य को ही नहीं, बल्कि आपके मानसिक स्वास्थ्य, त्वचा और बालों की हेल्थ को भी प्रभावित करता है। लेकिन इन दिनों हम में से ज्यादातर लोग नींद न आने की समस्या से परेशान हैं, जो हमारी सेहत को नुकसान पहुंचा रहा है। लेकिन क्या आपने कभी ब्यूटी स्लीप के बारे में सुना है, जिसे त्वचा और बालों की सेहत के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है? अगर आपका जवाब ना है तो आप बिल्कुल सही जगह पर हैं।

क्या है ब्यूटी स्लीप : ब्यूटी स्लीप कोई नई चीज नहीं है, ब्यूटी स्लीप एक अच्छी गुणवत्ता वाली नींद है। इन दिनों में हम में से ज्यादातर लोग व्यस्त जीवनशैली के चलते पर्याप्त नहीं नहीं ले पाते हैं। यहां तक कुछ लोग देर रात तक मोबाइल फोन या अपने लैपटॉप से चिपके रहते हैं। जिससे आंखों के नीचे काले घेरे, सूजन और स्किन डल पड़ने लगती है। वहीं, जब आप अगर आप एक अच्छी गुणवत्ता वाली नींद लेते हैं तो अगले दिन आप फ्रेश और एनर्जेटिक महसूस करते हैं, साथ ही हमारे संपूर्ण स्वास्थ्य को लाभ पहुंचाती है। इसे

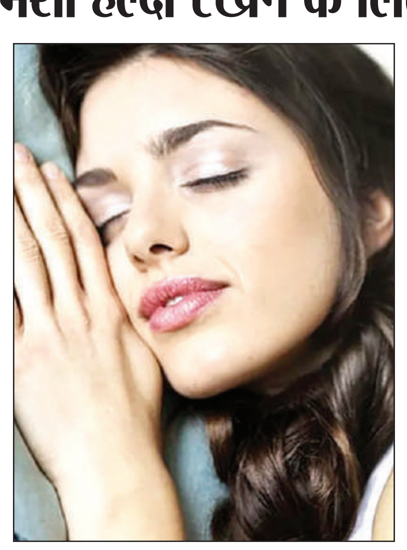

ही ब्यूटी स्लीप कहा जाता है। इन दिनों ज्यादातर सेलिब्रिटीज सुंदर और जवां दिखने के लिए 7-8 घंटे की अच्छी नींद या ब्यूटी स्लीप जरूर लेते हैं।

त्वचा के लिए कैसे फायदेमंद है ब्यूटी स्लीप : जब आप एक अच्छी नींद लेते हैं तो यह त्वचा को कई तरह से लाभ पहुंचाता है। इससे त्वचा में ब्लड फ्लो बेहतर होता है। साथ ही थकी और सुस्त से त्वचा से छुटकारा मिलता है। इसके अलावा आंखों के नीचे काले घेरे, आई बैग्स की समस्या से निजात मिलती है। साथ ही आपको एक साफ और दमकती त्वचा मिलती है।

बालों के लिए कैसे फायदेमंद है ब्यूटी स्लीप : जब आप एक अच्छी और पर्याप्त नींद लेते हैं तो यह आपके बालों के लिए बेहद फायदेमंद होता है। स्कैल्प में ब्लड फ्लो अच्छी तरह होता है जिससे बालों को पोषण मिलता है। बालों की रंगत बेहतर होती है, आपको काले चमकदार बाल मिलते हैं। बालों की झड़ने की समस्या कम होती है, आपको घने और लंबे बाल मिलते हैं।

कम नींद लेने से सेहत को होने वाले नुकसान : अगर आप पर्याप्त नींद नहीं लेते हैं तो यह आपकी संपूर्ण स्वास्थ्य को नकारात्मक रूप से प्रभावित करता है। कई गंभीर समस्याओं का जोखिम बढ़ता है, जैसे मोटापा, डायबिटीज, हृदय रोग, अनियंत्रित ब्लड प्रेशर, तनाव, चिंता और अवसाद जैसी समस्याएं। इसके साथ ही त्वचा और बालों को भी नुकसान पहुंचता है। आपकी इम्यूनिटी कमजोर होती है, जिससे आप वायरल संक्रमण की चपेट में बहुत जल्दी आते हैं। इसके अलावा महिलाओं में हार्मोनल असंतुलन से जुड़ी समस्याओं के लिए नींद की कमी एक बड़ा कारण है।

भिंडी से बनाएं ये बेहतरीन फेस पैक, चेहरे पर निखार लाने के साथ-साथ मिलेंगे कई फायदे

विटामिन ए, सी, फोलेट और कैल्शियम जैसे कई अन्य जरूरी पोषक तत्वों से भरपूर भिंडी सिर्फ खाने में ही स्वादिष्ट नहीं होती यह आपकी त्वचा के लिए भी बहुत फायदेमंद होती है। अक्सर धूल-मिट्टी और प्रदूषण के कारण आपके चेहरे पर गंदगी की परत जम जाती है। जिसके कारण आपके चेहरे पर कील-मुंहासे व अन्य दिक्कतें होने लगती हैं। इनसे छुटकारा पाने के लिए आज हम बताने जा रहे हैं भिंडी के फेसपैक के बारे में। ये फेसपैक आपके चेहरे को ग्लोइंग बनाते हैं और फाइन लाइन्स के साथ ही मुंहासों की दिक्कत से भी छुटकारा दिलाते हैं।

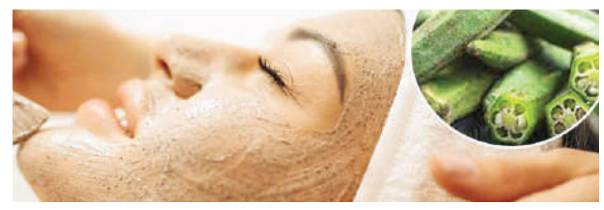

भिंडी और पानी

- भिंडी और पानी का फेसपैक एंटी एजिंग गुणों से भरपूर होता है। इसे चेहरे पर लगाने से बढ़ती उम्र के लक्षणों को चेहरे पर दिखने से रोका जा सकता है।
- भिंडी और पानी का फेसपैक बनाने के लिए सबसे पहले 5 से 6 भिंडी लें।
- इन्हें पानी के साथ मिलाकर पीस लें। इससे एक गाढ़ा पेस्ट बनेगा।
- अब इस पेस्ट को अपने चेहरे पर लगाएं।
- 10 मिनट लगाकर रखने के बाद अपने चेहरे को सादे पानी से धो लें।

भिंडी और नींबू

- इस फेसपैक को लगाने से त्वचा पर मौजूद दाग-धब्बों से छुटकारा मिलता है। फेशियल हेयर्स को कम करने के लिए भी आप इसे लगा सकते हैं।
- सबसे पहले 5 से 6 भिंडी लेकर इनके 2 टुकड़े कर लें।
- कटी हुई भिंडी को उबालकर पेस्ट बना लें।
- भिंडी के पेस्ट में 3 से 4 बूंद नींबू के रस की मिलाएं।
- इस पेस्ट को चेहरे पर लगाएं।
- जब यह सूख जाए तब साफ पानी से चेहरा धोएं।

भिंडी और दही

- भिंडी में एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं जो कोलेजन के उत्पादन को बढ़ावा देते हैं। इससे त्वचा में निखार आता है।
- कुछ भिंडी लेकर इन्हें उबाल लें।
- उबली हुई भिंडी का पेस्ट बनाएं।
- अब इसमें दही के साथ ऑलिव ऑयल मिला लें।
- इसे अपने चेहरे पर 10 मिनट के लिए लगाएं।
- इसके बाद चेहरा धो लें।

भिंडी और जीरा

- भिंडी और जीरा वाला फेसपैक लगाने से त्वचा में फाइन लाइन्स के साथ रिंकल्स को करने में मदद मिलती है।
- भिंडी-जीरे का फेसपैक बनाने के लिए 8 से 10 भिंडी लें।
- सभी भिंडी के साथ आधा चम्मच जीरा पानी में डालकर उबालें।
- अब इस पानी को ठंडा होने के बाद अपने चेहरे व गर्दन पर लगाएं।
- इसे 10 से 15 मिनट लगा ही छोड़ दें।
- सूखने के बाद अपने चेहरे को साफ पानी से धोएं।

भिंडी का पेस्ट

- भिंडी के पेस्ट को फेसपैक के तौर पर लगाने से त्वचा में कसाव लाने में मदद मिलती है। इससे झुर्रियां कम होती हैं और चेहरा पर ग्लो आता है।
- भिंडी के पेस्ट को भी सीधा अपने चेहरे पर लगा सकते हैं।
- इस पेस्ट को बनाने के लिए सबसे पहले कुछ भिंडी लें।
- इन्हें अच्छी तरह से पीस लें।
- अब इस पेस्ट को अपने चेहरे पर लगाएं।
- 5 से 10 मिनट इसे लगाकर रखने के बाद इसे सादे पानी से धो लें।

देश में गर्मी ने पकड़ा जोर, कई जगह पारा 45 डिग्री पर पहुंचा, विदर्भ में लू की मार

–उत्तर–पश्चिम, मध्य और पूर्वी भारत के अलग–अलग इलाकों में हीटवेव की संभावना

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के कई हिस्सों में गर्मी का प्रकोप शुरू हो गया है। यूपी के बांदा में 17 अप्रैल को 45 डिग्री तापमान दर्ज करने वाला पहला शहर बना गया। विदर्भ के वर्धा में भी तापमान 45 डिग्री तक पहुंच गया है। दिल्ली में भी भीषण गर्मी को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। कई इलाकों में हीटवेव की चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, विदर्भ और पूर्वी उत्तर प्रदेश में गर्मी का असर साफ दिखाई दे रहा है। नागपुर, गोंदिया, अमरावती समेत कई इलाकों में पारा 40 डिग्री से ऊपर पहुंच रहा है। पूरा विदर्भ क्षेत्र लू की मार झेल रहा है। इसके अलावा प्रयागराज, वाराणसी, सुल्तानपुर और फुर्सतगंज में लू का असर देखा जा सकता है। आने वाले दिनों में भी विदर्भ, मराठवाड़ा और मध्य महाराष्ट्र में तापमान ज्यादा रह सकता है।

पूर्वी उत्तर प्रदेश और आसपास के इलाकों में कुछ स्थानों पर तापमान 45 डिग्री तक पहुंच सकता है। 21 से 24 अप्रैल के बीच ओडिशा में भी तापमान बढ़ने के आसार हैं, बताया जा रहा है, फिलहाल गुजरात के कुछ हिस्सों में तापमान ज्यादा

नहीं बढ़ेगा। इस हफ्ते पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और दिल्ली के कुछ हिस्सों में भी लू की स्थिति बनने के आसार जताए जा रहे हैं।

आईएमडी के मुताबिक इस साल अप्रैल के तापमान में एक नया ट्रेंड देखने को मिला है। बीते सालों में जहां अप्रैल की शुरुआत में ही गर्मी का भयानक कहर शुरू हो जाता था, इस बार गर्मी का असर देर से महसूस हुआ है। साल 2026 में अप्रैल महीने में 16 अप्रैल को अधिकतम तापमान 40.3 डिग्री दर्ज किया गया, जबकि 17 अप्रैल को यह बढ़कर 41.0 डिग्री पहुंच गया था। वहीं, साल 2025 में अप्रैल की शुरुआत में ही तापमान 40 डिग्री के पार चला गया था।

नई दिल्ली (सफदरजंग) के आंकड़ों के मुताबिक पिछले कुछ सालों में अप्रैल महीने का सबसे ज्यादा तापमान 43.5 डिग्री रहा, जो 29 और 30 अप्रैल 2022 को दर्ज किया गया था। वहीं, नई दिल्ली (पालम) में पिछले पांच सालों में अप्रैल का सबसे ज्यादा तापमान 44.0 डिग्री दर्ज किया गया, जो 30 अप्रैल 2022 को रिकॉर्ड हुआ था। बता दें, भारत मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक मंगलवार को दिल्ली में हीटवेव की स्थिति बनी रह सकती है। ज्यादा पारा 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। इसके अलावा आने वाले दिनों में उत्तर-पश्चिम, मध्य और पूर्वी भारत के अलग-अलग इलाकों में हीटवेव की संभावना है। पंजाब, पूर्वी राजस्थान, विदर्भ और छत्तीसगढ़, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली के कुछ इलाकों में 24 अप्रैल तक और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 25 अप्रैल तक हीटवेव का अलर्ट जारी किया है।

अनुमान लगाया जा रहा है कि वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के प्रभाव से 23 अप्रैल के आसपास एक नया सिस्टम पश्चिमी हिमालय तक पहुंचेगा, हालांकि इसका असर मुख्य रूप से पहाड़ी इलाकों तक ही सीमित रहने की संभावना है। दिल्ली में कुछ दिनों तक हल्के बादल छाए रह सकते हैं। दिल्ली और आसपास के इलाकों में हीटवेव जैसी स्थिति बनने की प्रबल संभावना है, और कुछ स्थानों पर तापमान 44डिग्री तक पहुंच सकता है।

मणिपुर में कांपी धरती, 5.2 तीव्रता का आया भूकंप, सो रहे लोग घरों से आए बाहर

-जापान में भूकंप के बाद कुजी बंदरगाह पर 80 सेंटीमीटर ऊंची दिखी सुनामी लहरें

इम्फाल (एजेंसी)। मंगलवार तड़के मणिपुर में 5.2 तीव्रता का भूकंप आया। वहीं दूसरी ओर जापान में आए विनाशकारी भूकंप के बाद समुद्र की लहरों ने तटीय इलाकों में दस्तक दी है। राहत की बात यह है कि अभी तक किसी बड़े जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक मंगलवार सुबह 5:59 बजे मणिपुर के कामजोंग जिले में भूकंप आया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5.2 मापी गई। भूकंप का केंद्र जमीन से 62 किलोमीटर नीचे था। सुबह के समय आए इन झटकों से लोग डरकर घरों से बाहर आ गए। फिलहाल राज्य के किसी भी हिस्से से नुकसान की कोई खबर नहीं है। वहीं दूसरी ओर जापान मौसम विज्ञान एजेंसी ने बताया कि इवाते प्रांत के कुजी बंदरगाह पर 80 सेंटीमीटर ऊंची सुनामी देखी गई। शाम 4:53 बजे आए भूकंप की तीव्रता जापान के भूकंपीय तीव्रता पैमाने पर 7 में से 5 के ऊपरी स्तर पर दर्ज की गई और इसका केंद्र 10 किलोमीटर की गहराई पर था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जापान मौसम विज्ञान एजेंसी ने पिछले एक सप्ताह से इसी तरह के भूकंपों की चेतावनी जारी की थी। जापानी मौसम एजेंसी ने होक्काइडो, आओमोरी और इवाते प्रांतों के प्रशांत तटों के लिए सुनामी की चेतावनी जारी की है और तत्काल 3 मीटर तक ऊंची लहरों के आने का पूर्वानुमान लगाया है। जापानी प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची ने भूकंप प्रभावित क्षेत्रों के लोगों से ऊंची जगहों पर जाने का आग्रह किया।

नारी के हक को जिस–जिसने मारा है उसका सर्वनाश हुआ है : आचार्य प्रमोद

–देश में सबसे ज्यादा समस्या पैदा करने का काम राहुल गांधी कर रहे हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस से नाता तोड़ चुके सीनियर नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने महिला आरक्षण बिल को लेकर पार्टी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि देश की सबसे बड़ी समस्या अब राहुल गांधी बन चुके हैं। चाहे महिलाओं की बात हो, 370 की बात हो, तीन तलाक की बात हो, चुनाव आयोग की बात हो, सबसे ज्यादा समस्या पैदा करने का काम राहुल गांधी कर रहे हैं। कांग्रेस के नेता रह चुके आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि जो नारी शक्ति का सम्मान नहीं करेगा, उसका पतन सुनिश्चित है। पूरे देश के अंदर कश्मीर से कन्याकुमारी तक, अटक से कटक तक भारत की नारी एक ही नारा लगा रही है कि राहुल गांधी के नेतृत्व में विपक्ष ने नारी शक्ति का अपमान किया है। आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि राहुल गांधी को यह पता चल चुका है कि देश की उन्होंने आधी आबादी के हकों को मारने का काम किया है। पीएम मोदी महिलाओं का सम्मान करना चाहते थे, लेकिन राहुल गांधी ने उसका विरोध किया। जबसे यह सृष्टि बनी है, तबसे लेकर आज तक नारी का अपमान जिस, जिसने किया है। नारी के हक को जिस–जिसने मारा है उसका सर्वनाश हुआ है। कृष्णम ने कहा कि राहुल गांधी ने जब से महिलाओं का अपमान किया है, उनकी आत्मा मन ही मन उन्हें कचोट रही है और वह अनर्गल बातें कर रहे हैं। सच बात यह है कि देश की जनता और खासतौर पर माताएं–बहनें अब कांग्रेस के पुतले जला रही हैं। उससे डरकर राहुल गांधी का मानसिक संतुलन बिगड़ चुका है।

'आई–पैक' ने 1300 कर्मियों को छुट्टी पर भेजा, तरह–तरह के उठ रहे सवाल

कोलकाता(एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस और सीएम ममता बनर्जी का चुनावी कैंपेन संभाल रही फर्म 'आई–पैक' का कोलकाता के विधाननगर स्थित दफ्तर दो दिन से बंद है। सूत्रों के मुताबिक इसके एचआर ने 1300 कर्मियों को छुट्टी पर भेज दिया है। यह सब ऐसे समय हुआ है जब पहले चरण का मतदान को कुछ दिन ही बचे हैं। 23 अप्रैल को पहले चरण के तहत 152 सीटों पर मतदान होना है। चुनाव प्रचार मंगलवार को खत्म हो गया। दूसरे चरण की वोटिंग 29 अप्रैल को है। रिजल्ट 4 मई को आएंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक तृणमूल की बूथ लेवल की गतिविधि से लेकर नेताओं की सभाएं, रैलियां, सब कुछ तय करने में आईपैक एक पॉलिटिकल कंसल्टेंसी कंपनी की अहम भूमिका निभा रही है। बंगाल में पार्टी के मौजूदा करीब 33फीसदी विधायकों के टिकट काटने के फैसले के पीछे भी इसी का सर्वे आधार था। इसने बंगाल के 93 हजार पोलिंग बूथों के लिए एक लाख शैडो एजेंट्स तैयार किए थे। टीएमसी भले ही इसके बंद होने की खबरों को खारिज कर रही है, लेकिन मतदान से ठीक पहले संगठन और कार्यकर्ता असमंजस में आ गए हैं। हालांकि पार्टी सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने कहा कि हम संसद में दूसरी बड़ी विपक्षी पार्टी हैं। 5 एजेंसियों के साथ काम कर रहे हैं। सभी ठीक हैं। पार्टी के एक अन्य नेता ने बताया कि टीएमसी संगठन 4 स्तर पर काम कर रहा है। इस बीच, टीएमसी ने आशंका जताई है कि उसके 800 नेताओं, कार्यकर्ताओं को केंद्रीय सुरक्षा बल एहतियातन गिरफ्तार कर सकते हैं। इसे लेकर पार्टी ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर तुरंत सुनवाई की मांग की है। पार्टी को आशंका है कि केंद्रीय बल राज्य के पुलिस थानों को कब्जे में ले सकते हैं।

हाईकोर्ट ने मोहन भागवत की जेड प्लस सुरक्षा पर खर्च को लेकर याचिका खारिज की

–याचिकाकर्ता की मंशा पर जताई शंका, सार्वजनिक धन के दुरुपयोग के आरोप नहीं माने

नागपुर (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत को मिली जेड प्लस सुरक्षा पर होने वाले खर्च को लेकर दायर जनहित याचिका को बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर खंडपीठ ने खारिज कर दिया है। अदालत ने न केवल याचिका को अस्वीकार किया, बल्कि याचिकाकर्ता की मंशा पर भी सवाल उठाए।

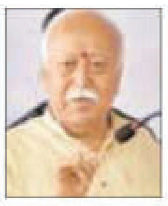

यह मामला हाईकोर्ट की नागपुर पीठ के समक्ष आया था, जहां मुख्य न्यायाधीश जस्टिस श्री चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति जस्टिस अनिल किलोर की पीठ ने सुनवाई की। याचिका में दावा किया गया था कि भागवत को दी गई जेड प्लस सुरक्षा पर हर महीने लगभग 40 से 45 लाख रुपये खर्च हो रहे हैं, जो करदाताओं के पैसे का दुरुपयोग है। नागपुर निवासी ललन सिंह द्वारा दायर इस याचिका में कहा गया था कि चूंकि आरएसएस एक पंजीकृत संगठन नहीं है, इसलिए उसके प्रमुख को दी जा रही सुरक्षा का खर्च सरकार की बजाय संगठन को वहन करना चाहिए। याचिकाकर्ता ने अदालत से अनुरोध किया था कि इस खर्च की भरपाई संघ से कराई जाए। याचिका में मुकेश अंबानी से जुड़े एक मामले का भी हवाला दिया गया, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने 2023 में निर्देश दिया था कि उन्हें दी गई जेड प्लस सुरक्षा का खर्च उनके परिवार द्वारा उठाया जाए। हालांकि, हाईकोर्ट ने इस तर्क को स्वीकार नहीं किया और याचिका को खारिज करते हुए याचिकाकर्ता के इरादों पर सवाल उठाए। अदालत ने संकेत दिया कि इस तरह की याचिकाएं जनहित के नाम पर दाखिल की जाती हैं, लेकिन उनके पीछे वास्तविक उद्देश्य संदिग्ध हो सकता है।

गौरतलब है कि मोहन भागवत की सुरक्षा को जून 2015 में बढ़ाकर जेड प्लस श्रेणी में किया गया था, जिसके बाद उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी सीआईएसएफ को सौंप दी गई थी। इससे पहले उनकी सुरक्षा महाराष्ट्र पुलिस के पास थी। उल्लेखनीय है कि उन्हें पहली बार 2012 में तत्कालीन यूपीए सरकार के दौरान जेड प्लस सुरक्षा प्रदान की गई थी, जब सुशील कुमार शिंडे देश के गृहमंत्री थे।

तमिलनाडु चुनाव: स्टालिन की होगी वापसी, बीजेपी खाता खुलना भी मुश्किल !

–डीएमके गठबंधन को 120 से 140 तो एआईएडीएमके को मिल सकती है 90 सीटें

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु की 234 सीटों पर 23 अप्रैल को मतदान होना है। सरकार बनाने के लिए 118 सीटें की जरुरत होती है। मुकाबला डीएमके और एआईएडीएमके के बीच है। एक तरफ सीएम एमके स्टालिन का द्रविड़ियन मॉडल और उनकी पॉपुलर योजनाएं हैं, दूसरी तरफ जयललिता की विरासत संभाल रही एआईएडीएमके और बीजेपी गठबंधन है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक तमिलनाडु में स्टालिन सरकार की वापसी हो सकती है। डीएमके गठबंधन को 120 से 140 सीटें मिल सकती हैं। इनमें डीएमके को 100 से 110, कांग्रेस को 10 से 15 और गठबंधन की बाकी पार्टियों को 10 से 15 सीटें मिल सकती हैं। 2021 में डीएमके को 133 और कांग्रेस को 18 सीटें मिली थीं। गठबंधन ने 159 सीटें जीती थीं। डीएमके ने अपने दम पर बहुमत हासिल किया था। वहीं दूसरी बड़ी पार्टी एआईएडीएमके के गठबंधन को 90 से 100 सीटें मिल सकती हैं। एआईएडीएमके को 70 से 80 सीटें मिलने के आसार हैं। 27 सीटों पर लड़ रही बीजेपी का खाता खुलना मुश्किल दिख रहा है, लेकिन पार्टी ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया, तो 5 सीटें मिल सकती हैं। कोयंबटूर साउथ, तिरुनेलवेली, नागरकोइल, मोडाकुरिची और कारैकुडी सीट पर जीत के ज्यादा चांस हैं। गठबंधन की बाकी पार्टियों को 5 से 10 सीटें मिल सकती हैं। 2021 में एआईएडीएमके ने 66 और बीजेपी ने 4 सीटें जीती थीं। गठबंधन को सिर्फ 75 सीटें मिली थीं। रिपोर्ट के मुताबिक तमिल फिल्मों से सुपरस्टार थलापति विजय की नई पार्टी टीवीके का कोई खास असर नजर नहीं आ रहा है। पार्टी को 5 से 15 सीटें मिल सकती हैं। हालांकि पार्टी का वोट शेयर 12फीसदी रह सकता है। टीवीके पहली बार चुनाव लड़ रही है। पिछली बार एक्टर सीमान की पार्टी नाम तमिलर काची (एनटीके) और कमल हासन की मक्कल नीधि मय्यम (एमएनएम) का खाता नहीं खुला था। स्टालिन ने सेक्युलर प्रोग्रेसिव अलायंस को चुनाव के पहले मजबूत किया। गठबंधन को मैनेज करना उनकी सबसे बड़ी खासियत मानी जाती है। स्थानीय और जातियों वाली पार्टियों को साथ लाए। कलैगनार मगलिर उरीमाई थोगाई योजना के तहत हर महिला को एक हजार रुपए महीने दिया। ये पैसा करीब एक करोड़ महिलाओं को मिला। सरकारी बसों में महिलाओं के लिए फ्री सफर बड़ा फैक्टर है। सरकारी स्कूल से पढ़कर कॉलेज में जाने वाली लड़कियों को हर महीने एक हजार रुपए दिए गए। प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए फ्री कोचिंग, लाइब्रेरी, रीडिंग रूम, स्कॉलरशिप प्रोग्राम चलाए। इनका फायदा लेने वाले युवा फर्स्ट टाइम वोटर हैं। तमिलनाडु में करीब 12.51 लाख युवा पहली बार वोट डालेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक गठबंधन की कमजोरी कांग्रेस है। उसे 28 सीटें मिली हैं। पार्टी के स्टार प्रचारक राज्य में कम ही सक्रिय रहे। कांग्रेस ने प्रचार का पूरा जिम्मा डीएमके को सौंप दिया है।

केदारनाथ मंदिर कमेटी का फैसला...न मोबाइल, न फोटो, और न ही वीडियो या इंस्ट्राग्राम रील बनाएंगे

देहरादून। केदारनाथ मंदिर की पवित्रता और धार्मिक मर्यादा बनाए रखने के लिए मंदिर समिति ने बड़ा निर्णय लिया है। अब मंदिर परिसर में मोबाइल फोन के इस्तेमाल पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाया है। समिति के सदस्य विनीत पोस्टी के अनुसार, श्रद्धालु मंदिर के अंदर मोबाइल नहीं ले जा सकते और न ही फोटो, वीडियो या इंस्ट्राग्राम रील बना पाएंगे। इस नियम का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई होगी, जिसमें सजा का प्रावधान भी शामिल हो सकता है। इस फैसले का मुख्य उद्देश्य श्रद्धालुओं को शांतिपूर्ण और आध्यात्मिक वातावरण में दर्शन का अनुभव कराना है। देहरादून से मिली जानकारी के अनुसार, मंदिर समिति ने सभी यात्रियों से इन दिशा–निर्देशों का पालन करने की अपील की है ताकि धार्मिक स्थल की गरिमा बनी रहे। वहीं, रुद्रप्रयाग पुलिस प्रशासन ने आगामी केदारनाथ यात्रा को ध्यान में रखते हुए व्यापक यातायात प्रबंधन योजना तैयार की है। इस योजना के तहत यात्रा मार्गों पर ट्रैफिक को नियंत्रित करने, भीड़भाड़ कम करने और सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान दिया गया है। राष्ट्रीय राजमार्गों से लेकर संपर्क मार्गों तक यातायात व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है। प्रमुख स्थानों पर पुलिस बल की तैनाती की जाएगी और स्थायी व अस्थायी पार्किंग की व्यवस्था भी की जाएगी ताकि जाम की स्थिति से बचा जा सके। पुलिस अधीक्षक निहारिका तोमर ने बताया कि जिले को 2 सुपर जोन और 11 सेक्टरों में बांटा गया है। साथ ही 13 मोबाइल पुलिस टीमें भी तैनात रहेंगी। जरूरत पड़ने पर वैकल्पिक मार्गों का उपयोग किया जाएगा। यह पूरी योजना श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा और सुचारू यात्रा सुनिश्चित करने के लिए बनाई गई है।

दिल्ली में शराब के बाद गुजरात में हवाला कांड में फंस सकती आम आदमी पार्टी

श्रीनगर(एजेंसी)। सूरत,(ईएमएस)। गुजरात के सूरत जिले में सामने आए कथित हवाला मामले ने आम आदमी पार्टी (आप) की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। दिल्ली के कथित शराब घोटाले में ट्रायल कोर्ट से राहत मिलने के बाद जहां मामला हाई कोर्ट में पहुंच चुका है, वहीं अब गुजरात से एक नया विवाद सामने आया गया है। सूरत पुलिस ने दावा किया है कि एक बड़े हवाला रैकेट का खुलासा किया है, जिसमें पार्टी के कुछ पदाधिकारी शामिल हैं और जांच की आंच बड़े नेताओं तक भी पहुंच सकती है। पुलिस ने हवाला मामले में आकाश मिश्रा और अजय तिवारी को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि ये दोनों हवाला नेटवर्क के जरिए पैसे के लेनदेन में शामिल थे। पुलिस सूत्रों के अनुसार, यह नेटवर्क कथित तौर पर दिल्ली से संचालित हो रहा था और इसमें पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के निर्देश होने की भी आशंका जाहिर की गई है। सूरत पुलिस की जांच में देखा जा रहा है कि क्या इन पैसों का उपयोग गुजराज की पटेल सरकार के खिलाफ माहौल बनाने और सोशल मीडिया पर प्रभाव डालने के लिए किया गया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मिश्रा पहले सत्येंद्र जैन के साथ काम कर चुका है और कई राज्यों—दिल्ली, हरियाणा, बिहार और मध्य प्रदेश में सक्रिय रहा है। आरोप है कि हवाला के जरिए मिले पैसे सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स और यूट्यूबर्स को देते थे, ताकि वे गुजरात सरकार के विरोध में माहौल तैयार करें और सामाजिक विभाजन को बढ़ावा दें। इस मामले में आयकर विभाग ने भी जांच शुरु की है। जांचकर्ताओं का कहना है कि आरोपियों ने सूरत के महिधरपुरा इलाके में एक अंगड़िया से कई बार 15–20 लाख तक की रकम प्राप्त की।

अपर्णा और शाही के सपा-कांग्रेस का झंडा जलाने पर बीजेपी नाराज, पार्टी की हुई किरकिरी

–अखिलेश ने कहा था– बीजेपी वाले 12 करोड़ आबादी वाले यूपी में सिर्फ 12 महिलाएं भेजते

लखनऊ (एजेंसी)। लोकसभा में महिला आरक्षण बिल को लेकर बिल के पारित ना होने पर यूपी महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव और सदस्य ऋतु शाही ने सपा-कांग्रेस का झंडा जलाकर विरोध जताया था। अब दोनों महिला नेताओं के इस प्रदर्शन पर बीजेपी नेतृत्व नाराज है। राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव और सदस्य ऋतु शाही पर पार्टी हाईकमान ने सवाल उठाए हैं कि इससे पार्टी की किरकिरी हुई है।

बता दें 17 अप्रैल की देर रात विधानसभा के बाहर अपर्णा यादव और ऋतु शाही ने महिलाओं के साथ प्रदर्शन किया। उन्होंने सपा और कांग्रेस के झंडे जलाए और विपक्षी दलों के खिलाफ नारेबाजी की। यह प्रदर्शन संसद में नारी शक्ति वंदन अधिनियम के गिर जाने के विरोध में किया गया था। अपर्णा ने कहा था कि यह कलंकित करने वाली रात है। विपक्ष का चेहरा दिखावटी है। नारी शक्ति इन्हें कुचल देगी। सपा-कांग्रेस के नेता दुर्योधन और दुशासन जैसे हैं, इसलिए हमने उनके झंडे जलाए।

प्रदर्शन में सिर्फ 10-12 महिलाओं की मौजूदगी पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने तंज कसा। उन्होंने एक फोटो शेयर कर लिखा- बीजेपी वाले 12 करोड़ महिलाओं वाले यूपी में सिर्फ 12 महिलाओं को भेजते हैं। कहा जा रहा है कि अखिलेश के इस पोस्ट ने बीजेपी को काफी शर्मिंदगी में डाल दिया, जिसकी वजह से पार्टी आला कमान दोनों ही नेताओं से नाराज है। सूत्रों के मुताबिक यूपी बीजेपी अध्यक्ष पंकज चौधरी और महासचिव धर्मपाल सिंह सहित कई बड़े नेता इस घटना से नाराज हैं। उनका कहना है कि बिना पार्टी की अनुमति के और इतनी कम संख्या में प्रदर्शन करना पूरी पार्टी को बदनाम करने जैसा था। पार्टी सूत्रों के मुताबिक अपर्णा यादव और ऋतु शाही से या तो लिखित स्पष्टीकरण मांगा जा सकता है या फिर मौखिक जवाब।

बता दें मुलायम सिंह यादव की छोटी बहू अपर्णा यादव 2022 में सपा छोड़कर बीजेपी में शामिल हुई थीं। ऋतु शाही एसटीएफ के डिप्टी एसपी धर्मेश कुमार शाही की पत्नी हैं और पहले बीजेपी की गोरखपुर इकाई की महिला विंग की कोषाध्यक्ष रह चुकी हैं। बताया जा रहा है कि इस पूरे प्रकरण से बीजेपी की रणनीति को धक्का लगा है, महिला आरक्षण बिल पर विपक्ष के विरोध के बाद इसे बड़ा मुद्दा बनाने के फ़िराक में है। फिलहाल दोनों महिला नेताओं की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

तुम से न हो पाएगा... कहकर तेज प्रताप यादव ने राहुल गांधी पर कस दिया तंज

इंडिया गठबंधन को प्रियंका गांधी वाड्रा ही चला सकती

नई दिल्ली, (एजेंसी)। बिहार के पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव ने कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी से इंडिया गठबंधन नहीं चल पाएगा है। लालू के बड़े बेटे ने कहा कि प्रियंका गांधी वाड्रा इंडिया गठबंधन का नेतृत्व कर सकती हैं और उनमें यह क्षमता है। तेज प्रताप ने कहा, प्रियंका गांधी वाड्रा ही चला सकती हैं। वे इंदिरा गांधी जी की तरह हैं। राहुल गांधी से गठबंधन चलने वाला नहीं है। यात्रा निकालने से या फिर बुलेट पर बैठ जाने से गठबंधन नहीं चलता। इस तरह तेज प्रताप ने कांग्रेस के सर्वोसर्वा राहुल गांधी पर ही सीधा सवाल उठा दिया है।

नीतीश कुमार के बिहार का मुख्यमंत्री पद छोड़ने को लेकर राहुल गांधी ने कहा था कि वह कंप्रोमाइज हुए हैं और इसकारण भाजपा के दबाव में इस्तीफा दिया है। इस बोर में तेज प्रताप से पूछा गया, तब उन्होंने कहा कि राहुल गांधी इन्हीं सब चीजों में फंसे रहने वाले है। शुरू में बुलेट चलाते हुए उनका शौक पूरा नहीं हुआ। अब उन्हें कुर्सी पर बैठने का लालच हुआ है। वह जो कुकिंग कर रहे थे और मीट-मुर्गा बना रहे थे, वही बनाते रहें। तेज ने कहा, प्रियंका गांधी ही चला सकती हैं। राहुल गांधी जी से चलने वाला नहीं है। तेज प्रताप ने कहा कि अब नीतीश के मुख्यमंत्री पद छोड़ने पर बात कर रहे हैं। नीतीश छोड़कर गए, तब दूसरे नेता आए और सीएम बन गए। राहुल गांधी को बिहार को लेकर लालच क्यों लग रहा है। उन्हें क्या यहां पर मुख्यमंत्री का पद चाहिए।

बात दें कि तेज प्रताप यादव ने बिहार विधानसभा चुनाव में आरजेडी से बगावत की थी। वह अपने जनसत्ता दल की ओर से ही खुद लड़े थे और कैंडिडेट भी उतारे थे। हालांकि तेज प्रताप यादव खुद हार गए थे और उनके उतारे किसी कैंडिडेट को भी जीत नहीं मिली थी। तेज प्रताप अपने छोटे भाई तेजस्वी यादव के खिलाफ चुनाव में सीधे हमले करते नहीं दिखे थे, लेकिन उनके करीबियों पर खूब बाण चलाए थे। इतना ही नहीं उनकी बहन रोहिणी आचार्य भी अक्सर सोशल मीडिया पर तेज प्रताप का ही समर्थन करती दिखती हैं। बता दें कि आरजेडी में इस फूट को भी हार की एक वजह माना जाता है।

कोलकाता के आनंदलोक अस्पताल में भीषण आग... 75 से 80 मरीजों को बाहर निकाला गया

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता के मशहूर आनंदलोक अस्पताल में भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। आग ने अस्पताल की कई मंजिलों को अपनी चपेट में ले लिया, जिसके बाद तत्काल राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया। शुरुआती जानकारी के अनुसार, आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है और इसकी जांच जारी है। आग लगने के बाद अस्पताल में भर्ती मरीजों को तुरंत सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट किया गया। स्ट्रेचर और व्हीलचेयर की मदद से करीब 75 से 80 मरीजों को बाहर निकालकर पास की इमारतों में पहुंचाया गया।

भारत और रुस एक-दूसरे के देशों में हजारों सैनिक, फाइटर जेट और वॉरशिप तैनात करने की तैयारी में

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका-ईरान जंग के बीच एक बड़ी हलचल हुई है। जिसका ध्यान पूरी दुनिया से खींचा है। दरअसल भारत और रूस एक दूसरे की जमीन पर अपने हजारों सैनिक, फाइटर जेट और वॉरशिप तैनात करने की तैयारी शुरू कर रहे हैं। बता दें कि भारत और रूस के बीच रीलॉस यानी कि रेसिप्रोकल एक्सचेंज ऑफ लॉजिस्टिक सपोर्ट समझौता पूरी तरह से लागू हो गया है। इसके तहत दोनों देश एक दूसरे के एयरबेस, नेवल बेस और सैन्य ठिकानों का इस्तेमाल कर सकते हैं और वह भी पूरी सफाई के साथ ऑपरेशन कर सकते है। इस डील की सबसे बड़ी ताकत इसकी क्षमता है। अब दोनों देश एक साथ 3000 सैनिक, 10 मिलिट्री एयरक्राफ्ट और पांच वॉरशिप्स एक दूसरे के क्षेत्र में तैनात कर सकते हैं। लेकिन असली खेल सिर्फ तैनाती नहीं है बल्कि उस तैनाती को मिलने वाला पूरा सपोर्ट है। यानी कि रिफ्यूलिंग, रिपेयर, मेंटेनेंस, मेडिकल और ट्रांसपोर्ट यानी पूरी युद्ध मशीन को कहीं भी चलाने की ताकत।

अब भारत की सेना सिर्फ अपने क्षेत्र तक सीमित नहीं बल्कि जरूरत पड़ने पर दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में तेजी से ऑपरेट कर सकती है। बात दें कि आज दुनिया एक नए पावर गेम में है। जहां हर देश अपने सप्लाई रूट्स और मिलिट्री रीच को सुरक्षित करने में लगा है। दूसरी वजह दुनिया भर में चीन का बढ़ता असर है। चीन लगातार एशिया और इंडोपेसिफिक में अपनी पकड़ मजबूत कर रहा है। इसके बाद भारत के लिए अपनी मौजूदगी बढ़ाना जरूरी था। तीसरी वजह रूस की रणनीति को मना जा रहा है। पश्चिमी दबाव के बीच रूस को इसतरह के पार्टनर की जरूरत थी जिस पर भरोसा कर सके और भारत रुस के लिए दुनिया में सबसे भरोसेमंद दोस्त है। इस बीच भारत ने जो रास्ता चुना है वह सबसे अलग है ना पूरी तरह किसी एक के साथ और ना किसी के खिलाफ बल्कि अपने हितों के हिसाब से हर बड़े देश के साथ संतुलन बनाकर चलना।

रूस के पास आर्कटिक से लेकर यूरोप तक फैले सैन्य बेस है और इस डील के बाद भारत को इन इलाकों में एक्सेस मिल सकता है। खासकर आर्कटिक जहां भविष्य के नए समुद्री रास्ते बन रहे हैं। यानी आने वाले समय में व्यापार और संसाधनों पर सीधा असर होगा। दूसरा लॉजिस्टिक मतलब रियल पावर मिलना है। युद्ध सिर्फ हथियारों से नहीं बल्कि सप्लाई से भी जीता जाता है। अब भारत और रूस एक दूसरे को फ्यूल, रिपेयर बेस सपोर्ट दे सकते है। मतलब जहां जरूरत वहां ऑपरेशन आसान। तीसरा स्ट्रेटेजिक ऑटोनोमी जिसका पहले हमने जिक्र किया। यानी कि भारत ने अमेरिका के साथ एलईएमओए किया और अब रूस के साथ रिलोस। मतलब साफ है भारत किसी एक गुट में नहीं बल्कि हर बड़ी ताकत के साथ संतुलन बनाकर चल रहा है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित, मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com